नई दिल्ली । सोमवार , 20 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :104 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल सेल्वा प्रभु ने ओरेगन टीम इनविटेशनल...
@ विचार खाड़ी संकट के दौरान भारत की ...
@ व्यापार आईबीसी ने भारत में बदली दिवालिया कंपनियों ...

डील नहीं की तो हर पावर प्लांट और ब्रिज कर देंगे तबाह: ट्रम्प

हम एक बहुत ही सही और वाजिब डील दे रहे हैं, और मुझे उम्मीद है कि वे इसे मानेंगे

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को फिर धमकाया है। सीजफायर उल्लंघन का आरोप ईरान पर लगाते हुए कहा है कि अगर डील नहीं की तो देश का हरेक पावर प्लांट और ब्रिज तबाह कर दिया जाएगा।

ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर धमकी दी और कहा कि ईरान ने सीजफायर एग्रीमेंट को पूरी तरह से नकारा है। उन्होने दावा किया कि उनमें से कई गोलियां एक फ्रेंच शिप और यूनाइटेड किंगडम के एक मालवाहक जहाज पर निशाना साधकर चलाई गईं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके साथ ही इस्लामाबाद में बातचीत की पुष्टि की। कहा कि उनके प्रतिनिधि सोमवार शाम को पाकिस्तान जाएंगे।

इसके साथ ही ट्रंप ने होर्मुज बंद करने के आईआरजीसी के दावे की भी खिल्ली उड़ाई। उनके अनुसार, ईरान की ये बात अजीब है क्योंकि अमेरिकी नाकेबंदी के चलते पहले ही स्ट्रेट बंद है और ऐसा करके वो अमेरिका की ही मदद कर रहे हैं। उन्हें (ईरान) ही इस मद में रोज 500 मिलियन डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ट्रंप ने डील पर सहमत न होने की सूरत में ईरान को बर्बाद कर देने वाली बात कही। उन्होंने कहा, 'हम एक बहुत ही सही और वाजिब डील दे रहे हैं, और मुझे उम्मीद है कि वे इसे मानेंगे क्योंकि, अगर वे नहीं मानते हैं, तो यूनाइटेड स्टेट्स ईरान में हर एक पावर प्लांट और हर एक ब्रिज को उड़ा देगा। अगर वे डील नहीं लेते हैं, तो यह मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

क्योंकि मैं वह करूंगा जो पिछले 47 साल से अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति ईरान के साथ नहीं कर पाए। 28 फरवरी को इजरायल-यूएस की संयुक्त एयर स्ट्राइक शुरू हुई थी। 8 अप्रैल को दो हफ्ते की अस्थायी संघर्ष विराम की घोषणा की गई। इसके बाद स्थायी समाधान ढूंढने के लिए इस्लामाबाद में वार्ता का आयोजन किया गया जो बेनतीजा रही। इसके बाद से दूसरे दौर के संवाद की चर्चा थी। आधिकारिक घोषणा तो नहीं हुई थी लेकिन डॉन मीडिया आउटलेट ने पुलिस के हवाले रविवार को बताया कि विदेशी डेलीगेशन के राजधानी आगमन को देखते हुए इस्लामाबाद का रेड जोन ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। अब ट्रंप की पोस्ट ने इस्लामाबाद टॉक्स 2 की तस्दीक कर दी है।

ईरान अपना डेलिगेशन पाकिस्तान नहीं भेजेगा

अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने को लेकर इस्लामाबाद में सोमवार को दूसरे दौर की बातचीत होने वाली है। लेकिन इससे पहले ईरान ने वहां अपने प्रतिनिधियों को भेजने से इनकार कर दिया है।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक जब तक ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी, तब तक पाकिस्तान में

बातचीत के लिए कोई डेलिगेशन नहीं भेजा जाएगा।

तमिलनाडु : पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 22 की मौत

एजेंसी ■ विरुधुनगर

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के पास कट्टानारपट्टी स्थित 'वनजा पटाखा फैक्ट्री' में रविवार को धमाके से भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि विरुधुनगर जिले में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में कई लोगों की मृत्यु की दुखद खबर से गहरा दुख हुआ है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु से तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्यों में तेजी लाने और उनकी निगरानी करने तथा प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने का अनुरोध किया है। इस घटना की सूचना मिलते ही मैंने जिला कलेक्टर से संपर्क किया और उन्हें सभी आवश्यक सहायता समन्वय करने का निर्देश दिया है।

जानकारी के मुताबिक, इस फैक्ट्री का मालिकाना हक गोविंदनाल्लूर निवासी मुथु मानिकम के पास है और यह एक वैध आरडीओ लाइसेंस के तहत संचालित हो रही थी। फैक्ट्री परिसर में 30 से अधिक कमरे बने हुए हैं और यहां 50 से ज्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं।

रविवार को जब लगभग 30 कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर मौजूद थे, तभी अचानक एक जोरदार विस्फोट हुआ। इस धमाके से फैक्ट्री के कम से कम चार कमरों को भारी नुकसान पहुंचा और देखते ही देखते वहां अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे से अधिक समय तक आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझा लिया गया, लेकिन तब तक नुकसान काफी गंभीर हो चुका था। हादसे के समय फैक्ट्री में 30 से अधिक लोग मौजूद थे, जिनमें से कई मलबे के नीचे दब गए। बचाव दल ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश जारी रखी। अब तक लगभग 18 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि अन्य लापता लोगों की तलाश जारी है। इस दर्दनाक घटना के बाद प्रशासन और पुलिस विभाग भी हरकत में आ गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्रीनाथ स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और पूरे मामले की गहन जांच के आदेश दिए गए हैं।

पेज नं -2

150 मीटर लम्बे सुरंग में अवैध कोयला खनन पर सख्ती

सेंट्रल फ्लाइंग स्क्वाड की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता ■ छत्तीसगढ़

कोरिया जिला में अवैध कोयला खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए लगातार दूसरे दिन व्यापक कार्रवाई की।

रायपुर से पहुंची सेंट्रल फ्लाइंग स्क्वॉड की टीम ने रविवार को देवखोल और भालूमाड़ा क्षेत्रों का निरीक्षण कर अवैध खनन स्थलों का चिन्हांकन किया और उन्हें ब्लास्टिंग कर स्थायी रूप से बंद करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स, जिसमें खनिज, वन, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल थे, ने संयुक्त रूप से पूरे क्षेत्र का जायजा लिया। टीम ने बताया कि निरीक्षण के समय मौके पर कोई कोयला या खनन सामग्री नहीं मिली, लेकिन पूर्व में यहां बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इस कार्रवाई से एक दिन पहले, शनिवार को संयुक्त टीम ने पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में सघन अभियान चलाया था।

पेज नं -2

'न पढ़ाई, न कमाई, न दवाई और न ही सिंचाई' बंगाल में सब कुछ बेहाल : पीएम मोदी

एजेंसी ■ झारग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के झारग्राम में 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल का यह चुनाव, इस धरती की समृद्ध विरासत को बचाने के लिए है, बंगाल की पहचान बचाने के लिए है। आज बंगाल पर उसकी पहचान खोने का खतरा मंडरा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यहां टीएमसी जिस रास्ते पर चल रही है, उसका एजेंडा बहुत खतरनाक है। टीएमसी घुसपैठियों के लिए, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है। एक ऐसी सरकार जो सिर्फ घुसपैठियों का मजहब, घुसपैठियों की भाषा और घुसपैठियों के तौर-तरीकों की रक्षा करेगी। उस घुसपैठिया सरकार के लिए अगर कोई दुश्मन होगा तो यहां बैठे हुए भाई-बहन ही घुसपैठियों के दुश्मन

होंगे। इसलिए बंगाल का हर समाज, हर वर्ग, हर क्षेत्र इस बार ठान चुका है, संकल्प ले चुका है।

उन्होंने कहा कि बंगाल का यह चुनाव इस भूमि की समृद्ध विरासत को बचाने के लिए है। यह बंगाल की पहचान को बचाने के लिए है। आज बंगाल के अपनी पहचान खोने का डर मंडरा रहा है। टीएमसी का एजेंडा बेहद खतरनाक है। टीएमसी का उद्देश्य ऐसी सरकार बनाना है, जो मूल निवासियों के धर्म, भाषा और रीति-रिवाजों की रक्षा करने के बजाय घुसपैठियों के धर्म, भाषा और रीति-रिवाजों की रक्षा को प्राथमिकता दे।

उन्होंने कहा कि टीएमसी की निर्मम सरकार को आपने 15 साल दिए। 15 साल कम समय नहीं होता है। 15 साल में टीएमसी सरकार ने आपको क्या दिया, आदिवासी क्षेत्रों को क्या मिला? न पढ़ाई, न कमाई, न दवाई और न ही सिंचाई... यहां सब कुछ बेहाल है। घर बनवाने के लिए टीएमसी के गठबंधन पर निर्भर रहना पड़ता है। टीएमसी के सांसद और विधायक आपकी समस्याओं से बेपरवाह हैं। वे तो बस अपनी तिजोरियां भरने में व्यस्त हैं। बंगाल में टीएमसी के गुंडों ने आदिवासियों की हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया है।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे लोग बताते हैं, यहां अगर एक बार बिजली चली जाए तो कई-कई दिन बाद आती है।

पेज नं -2

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता का अगला दौर आज से वाशिंगटन में

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत का अगला दौर 20 अप्रैल से वाशिंगटन डीसी में शुरू होगा। तीन दिनों तक चलने वाली इस वार्ता में भारतीय अधिकारियों की एक टीम हिस्सा लेगी।

इस बैठक का नेतृत्व भारत के मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे, जो वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। उनके साथ कस्टम विभाग और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

यह वार्ता ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका की टैरिफ नीति में बड़े बदलाव हुए हैं।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आपातकालीन शक्तियों के तहत लगाए गए व्यापक टैरिफ को चुनौती मिली थी। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों के आयात पर 10 प्रतिशत का अस्थायी टैरिफ लागू कर दिया।इस बदलाव ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य को प्रभावित किया है और दोनों देशों को अपने प्रस्तावित समझौते की रूपरेखा पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर किया है। यह समझौता प्रारंभिक रूप से 7 फरवरी को पेश किया गया था।

पेज नं -2

धुरंधर-2 ने पुष्पा-2 का रिकॉर्ड तोड़ा

तीसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली भारतीय फिल्म बनी

एजेंसी ■ मुंबई

धुरंधर 2 दुनियाभर में तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। फिल्म की दुनियाभर में कमाई 1,748.91 करोड़ रुपए हो गई।

धुरंधर 2 ने 1,742.10 करोड़ रुपए कमाने वाली अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 को पीछे छोड़ दिया। अब यह सिर्फ दंगल (2070 करोड़) और बाहुबली-2 (1,788.06 करोड़) से पीछे है।

रिलीज के 31वें दिन भारत में 4.65 करोड़ कमाए

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 31वें

दिन भारत में 4.65 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। फिल्म का कुल भारत नेट कलेक्शन अब 1,110.47 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 1,329.31 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है।

ओवरसीज में फिल्म ने 31वें दिन 1.10 करोड़ रुपए की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन 419.60 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। वहीं, फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन अब 1,748.91 करोड़ रुपए हो चुका है।

धुरंधर-2 फिल्म की कमाई में पांचवें हफ्ते में गिरावट देखने को मिली है, लेकिन वीकेंड पर इसमें हल्की बढ़त हुई। 30वें दिन जहां फिल्म ने 2.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया था, वहीं 31वें दिन यह बढ़कर 4.65 करोड़ रुपए हो गया। फिल्म के हिंदी वर्जन ने 31वें दिन 4.50 करोड़ रुपए का सबसे ज्यादा कलेक्शन किया, जबकि तमिल में 6 लाख रुपए, तेलुगु में 7 लाख रुपए और कन्नड़ में 2 लाख रुपए का नेट कलेक्शन हुआ।धुरंधर फ्रेंचाइजी में रणवीर सिंह ने एक भारतीय जासूस का रोल प्ले किया है। जबकि दोनों ही पार्ट का डायरेक्शन आदित्य धर ने किया है।

धुरंधर फ्रेंचाइजी में रणवीर सिंह ने एक भारतीय जासूस का रोल प्ले किया है। जबकि दोनों ही पार्ट का डायरेक्शन आदित्य धर ने किया है।

धुरंधर को शानदार रिस्पॉन्स मिला था

धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ।

आईपीएल: केकेआर ने रोमांचक मैच में आरआर को 4 विकेट से हराया

एजेंसी ■ कोलकाता

रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय की शानदार साझेदारी के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में 6 मुकाबलों के बाद अपनी पहली जीत दर्ज की है। इस टीम ने रविवार को ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 4 विकेट से हराया।

इस सीजन शुरुआती 2 मैच गंवाने के बाद पंजाब किंग्स के विरुद्ध केकेआर का मैच बारिश के चलते बेनतीजा रहा था। इसके बाद टीम ने लगातार 3 मैच हारे। जीत का खाता खुलने के बाद केकेआर प्वाइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर पहुंच गई है। दूसरी तरफ, जीत का चौका लगाने के बाद आरआर को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। यह मैच गंवाने के बाद रॉयल्स तीसरे स्थान पर मौजूद है।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट गंवाकर सिर्फ 155 रन ही बना सकी। इस टीम को वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 8.4 ओवरों में 81 रन जुटाए।

वैभव 28 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 46 रन बनाकर आउट हुए।

पेज नं -2

दिल्ली: हरित क्षेत्रों के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय हैकाथॉन में डीडीए ने चुने तीन विजेता

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने शहर के पार्कों और हरित क्षेत्रों की देखभाल को नए और बेहतर तरीके से करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ मिलकर 'हरित मंथन 2026' नाम से एक राष्ट्रीय स्तर का हैकाथॉन आयोजित किया।

इस प्रतियोगिता में तीन विजेताओं का चयन किया गया। यह जानकारी रविवार को एक अधिकारी ने दी।

इस कार्यक्रम में शीर्ष तीन विजेता टीमों को डीडीए की ओर से 10 लाख रुपए तक की शुरुआती फंडिंग दी गई। इन टीमों में दो टेक्नोलॉजी ट्रैक से और एक पॉलिसी ट्रैक से हैं। साथ ही, उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के स्टार्टअप इकोसिस्टम 'उधमोदय फाउंडेशन' की तरफ से इनक्यूबेशन (स्टार्टअप को आगे बढ़ाने में मदद) का मौका भी मिला।

इससे पहले शनिवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि शहरों के विकास, सार्वजनिक ढांचे और पर्यावरण की सुरक्षा में युवाओं के नए और अलग विचार बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार ने कहा कि 'हरित मंथन' को सिर्फ एक बार होने वाला कार्यक्रम नहीं माना गया, बल्कि यह डीडीए की उस सोच का हिस्सा है जिसमें नए-नए विचारों को अपनाकर उन्हें परखा और आगे बढ़ाया जाएगा।

डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार ने कहा कि 'हरित मंथन' को सिर्फ एक बार होने वाले कार्यक्रम के तौर पर नहीं सोचा गया था, बल्कि यह डीडीए के सिस्टम को इनोवेशन के लिए खोलने की एक बड़ी और लगातार चलने वाली संस्थागत प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इसका मकसद ऐसे समाधानों की पहचान करना है जिन्हें समय के साथ प्राधिकरण के इकोसिस्टम के भीतर परखा, बेहतर बनाया और बड़े पैमाने पर लागू किया जा सके।

17 और 18 अप्रैल को चला यह दो दिवसीय कार्यक्रम युवाओं के लिए एक मंच बना, जहां उन्होंने पर्यावरण की देखभाल और शहर के हरित क्षेत्रों के टिकाऊ विकास के लिए नए, व्यावहारिक और बड़े स्तर पर लागू किए जा सकने वाले समाधान पेश किए।

विजेता टीमों ने अपने अनोखे, मजबूत और व्यवहारिक आइडियाज से खुद को अलग साबित किया और शहरी हरियाली के क्षेत्र में नवाचार का एक नया स्तर स्थापित किया। डीडीए ने यह भी कहा कि जो टीमें नहीं जीत पाई, उन्हें भी 'उधमोदय फाउंडेशन' के साथ मिलकर अपने आइडियाज को आगे विकसित करने का मौका मिलता रहेगा।

दोहरी नागरिकता मामला: इलाहाबाद हाई कोर्ट में 20 अप्रैल को अपना पक्ष रख सकते हैं राहुल गांधी

लखनऊ। दोहरी नागरिकता मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपना पक्ष रख सकते हैं। यह मामला एक भाजपा कार्यकर्ता द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि वह ब्रिटिश नागरिक हैं और उनके पास दोहरी नागरिकता है।

जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ के सामने होने वाली यह अहम सुनवाई ऐसे समय पर हो रही है, जब हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की शिकायत की जांच करने का निर्देश दिया है।

शुक्रवार को हाई कोर्ट ने मौखिक आदेश में पुलिस को जांच शुरू करने और जरूरत पड़ने पर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पर विचार करने की अनुमति दी थी।कोर्ट ने शनिवार को अपने आदेश में बदलाव करते हुए कहा कि किसी भी ऐसे निर्देश से पहले संभावित आरोपी को पक्ष रखने का मौका दिया जाना चाहिए।इससे पहले 2019 में राहुल गांधी को कथित दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर लोकसभा चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने खारिज कर दिया था।जस्टिस विद्यार्थी ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित आरोपी को नोटिस दिए बिना फैसला अंतिम नहीं किया जा सकता।हाई कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किए गए आदेश में जस्टिस विद्यार्थी ने कहा कि सुनवाई के दौरान सभी पक्षों ने माना था कि बीएनएसएस की धारा 528 के तहत आवेदन पर फैसला लेते समय आरोपी को नोटिस देना जरूरी नहीं है, लेकिन आदेश टाइप और साइन होने से पहले कोर्ट के सामने एक पुराने फैसले (जगन्नाथ वर्मा बनाम उत्तर प्रदेश सरकार) का हवाला आया, जिसमें कहा गया है कि एफआईआर दर्ज करने से इनकार करने वाला आदेश अंतिम नहीं होता और इसमें बदलाव किया जा सकता है।

'आप' छोड़ 40 कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में शामिल हुईं एडवोकेट शीतल उपाध्याय, कहा- 'घर वापसी हुई'

वडोदरा। आम आदमी पार्टी (आप) को वडोदरा में बड़ा झटका लगा है। पार्टी की राज्य प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता एडवोकेट शीतल उपाध्याय सहित 40 से अधिक कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गई हैं।

यह घटना गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव 2026 से ठीक पहले हुई है, जिससे 'आप' के संगठन पर काफी असर पड़ा है। शीतल उपाध्याय ने कहा कि वे भाजपा में लौटकर खुश हैं और उन्हें लग रहा है जैसे वे अपने घर वापस आई हों।

शीतल उपाध्याय ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मैं भाजपा से आप में गई थी और अब वापस अपने घर आई हूं। मेरे लिए यही महत्वपूर्ण था कि कोई बच्चा बाहर जाता है और फिर खुशी के साथ वापस आता है। मैं इसी खुशी के साथ वापस आई हूं। मेरे साथ कई कार्यकर्ता जुड़े हुए थे। जब मैं 'आप' में गई थी तो वे मेरे साथ रहे और अब जब मैं भाजपा में आई हूं तो वे भी मेरे साथ आए हैं।'

उन्होंने 'आप' की विचारधारा पर सवाल उठाते हुए कहा, 'आप की पहले से कोई विचारधारा नहीं थी, आज भी नहीं है और आगे भी नहीं होगी। सभी जानते हैं कि यह पार्टी आंदोलन से उभरी थी। आंदोलन से उभरी किसी भी चीज की कोई स्थायी विचारधारा नहीं होती। 'आप' के पास अभी कोई मुद्दा ही नहीं है। मैं अब भाजपा के साथ आगे बढ़ना चाहती हूं।'

वडोदरा में आयोजित एक कार्यक्रम में इन सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का भाजपा में स्वागत किया गया। शहर भाजपा अध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश सोनी और अन्य स्थानीय नेताओं ने उन्हें पार्टी में शामिल किया। शीतल उपाध्याय ब्राह्मण समुदाय की नेता मानी जाती हैं और वडोदरा में 'आप' का संगठन खड़ा करने में उनकी अहम भूमिका रही थी।

यह सामूहिक शामिली स्थानीय राजनीति में भाजपा के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है, जबकि 'आप' के लिए यह संगठनात्मक नुकसान है। आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए यह घटना काफी महत्वपूर्ण है।

9 राज्यों में हैदराबाद पुलिस की कार्रवाई, साइबर ठगी में 52 गिरफ्तार, 32 बैंक अधिकारी शामिल

हैदराबाद। हैदराबाद सिटी पुलिस ने देशभर में फैले साइबर ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 9 राज्यों में 52 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 32 बैंक अधिकारी भी शामिल हैं।

पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने रविवार को बताया कि 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0' के तहत यह बड़ी कार्रवाई की गई।

उन्होंने कहा कि अनुभवी जांचकर्ताओं की 16 विशेष टीमों ने 7 दिनों तक 9 राज्यों में एक साथ अभियान चलाया। इसमें 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 32 बैंक अधिकारी शामिल हैं, जो इस ठगी में अहम भूमिका निभा रहे थे।

गिरफ्तार बैंक अधिकारियों में तमाम बैंक से जुड़े अधिकारी शामिल हैं। पुलिस ने 15 ऐसे खाताधारकों को भी गिरफ्तार किया है, जिन्होंने जानबूझकर अपने बैंक खातों का इस्तेमाल अवैध पैसे के लेन-देन के लिए दिया था।

इसके साथ ही 5 ऐसे बिचौलियों (एग्रीगेटर) को भी पकड़ा गया, जो इन खातों की व्यवस्था करते थे और पैसे को मुख्य आरोपियों तक पहुंचाने में मदद करते थे।

छापेमारी के दौरान 26 मोबाइल फोन, 14 चेक बुक, 2 पेन ड्राइव, 1 लैपटॉप और 21 शेल कंपनियों की मुहरें बरामद की गईं।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि हाल के दिनों में निवेश घोटाले, ट्रेडिंग फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराध तेजी से बढ़े हैं, जिनमें ठग लोगों को डराकर और बहलाकर बड़ी रकम ठग लेते हैं।

इसी को देखते हुए पहले 'ऑपरेशन ऑक्टोपस-1' चलाया गया था, जिसमें 16 राज्यों में 32 टीमों ने कार्रवाई कर 117 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उस दौरान 350 बैंक खातों का खुलासा हुआ था, जो देशभर के करीब 850 मामलों से जुड़े थे और इनमें लगभग 150 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ था।

अब 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0' में खास तौर पर बैंक अधिकारियों की भूमिका पर फोकस किया गया।

फर्रुखाबाद में भीषण अग्निकांड: 15 घर जलकर खाक, कई मवेशी जिंदा जले

फर्रुखाबाद। यूपी के फर्रुखाबाद जनपद के कंपिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पथरामई में रविवार को भीषण अग्निकांड ने पूरे गांव को दहला दिया। अज्ञात कारणों से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 15 झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक घटना में कई मवेशी जिंदा जल गए, जबकि भारी मात्रा में अनाज, नकदी और घरेलू सामान जलकर राख हो गया। आग लगते ही गांव में अफरा-तफरी और हाहाकार मच गया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी ऋषिपाल पुत्र उधो उस समय खेतों में फसलों की सिंचाई कर रहे थे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे घर पर सो रहे थे। इसी दौरान उनकी झोपड़ी में अचानक आग लग गई। जब तक परिवार और ग्रामीण कुछ समझ पाते, तब तक आग ने भयानक रूप ले लिया और किसी को भी सामान सुरक्षित निकालने का मौका नहीं मिल सका। इस अग्निकांड में ऋषिपाल की दो भैंसें और एक भैंस का बच्चा जिंदा जल गया, जबकि एक भैंस गंभीर रूप से झुलस गई। इसके अलावा, तीन बकरियां भी आग की भेंट चढ़ गईं। इतना ही नहीं, उनकी मोटरसाइकिल, करीब 40 हजार रुपए की नकदी और लगभग 100 पैकेट गेहूं भी जलकर नष्ट हो गए। वहीं उनके पिता उधो की भी एक भैंस और तीन बकरियां इस हादसे में जिंदा जल गईं।

आग की चपेट में अन्य ग्रामीण भी बुरी तरह प्रभावित हुए। गांव निवासी जसवीर पुत्र ओमपाल का ट्रैक्टर और थ्रेसर जलकर खाक हो गया। साथ ही, सैकड़ों पैकेट गेहूं भी नष्ट हो गए। खिलाड़ी पुत्र उधो की झोपड़ी समेत करीब 40 बोरी गेहूं और घरेलू सामान जल गया। टीकाराम सहित कई अन्य ग्रामीणों की झोपड़ियां भी जलकर राख हो गईं, जिनमें रखा अनाज, भूसा और अन्य जरूरी सामग्री पूरी तरह नष्ट हो गई।

सुखराम, मुलायम, सुखबीर, श्यामाचरण, अमरीश मिश्रा, नन्हे, सूरजपाल, अनिल समेत कई परिवार इस अग्निकांड से प्रभावित हुए हैं। कुल मिलाकर एक दर्जन से अधिक परिवारों की आजीविका इस भीषण आग में तबाह हो गई, जिससे पूरे गांव में मातम जैसा माहौल बन गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने समर्सिबल पंप चलाकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। सूचना मिलने के करीब एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया।

अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम पथरामई में करीब 15 झोपड़ियों में आग लगी थी, जो तेज हवा के कारण तेजी से फैल गई।

हिमाचल में वेतन कटौती लागू: मुख्य सचिव-डीजीपी समेत अधिकारियों पर भी असर

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू समेत विधायकों के वेतन में कटौती के कुछ दिनों बाद रविवार को मुख्य सचिव संजय गुप्ता और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अशोक तिवारी समेत वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के वेतन में भी अस्थायी रूप से 30 प्रतिशत की कटौती कर दी गई है।

कांग्रेस सरकार ने इस पहाड़ी राज्य में चल रहे आर्थिक संकट से निपटने के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश सरकार ने एक आदेश जारी कर अगले छह महीनों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की सैलरी के एक हिस्से को अस्थायी तौर पर रोक दिया है।

वित्त विभाग के सचिव आशीष सिंहमार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, मुख्य सचिव की सैलरी से हर महीने 1.10 लाख रुपए, अतिरिक्त मुख्य सचिव की सैलरी से 1.05 लाख रुपए, प्रधान सचिव की सैलरी से 97,500 रुपए और सचिव की सैलरी से 60,000 रुपए की राशि छह महीनों के लिए रोक दी जाएगी।

यह व्यवस्था अप्रैल की सैलरी से लागू होगी, जो मई में मिलेगी। नोटिफिकेशन के अनुसार, यह कदम राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति से निपटने और वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। राज्य सरकार ने बोर्ड, निगमों, विश्वविद्यालयों और अनुदान प्राप्त करने वाले संस्थानों को भी इस फैसले को लागू करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह कदम अस्थायी है और राज्य की वित्तीय स्थिति को सुधारने के सामूहिक प्रयास का एक हिस्सा है। नोटिफिकेशन के अनुसार, हिमाचल प्रशासनिक सेवा रैंक से प्रमोट होकर विभाग प्रमुख बने अधिकारियों को हर महीने 3.10 लाख रुपए की सैलरी मिलती है।

शेष पेज - 01

तमिलनाडु : पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 22 की मौत...

प्रारंभिक आशंका है कि विस्फोट फैक्ट्री में रखे ज्वलनशील पदार्थों के कारण हुआ हो सकता है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। इस हादसे ने एक बार फिर पटाखा फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

150 मीटर लम्बे सुरंग में अवैध कोयला खनन पर सख्ती...

इस दौरान अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6 टन से अधिक कोयला जब्त किया गया। साथ ही कई अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया गया, जिनका उपयोग लंबे समय से कोयला निकालने के लिए किया जा रहा था।अभियान के दौरान टीम ने करीब 150 लंबी सुरंगों के भीतर प्रवेश कर न केवल कोयला बरामद किया था, बल्कि खनन में उपयोग होने वाले उपकरण जैसे फावड़ा, गेती, विद्युत पंप, फुटबॉल पाइप और बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए थे।

रविवार को की गई कार्रवाई में कोरिया के अलावा सूरजपुर, मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर और गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिलों के खनिज अधिकारी, स्थानीय पुलिस, वन एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने बताया कि वन एवं खनिज विभाग के साथ-साथ एसईसीएल के समन्वय से इन क्षेत्रों की निगरानी और सख्त की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध कोयला खनन पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए चिन्हित स्थानों को ब्लास्टिंग कर बंद किया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों की पुनरावृत्ति न हो सके। साथ ही क्षेत्र में लगातार निगरानी और संयुक्त अभियान जारी रखने की भी बात कही गई है।

इस सख्त कार्रवाई से अवैध खनन में लगे लोगों में हड़कंप मच गया है, वहीं प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में इस तरह के अभियानों को और तेज किया जाएगा।

'न पढ़ाई, न कमाई, न दवाई और न ही सिंचाई' बंगाल में सब कुछ बेहाल : पीएम मोदी...

कई बार आती ही नहीं। बिजली तो नहीं आती, लेकिन बिजली का भारी-भरकम बिल जरूर आता है। यहां आप अंधेरे में हैं और टीएमसी के नेताओं के बंगले-गाड़ियां चकाचक चमक रहे हैं। इसी कारण मोदी ने संकल्प लिया है, यहां के कोयले को लूटने वालों को, आपको अंधेरे में रखने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। चुन-चुन कर इन लुटेरों का हिसाब किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में आपने पीएम बनाया है, अब यहां भी भाजपा का सीएम बनाइए। मैं आपको गारंटी देता हूं कि यहां बिजली भी पर्याप्त आएगी और बिजली के बिल से भी मुक्ति मिलेगी। एक तरफ टीएमसी बिजली से जमकर मुनाफा कमा रही है, वहीं दूसरी तरफ मोदी आपके बिजली बिल को शून्य करने में लगे हैं। मोदी ने बिजली बिल को शून्य करने की योजना लागू की है। यह प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रयास किया कि 2029 से महिलाओं को आरक्षण का फायदा मिलना शुरू हो जाए, लेकिन महिला विरोधी टीएमसी ने संसद में इसका विरोध किया। टीएमसी ने हर प्रकार का छल और प्रपंच किया ताकि बंगाल की 33 प्रतिशत महिलाएं एमएलए और एमपी न बन पाएं। अब बंगाल की महिलाओं को टीएमसी के इस पाप के लिए उसे सजा देनी है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता का अगला दौर आज से वाशिंगटन में...

अधिकारियों का मानना है कि नए टैरिफ ढांचे के चलते प्रस्तावित डील में संशोधन जरूरी हो सकता है। पहले अमेरिका भारत के उत्पादों पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमत हुआ था, जिसमें रूस से तेल खरीद से जुड़े कुछ दंडात्मक शुल्क हटाना भी शामिल था।

हालांकि, अब सभी देशों पर समान 10 प्रतिशत टैरिफ लागू होने से भारत को मिलने वाला तुलनात्मक लाभ कम हो गया है, जिससे पुनर्विचार की आवश्यकता बढ़ गई है।

वार्ता में टैरिफ के अलावा अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) द्वारा शुरू की गई सेक्शन 301 के तहत दो एकतरफा जांचों पर भी चर्चा होने की संभावना है। भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें बेबुनियाद बताया है और इन्हें खत्म करने की मांग की है।

बीटीए के शुरुआती ढांचे में भारत ने अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ में बड़ी कटौती या समाप्ति का प्रस्ताव दिया था। इनमें सोयाबीन तेल, ड्राई फ्रूट्स, फल, वाइन, स्पिरिट्स और पशु आहार जैसे उत्पाद शामिल हैं।

भारत ने ऊर्जा, एविएशन, टेक्नोलॉजी, कीमती धातुओं और कोकिंग कोल जैसे क्षेत्रों में अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर तक के आयात बढ़ाने की इच्छा भी जताई है।

आईपीएल: केकेआर ने रोमांचक मैच में आरआर को 4 विकेट से हराया...

जिसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही। इस बीच जायसवाल 29 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 39 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इनके अलावा, शिमरोन हेटमायर ने 15 रन, जबकि कप्तान रियान पराग ने 12 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से कार्तिक त्यागी और वरुण चक्रवर्ती ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि 2 विकेट सुनील नरेन के नाम रहे।

इसके जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 19.4 ओवरों में जीत दर्ज की।

केकेआर की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी की पहली ही गेंद पर टिम सीफर्ट (0) का विकेट खोने के बाद इस टीम ने अगले ओवर में कप्तान अजिंक्य रहाणे (0) का विकेट भी गंवा दिया।

टीम महज 5 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो चुकी थी, जिसके बाद कैमरून ग्रीन ने मोर्चा संभाला।

ग्रीन ने 13 गेंदों में 27 रन की पारी खेली, जबकि रॉवमैन पॉवेल ने 23 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। केकेआर ने 85 के स्कोर तक 6 विकेट खो दिए थे, जिसके बाद रिंकू सिंह ने अनुकूल रॉयल के साथ 37 गेंदों में 76 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

रिंकू 34 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 53 रन बनाकर नाबाद रहे। रॉय ने 16 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 29 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से रवींद्र जडेजा ने 2 विकेट हासिल किए। जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और यश राज ने 1-1 विकेट निकाला।

भीषण गर्मी का कहर, जनजीवन बेहाल, राहत के उपाए नाकाफी

संवाददाता । रायपुर

देश के कई हिस्सों में इस समय भीषण गर्मी ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया है। तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच रहा है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग गर्मी से राहत पाने के लिए हर संभव उपाए कर रहे है, लेकिन तेज धूप और लू के आगे सभी प्रयास फीके पड़ते नजर आ रहे है। सुबह 10 बजे के बाद सड़कों में सन्नाटा छाने लगता है। लोग बिना जरूरी काम के घरों से बाहर निकलने से बच रहे है। जो लोग मजबूरी में बाहर निकलते है, वे छाता,गमछा,और पानी की बोतल साथ लेकर चल रहे है। खासकर दिहाड़ी मजदूर, रिक्षा चालक और

निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिक इस भीषण गर्मी का सबसे अधिक सामना कर रहे है। अस्पतालों में भी गर्मी से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। लू लगना, डिहाईड्रेशन, चक्कर आना, और थकावट जैसी समस्याएं आम हो गई है। डाक्टरों का कहना है कि इस मौसम में शरीर को हाइड्रेड रखना बेहद जरूरी है। अधिक से अधिक पानी पीना, हल्के और ढीलें कपड़े पहनना तथा धूप में निकलने से बचना चाहिए।

बिजली की बढ़ती मांग के कारण कई इलाकों में बिजली कटौती भी हो रही है, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गई है। पंखें और कूलर बेअसर साबित हो रहे है, जबकि एअर कंडिशनर हर किसी की पहुंच में नहीं हैं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर है, जहां पानी की कमी देखने को मिल रही है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती गर्मी का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन और तेजी से हो रहा शहरीकरण है, पेड़ो की कटाई और क्रंकीटीकरण के चलते जंगल के तापमान को और बढ़ा दिया है ।

महाराष्ट्र के वर्धा और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में तापमान 45 पहुंचा

छत्तीसगढ़-ओडिशा-झारखंड में रात में लू का अलर्ट

उत्तरी-पश्चिमी राज्यों और मध्य भारत में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और महाराष्ट्र के वर्धा में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

शनिवार को देश के 10 सबसे गर्म शहरों में यूपी का बांदा 44.6, तेलंगाना का आदिलाबाद 44.3, महाराष्ट्र के नागपुर-अमरावती 44.2 और मध्य प्रदेश का रतलाम 44 डिग्री सेल्सियस भी शामिल रहा। राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कई

शहरों में तापमान 43एष्ट से ज्यादा रहा। यानी मई से पहले ही तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हो गई है। मौसम विभाग ने आज छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में आज रात को भी लू चलने का अलर्ट जारी किया है। दरअसल इन राज्यों में लगातार तीसरे दिन पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा है।

झारखंड के रांची में चिड़ियाघर के जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं। ओडिशा के 9 जिलों के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

गांव से गुम हो गई 3 लाख की पानी टंकी! पूर्व जिप सदस्य ने थाने में लिखाई एफआईआर

गरियाबंद। जिले में एक पानी टंकी के गायब होने का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। इसकी शिकायत बकायदा पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने थाने पहुंचकर दर्ज करायी है। पंचायत की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने 3 लाख रुपए के मंजूर निर्माण कार्य की गुमशुदगी की शिकायत थाने में दर्ज करायी है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य की इस शिकायत के बाद एक बार फिर

पंचायतों में होने वाले कार्यों पर सवालिया निशान लग गया है। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला देवभोग थाना क्षेत्र के चिचिया पंचायत के दासोपारा गांव का है। बताया जा रहा है कि गांव में पेयजल संकट को देखते हुए पूर्व जिला पंचायत सदस्य धनमति यादव ने पानी टंकी और पाइपलाइन विस्तार के लिए 3 लाख रुपए की मंजूरी दिलाई थी। आधी रकम एडवांस के रूप में निकल भी गई, लेकिन दो साल बीत जाने के बाद भी जमीन पर काम का नामोनिशान नहीं है। यानी फाइल चली, मंजूरी मिली, पैसा गया....बस काम कहीं रास्ते में ही 'लापता' हो गया।

पिछले 6 महीनों से पूर्व जिप सदस्य धनमति यादव जनपद से लेकर जिला पंचायत कार्यालय तक चक्कर काटती रहीं, लेकिन जवाब वही पुराना देखते हैं।' जब कहीं से सुनवाई नहीं हुई, तो उन्होंने थाने पहुंचकर बाकायदा लिखित शिकायत दे दी कि उनका स्वीकृत निर्माण कार्य 'गुम' हो गया है, कृपया खोजा जाए। पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए धारा 155 के तहत कागज देकर 'औपचारिकता' निभा दी। अब शायद अगला कदम यह होगा कि लापता टंकी का पोस्टर छपे 'कहीं दिखे त नजदीकी थाने में सूचना दें।' इकलौते हैंडपंप के सहारे सैकड़ों ग्रामीणइधर, दासोपारा गांव के 600 ग्रामीण अब भी एकमात्र हैंडपंप के सहारे हैं। जहां सुबह-शाम पानी भरने के लिए लंबी कतारें लगती हैं। महिलाओं के लिए यह रोज का संघर्ष है, लेकिन सिस्टम के लिए शायद यह सिर्फ एक और फाइल है।

कांग्रेस का आरक्षण बिल रोकना महिलाओं के साथ विश्वासघात : सीएम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने महिलाओं के आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित होने से रोकने के लिए 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई। उन्होंने इसे 70 करोड़ महिलाओं के साथ 'विश्वासघात' और 'गंभीर पाप' करार दिया।

शुक्रवार को एकजुट विपक्ष ने संविधान (131वां) संशोधन विधेयक को पराजित कर दिया, जिसमें 230 सांसदों ने इसके विरोध में मतदान किया। इस विधेयक का उद्देश्य 2029 से विधायी निकायों में महिलाओं को आरक्षण लागू करना और लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाना था।

राज्य भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए साय ने कहा कि जब-जब महिलाओं के आरक्षण को कानून बनाने का अवसर आया, कांग्रेस ने उसका समर्थन नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पिछले तीन दशकों से

महिलाओं के आरक्षण की केवल बातें करती रही है और जब ठोस कदम उठाने का समय आता है, तो पीछे हट जाती है। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया यह संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता तैयार करने के लिए था।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 'वंशवादी राजनीति और वोट बैंक की सोच' से प्रेरित कांग्रेस ने इस विधेयक का विरोध कर देश की 70 करोड़ महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण के मार्ग में बाधा डाली है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस और इंडी गठबंधन को आधी आबादी को उनके नेतृत्व के अधिकार से वंचित करने के इस गंभीर पाप का परिणाम भुगतना होगा। छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की महिलाएं इसका कड़ा जवाब देंगी।' साय ने हालिया संसद सत्र से पहले महिलाओं में दिखे 'व्यापक उत्साह' का जिक्र करते हुए कहा कि कई महिलाओं ने प्रस्तावित कानून के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया था। हालांकि, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने मिलकर विधेयक पारित नहीं होने दिया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परिसीमन, धर्म आधारित आरक्षण और क्षेत्रीय विभाजन जैसे मुद्दों को विपक्ष ने जानबूझकर उठाया, ताकि महिलाओं के आरक्षण विधेयक को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने केंद्र और छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकारों द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'महतारी वंदन योजना' जैसी योजनाओं से राज्य में 70 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा मिल रहा है। साय ने बताया कि पूर्ववर्ती रमन सिंह सरकार के दौरान पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने भी कांग्रेस के रुख की आलोचना करते हुए इसे 'नकारात्मक' और 'महिला विरोधी' बताया। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को विपक्ष की भूमिका के कारण 'काला अध्याय' के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देशभर की महिलाएं इस 'अपमान' को नहीं भूलेंगी और भविष्य में इसका जवाब देंगी।

रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से बस्तर को मिलेगा वैश्विक कनेक्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र को समुद्री बंदरगाहों से जोड़ने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (ह्॥-130 ष्ठ्ठ) क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में देखा जा रहा है।

रविवार को जानकारी दी गयी की भारतमाला परियोजना के तहत निर्मित हो रहा यह 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर दूरी और यात्रा समय को कम करने के साथ-साथ बस्तर जैसे भू-आवेष्ठित (लैंड-लॉक्ड) क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ने में मदद करेगा। वर्तमान में जगदलपुर से विशाखापट्टनम तक की यात्रा ओडिशा के पहाड़ी मार्गों से होकर 7 से 9 घंटे में पूरी होती है, जबकि नए कॉरिडोर के जरिए यह समय घटकर लगभग 3.5 से 4 घंटे रह जाने का अनुमान है।

अधिकारियों के अनुसार, यह कॉरिडोर रायपुर, धमतरी, कांकेर और कोंडागांव जिलों से होकर गुजरेगा। नबरंगपुर के दासपुर इंटरचेंज के माध्यम से बस्तर को इस कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा, जिससे जगदलपुर क्षेत्र का यातायात सीधे मुख्य मार्ग से जुड़ सकेगा

और बंदरगाह तक पहुंच आसान होगी।

परियोजना से स्थानीय उत्पादों के परिवहन में भी सुविधा होने की उम्मीद है। बस्तर की अरेबिका कॉफी, इमली, महुआ आधारित उत्पाद और पारंपरिक ढोकरा शिल्प को कम लागत में बंदरगाह तक पहुंचाया जा सकेगा, जिससे इन्हें वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सेवाओं की पहुंच भी सुदूर क्षेत्रों तक मजबूत होगी। साथ ही, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, सेवा क्षेत्र और निर्माण गतिविधियों में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।

खनिज संसाधनों से समृद्ध बस्तर क्षेत्र के लिए यह कॉरिडोर औद्योगिक विकास में भी सहायक हो सकता है। लौह अयस्क सहित अन्य खनिजों के परिवहन में तेजी आने से निर्यात गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है और कॉरिडोर के आसपास औद्योगिक क्लस्टर विकसित होने की संभावना जताई जा रही है। पर्यटन क्षेत्र को भी इस परियोजना से लाभ मिलने की उम्मीद है। बस्तर दशहरा, दंतेश्वरी मंदिर, कुटुमसर गुफा और चित्रकोट जलप्रपात जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होने से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। परियोजना के तहत कांकेर जिले के केशकाल क्षेत्र में 2.79 किमी लंबी राज्य की पहली ट्विन-ट्यूब सुरंग का निर्माण भी प्रस्तावित है। यह सुरंग उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के इको-सेंसिटिव जोन से गुजरती है, जहां वन्यजीवों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए विशेष डिजाइन अपनाया गया है। इसके अलावा मार्ग में वन्यजीवों के लिए अंडरपास और ओवरपास जैसी संरचनाएं भी बनाई जा रही हैं। करीब 16,491 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रहा यह 464 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर राज्य की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में शामिल है। सरकार का कहना है कि इससे बस्तर सहित आसपास के क्षेत्रों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ने और क्षेत्रीय संतुलित विकास को गति देने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने परियोजना को राज्य में कनेक्टिविटी, व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया है।

पति-पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कवर्धा। जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक दंपति ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहह्ुंची और जांच में जुट गई है।

यह पूरा मामला पांडातराई थाना क्षेत्र के जंगलपुर गांव का है। मृतकों की पहचान रामलाल चंद्रवंशी और रीना चंद्रवंशी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों पहले से शादीशुदा थे, लेकिन करीब चार साल पहले दोनों ने घर से भागकर विवाह कर लिया था। जानकारी के अनुसार, दोनों का शव उनके घर के अंदर फंदे पर लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर रही है और मामले में हर एंगल से जांच कर रही है।

15 लाख की कार दिलाने 1 करोड़ ठगी

धमतरी । छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक रिटायर्ड बीएसपी कर्मी से 1 करोड़ की ठगी हुई है। शातिर ठगों ने बुजुर्ग को 15 लाख की कार लॉटरी में जीतने का भरोसा दिलाया और टैक्स का डर दिखाकर, ब्याज मिलने का लालच देकर अलग-अलग किश्तों में पैसे ट्रांसफर करवा लिए।

मामला भखारा थाना क्षेत्र का है। पीड़ित कमलेश ठाकुर (66) ने टीवी में आयुर्वेदिक दवाई का एड देखा और ऑनलाइन ऑर्डर किया। इसके बाद से ही उन्हें अज्ञात नंबर से कॉल आने लगे और ठगी का सिलसिला शुरू हो गया। पीड़ित ने 3 साल में अलग-अलग किश्तों में करीब 80 लाख ट्रांसफर किए, बाकी अन्य पैसों का हिसाब उन्हें याद नहीं। घर वालों को पता चला तो थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस

आरोपियों का पता लगा रही है।

पीड़ित ने थाने में 80 लाख ट्रांसफर का हिसाब दिया।शिकायत के मुताबिक, कमलेश ठाकुर (66) रिटायर्ड बीएसपी कर्मी है। वे भखारा तहसील के ग्राम इर्रा में रहते हैं। उन्हें शुगर समेत कई परेशानियां थी। जुलाई 2022 में उन्होंने टीवी में आयुर्वेदिक दवाइयों का एड देखा और कोयंबटूर की जीवन दान आयुर्वेदिक कंपनी से ऑनलाइन दवा मंगवाई थी।

बस इसके बाद से उन्हें अलग-अलग नंबरों से फोन आने लगे।

व्यापम की परीक्षा के समय में बदलाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ती गर्मी, हीट वेव को देखते हुए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) ने प्रतियोगी परीक्षाओं के समय में बदलाव कर दिया है। रविवार 19 अप्रैल को होने वाली परिवहन आरक्षक भर्ती परीक्षा के बाद आगामी सभी परीक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी। पहले परीक्षा का समय 11 से 1.15 बजे तक निर्धारित किया गया था। दोपहर की पाली को पूरी तरह समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इससे परीक्षार्थियों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। आज होने वाली परिवहन आरक्षक परीक्षा पूर्व निर्धारित समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक ही होगी। इसके बाद नई समय-सारिणी लागू की जाएगी। परीक्षार्थियों के लिए हल्के रंग की आधी बांह की शर्ट और स्लीपर पहनना अनिवार्य है।

खनन माफिया पर 'ड्रोन स्ट्राइक', छत्तीसगढ़ में अब स्काई से होगी निगरानी!

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खदानों की निगरानी अब हाईटेक हो रही है। प्रदेश में अवैध खनन और अवैध उत्खनन के लिए विध्वंस तकनीक का उपयोग किया जाएगा। प्रमुख ज्वालामुखी और आस-पास के कैमरे मिले। ये कैमरे एरियल सर्वे और 3डी मार्केटिंग के जरिए निवेशकों के आकर्षण पर नजर डालते हैं।

डूबने से लेकर समुद्र तक का लगातार सर्वेक्षण। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि तय लीज़ क्षेत्र के अंदर ही खनन हो रहा है या सीमा से बाहर भी खुदाई की जा रही है। समय-समय पर मिलने वाले डेटा की तुलना कर ओवर माइनिंग यानी तय सीमा से अधिक खनिज उत्खनन के उत्खनन को आसानी से पकड़ा जा सकता है। संस्थागत विभाग प्रारंभिक

चरण में पाँचवाँ डूबने वाला कैमरा स्थापित किया जा रहा है।

उदाहरण के लिए सर्विस मॉड पर लिया जाएगा और इन ऑपरेशन के लिए स्पेशलिस्ट की टीम भी बनी रहेगी। दिवास्वप्न को स्थालों पर रायपुर, धमतरी, बलौदा बाजार, बिलासपुर में 30 लाख के गोदामों का उपयोग किया जाता है, जहां अवैध खनन के अवशेष सबसे अधिक सामने आते हैं। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि दुर्गम द्वीप जैसे जंगल और पहाड़ी इलाकों पर भी नजर रखना सबसे आसान होगा। यहां संस्थागत निरीक्षण में समय और अधिकांश संसाधन शामिल हैं। निरीक्षण से मिलने वाली हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरें और पिंगिंग डेटा सीधे विभाग तक एशिया, जिससे स्वचालित कार्रवाई संभव हो सकती है।

परिवहन परिवहन की डिजिटल निगरानी -खनिज परिवहन को नियंत्रित और नियंत्रित करने के लिए 10 प्रमुख परिवहन मार्गों पर ई-चेक गेट सिस्टम लागू किया जा रहा है। यह पूरी तरह से डिजिटल एग्रीगेटर सिस्टम होगा। इसमें माउंटेनियरिंग वाले हर ट्रक या वाहन का ऑफ़लाइन रिकॉर्ड तैयार होता है। जैसे ही वाहनों के चेक गेट से लाभ होता है, उसकी जानकारी जैसे वाहनों का नंबर, खनिजों के प्रकार, मात्रा और उद्देश्य प्रणाली में दर्ज किया जाएगा। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह है कि ओवरलोडिंग और बिना रॉयल्टी खनिज परिवहन पर रोक लगाई जा सकती है। पहले जहां पेपरी दस्तावेजों के अंय हिस्से में बिखरे हुए लोग रहते थे, जहां अब डेटा सीधे सिस्टम में दर्ज होने से खराब होना आसान हो जाएगा। ई-चेक गेट रियल टाइम होटल की सुविधा भी देता है। अधिकारी किसी भी समय यह देख सकता है कि कौन सा वाहन कहां से कहां पहुंचा और कहां तक पहुंचा। इससे अवैध परिवहन, खनिज और टैक्स चोरी पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो पाता है।

सैद्धांतिक में होता है अवैध खनन - बिना लीज/परमिट के खनन: जमीन पर खनन शुरू कर दिया, लेकिन सरकार से अनुमति नहीं ली।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन और श्रीलंका की प्रधानमंत्री अमरसूर्या की मुलाकात, दोनों देशों के आपसी संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा, 'श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की श्रीलंका यात्रा के दौरान मेजबानी की।' उन्होंने आगे कहा, 'दोनों देशों के बीच साझा सभ्यतागत विरासत को याद करते हुए, नेताओं ने लोगों के बीच आपसी संबंधों सहित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के महत्व पर चर्चा की।'

इससे पहले, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कोलंबो में राष्ट्रपति सचिवालय में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान राधाकृष्णन ने नेबरहुड पॉलिसी के लिए भारत की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज कोलंबो में राष्ट्रपति सचिवालय में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। उन्होंने साझा इतिहास और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित भारत-श्रीलंका के कई तरह के संबंधों को और गहरा करने पर अच्छी बातचीत की।' उन्होंने कहा, 'उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के लिए भारत की प्रतिबद्धता और दोनों देशों के फायदे के लिए हमारे सहयोग को मजबूत करने की फिर से पुष्टि की। बातचीत में इंडियन हाउसिंग प्रोजेक्ट और श्रीलंका में तूफान दितवाह से प्रभावित इलाकों के लिए 450 मिलियन डॉलर पैकेज के तहत लागू किए जा रहे प्रोजेक्ट्स समेत कई पहलों पर भी फोकस किया गया।'

भारतीय उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 19-20 अप्रैल के दो दिवसीय श्रीलंका दौरे पर पहुंचे हैं। यह भारत के किसी उपराष्ट्रपति का पहला आधिकारिक श्रीलंका दौरा है।

अलीराजपुर में तेज रफ्तार का कहर, अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, तीन की मौत

भोपाल/अलीराजपुर। मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में उस वक्त बड़ा हादसा हो गया, जब एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन किशोरों की मौत हो गई है।

रविवार देर रात एक दोस्त की शादी से घर लौट रहे नाबालिगों के साथ हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान अनिल (14 वर्ष, निवासी देवधा गांव), रोशन (17 वर्ष, निवासी बड़ी बीड) और सावन (14 वर्ष, निवासी रतनपुरा) के रूप में हुई है। यह दुर्घटना बोरी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चुलिया गांव के पास हुई। तीनों लड़के एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे, जबकि उनके अन्य दोस्त दूसरी बाइक पर उनके पीछे आ रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे को उसके साथ मौजूद दोस्तों ने तुरंत पास के एक अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने लड़कों की बाइक को टक्कर मारी और बिना रुके मौके से फरार हो गया, जिससे पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गए। बोरी पुलिस ने 'हिट-एंड-रन' का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह एक हृदयविदारक घटना है। हम दोषी वाहन चालक की पहचान के लिए सभी एंगल से जांच कर रहे हैं। आपपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक चुलिया गांव में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए चुलिया गांव के पास वाली सड़क पर 'स्पीड ब्रेकर' लगाए जाएं और रोशनी की व्यवस्था में सुधार किया जाए। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अगर किसी के पास उस अज्ञात वाहन के बारे में कोई जानकारी हो, तो वे आगे आएं और जांच में पुलिस की मदद करें।

मनरेगा : केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 17,744 करोड़ रुपये जारी किए

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि महात्मा गांधी नरेगा के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली किस्त के रूप में, मजदूरी घटक की मद में 17,744.19 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा रही है

उन्होंने राज्यों से आग्रह किया कि वे इन फंड्स का समय पर और प्रभावी ढंग से इस्तेमाल सुनिश्चित करें, ताकि मजदूरी का भुगतान बिना किसी देरी के किया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जरूरी फंड्स, सामग्री और प्रशासनिक घटकों के तहत भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महात्मा गांधी नरेगा के तहत काम जमीनी स्तर पर बिना किसी रुकावट के और लगातार चलते रहने चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि मजदूरों को समय पर काम उपलब्ध कराना और मजदूरी का तुरंत भुगतान सुनिश्चित करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। राज्यों को सलाह दी गई कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर काम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी मजदूर को रोजगार के लिए इंतजार न करना पड़े।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रोजगार की मांग करने वाले हर मजदूर को तय समय सीमा के भीतर काम दिया जाना चाहिए, और सभी स्तरों पर मजदूरी का भुगतान बिना किसी देरी के सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि काम की जगहों के प्रभावी प्रबंधन की जरूरत पर जोर दिया और राज्यों से आग्रह किया कि वे उन योग्य ग्रामीण परिवारों को जॉब कार्ड जारी करने को प्राथमिकता दें, जिन्हें अभी तक इसके दायरे में नहीं लाया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इच्छुक परिवारों को एक तय समय सीमा के भीतर रोजगार उपलब्ध कराया जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी योग्य परिवार आजीविका के अवसरों से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय एक महत्वपूर्ण बदलाव का दौर है, जिसमें महात्मा गांधी नरेगा के तहत रोजगार को बनाए रखना जरूरी है, और साथ ही वीबी-जी राम जी ऐक्ट के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सभी जरूरी तैयारियां भी पूरी करनी हैं।

वीबी-जी राम जी ऐक्ट के बारे में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के मजदूरी वाले रोजगार की कानूनी गारंटी देकर, एक दूरदर्शी और सशक्तीकरण-आधारित ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करना है। उन्होंने राज्यों से आग्रह किया कि वे इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन को संभव बनाने के लिए सभी प्रारंभिक कार्य एक तय समय सीमा के भीतर पूरे करें।

इंटरपोल ने मोस्ट वांटेड प्रिंस खान के करीबी 'मेजर' को दुबई में दबोचा, लाया जा रहा धनबाद

धनबाद। झारखंड के आतंक का पर्याय बन चुके गैंगस्टर प्रिंस खान के सबसे करीबी गुर्गे शैफी उर्फ मेजर को इंटरपोल की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया है। मेजर की गिरफ्तारी झारखंड पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। उसे विदेश से भारत लाने के बाद रविवार को कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचाया गया, जहां से झारखंड पुलिस की एक विशेष टीम उसे कड़ी सुरक्षा के बीच धनबाद लेकर आ रही है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सैफी उर्फ मेजर गिरोह का मुख्य संचालक था। वह प्रिंस खान के इशारे पर व्यापारियों और आम लोगों को धमकी भरे ऑडियो और वीडियो भेजता था। गिरोह की तमाम गतिविधियों को डिजिटल माध्यमों से संचालित करने में मेजर की अहम भूमिका थी। पुलिस को उम्मीद है कि रिमांड पर पूछताछ के दौरान गिरोह के नेटवर्क, फंडिंग और प्रिंस खान के ठिकानों के बारे में कई चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। झारखंड के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर प्रिंस खान को लेकर सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सूचना मिली है। करीब चार साल पहले दुबई भागने और इंटरपोल द्वारा रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बावजूद वह अब तक पुलिस की पहुंच से बाहर है। ताजा खुफिया इनपुट के अनुसार, प्रिंस खान ने अपना ठिकाना दुबई से बदलकर अब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बना लिया है। वह वहीं से रांची, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर के बड़े कारोबारियों को वर्चुअल नंबरों के जरिए रंगदारी के लिए धमकाता है। कभी वासेपुर की गलियों से अपराध शुरू करने वाला प्रिंस खान अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है।

पाकिस्तान से गतिविधियों को अंजाम देने की सूचना के बाद झारखंड पुलिस अब उसे 'आतंकवादी' घोषित करने की कानूनी प्रक्रिया में जुट गई है। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि प्रिंस खान के सिंडिकेट को न केवल अपराधी, बल्कि कई 'व्हाइट कॉलर' लोग और जमीन कारोबारी भी हथियार और धन की आपूर्ति कर समर्थन दे रहे हैं।

मेजर की गिरफ्तारी को प्रिंस खान के साम्राज्य के अंत की शुरुआत माना जा रहा है। धनबाद पुलिस के साथ-साथ राज्य के अन्य जिलों की पुलिस भी मेजर को रिमांड पर लेने की तैयारी में है, जहां-जहां उसके खिलाफ मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि प्रिंस खान के नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में यह सबसे बड़ी कार्रवाई है।

बुल्गारिया : 5 साल में 8वीं बार संसदीय चुनाव, आखिर वजह क्या?

सोफिया। बुल्गारिया में रविवार को लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते दिखे। बाल्कन प्रायद्वीप में मौजूद इस देश ने पांच साल में आठवीं बार संसदीय चुनाव होते देखा है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय चुनाव आयोग के मुताबिक, करीब 6.6 मिलियन वोटर 14 राजनीतिक पार्टियों, एक निर्दलीय और 10 गठबंधन वाले 4,700 से अधिक सदस्यों में से 240 को चुना जाएगा। कमीशन ने कहा कि देश भर में पोलिंग स्टेशन सुबह 7 बजे (स्थानीय समयानुसार) खुले और वोटिंग की प्रक्रिया रात 8 बजे तक चलेगी। वहीं, विदेश में रहने वाले बुल्गारियाई नागरिकों के लिए 55 देशों में पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। बुल्गारिया में मतदान संपन्न होने के तुरंत बाद एग्जिट पोल का ऐलान होगा, और नतीजों की घोषणा 23 अप्रैल को होगी। प्रधानमंत्री रोसेन जेलियाजकोव की गठबंधन सरकार ने दिसंबर 2025 में इस्तीफा दे दिया था। सरकार (बहुमत) की आर्थिक नीतियों को लेकर जबरदस्त विरोध हुआ था और बढ़ते असंतोष को देखते हुए पद पर रहना मुश्किल हो गया था। वहीं गठबंधन सरकार गिरने के बाद संसदीय दल बाद में नई सरकार चुनने में फेल हो गए थे। अक्टूबर 2024 में अचानक हुए चुनावों के बाद पिछले साल 16 जनवरी को जेलियाजकोव सरकार सत्ता में आई थी। नेशनल असेंबली, बुल्गारिया का विधायी निकाय है। यह भी सामान्य बहुमत के आधार पर सरकार चुनती है और इसका कार्यकाल चार साल का होता है, हालांकि कुछ अपरिहार्य कारणों से अवधि पर असर पड़ सकता है। जनवरी में मौजूदा विधायिका के अंदर सरकार बनाने की तीसरी और आखिरी कोशिश फेल होने के बाद बुल्गारिया में समय पूर्व संसदीय चुनाव हो रहे हैं।

कोडरमा में हाथियों ने युवक को पटक-पटक कर मार डाला, आक्रोशित ग्रामीणों ने मार्ग किया जाम

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले के सतगावां प्रखंड में जंगली हाथियों के आतंक से त्रस्त लोग रविवार को सड़क पर उतर आए हैं। उन्होंने गया-देवघर मुख्य मार्ग को कटैया मोड़ के पास जाम कर दिया है। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजे और सुरक्षा की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, हाथी लगातार इलाके में आतंक मचा रहे हैं। शनिवार देर रात हाथियों के झुंड ने कटैया गांव के समीप 30 वर्षीय युवक मोहित कुमार को बेरहमी से पटक-पटक कर मार डाला। मोहित कुमार (पिता शिवनंदन यादव) अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले तीन दिनों से हाथियों का झुंड इसी इलाके में विचरण कर रहा है, लेकिन वन विभाग द्वारा उन्हें खदेड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

इससे पूर्व शुक्रवार की रात करीब 11 बजे तीन हाथियों के झुंड ने गजहर गांव में भारी उत्पात मचाया था। हाथियों ने संजू देवी नामक महिला के घर का दरवाजा तोड़कर भीतर रखा करीब 10 क्विंटल अनाज चट कर दिया और घर के बर्तन व कपड़े भी तहस-नहस कर दिए। गनीमत रही कि घटना के वक्त परिवार के लोग दूसरे मकान में सो रहे थे। इसके पहले भी कोडरमा के सतगावां, डोमचांच और मरकच्चो के सीमावर्ती इलाकों में पिछले दो महीनों के भीतर हाथियों के हमले में पांच से ज्यादा लोगों की मौत हुई हैं।

ताजा घटना के बाद पूरे सतगावां प्रखंड में दहशत का माहौल है और ग्रामीण रात-जगा करने को मजबूर हैं। सड़क जाम की सूचना मिलने पर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि विभाग केवल 'सतर्क रहने' की सलाह देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता और सरकारी प्रावधानों के तहत उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। साथ ही वनरक्षियों को हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर खदेड़ने के विशेष निर्देश दिए गए हैं। बहरहाल, समाचार लिखे जाने तक जाम जारी है।

पश्चिम बंगाल में सीएपीएफ नेतृत्व का एकजुट मोर्चा विधानसभा चुनाव के लिए सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा

कोलकाता। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अंतर-एजेंसी समन्वय और प्रतिबद्धता का सशक्त प्रदर्शन करते हुए भारत के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के शीर्ष नेतृत्व ने रविवार को कोलकाता में बैठक की। सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी और आईटीबीपी के महानिदेशकों की उपस्थिति में हुई इस उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक का उद्देश्य आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों 2026 के लिए एक मजबूत, प्रौद्योगिकी-आधारित सुरक्षा ढांचा तैयार करना था।

इन सभी बलों का प्राथमिक उद्देश्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराना है, जहां प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय या धमकियों के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। 152 निर्वाचन क्षेत्रों में 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान निर्धारित है, ऐसे में यह संयुक्त संबोधन जमीनी स्तर पर तैनात हजारों कर्मियों के लिए अंतिम परिचालन सरेखण के रूप में कार्य करता है। आंतरिक समीक्षा के बाद, साल्ट लेक स्थित सीआरपीएफ के तीसरे सिग्नल सेंटर में एक ऐतिहासिक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। सीआरपीएफ के आईजी (राज्य बल समन्वयक) सलाभ माथुर द्वारा शुरू किए गए इस सत्र में सीआईएसएफ, बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और पश्चिम बंगाल पुलिस के प्रमुखों के साथ-साथ चुनाव आयोग के पुलिस सलाहकार भी उपस्थित थे।

नेतृत्व ने त्वरित प्रतिक्रिया टीमों (क्यूआरटी) की तैनाती और तोड़फोड़ विरोधी जांच की समीक्षा की, यह सुनिश्चित करते हुए कि एकीकृत सुरक्षा ग्रिड स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के समन्वय से संभावित व्यवधान पैदा करने वालों से निपटने के लिए तैयार है। प्रवीर रंजन (महानिदेशक सीआईएसएफ) ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हमारा मिशन केवल नियमित सुरक्षा से कहीं बढ़कर है; यह मतपत्र की पवित्रता की रक्षा करने से संबंधित है। जमीनी स्तर पर तैनात कर्मियों के लिए मेरा संदेश स्पष्ट है: आप लोकतंत्र के रक्षक हैं। हमें अलग-अलग इकाइयों के रूप में नहीं, बल्कि 'एक चुनाव बल' के रूप में कार्य करना चाहिए - एकजुट, अनुशासित और तकनीकी रूप से कुशल। राज्य में 23 अप्रैल को पहले चरण के चुनाव शुरू होने के साथ ही, सीएपीएफ नेतृत्व ने उदाहरण प्रस्तुत करके नेतृत्व पर जोर दिया है।

पीसीआई ने उत्पीड़न के आरोपों पर कोच नवल सिंह को बर्खास्त किया

नई दिल्ली। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल की तरफ से लगाए गए उत्पीड़न के आरोपों के बाद द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच नवल सिंह को बर्खास्त कर दिया है। पीसीआई प्रमुख देवेंद्र झाझड़िया ने रविवार को 'आईएएनएस' को यह जानकारी दी। पीसीआई प्रमुख झाझड़िया ने आईएएनएस से कहा, 'बोर्ड ने उन्हें (नवल सिंह को) बर्खास्त करने का फैसला किया है।'

दो बार के पैरालंपिक गेम्स के पदक विजेता सुमित अंतिल ने कोच नवल सिंह पर उत्पीड़न और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) से इसकी शिकायत की। सुमित अंतिल को टोक्यो ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा का भी समर्थन मिला था। देश के शीर्ष एथलीट्स ने साई को एक लिखित शिकायत दी थी, जिसमें नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और बार-बार अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था। नवल सिंह सचिन यादव को प्रशिक्षण देते हैं, जो 2025 विश्व चैंपियनशिप में नीरज से आगे रहते हुए चौथे स्थान पर रहे थे। लिखित शिकायत 10 अप्रैल को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को सौंपी गई, जब यह मामला साई और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) अधिकारियों के सामने उठाया गया। टोक्यो पैरालंपिक 2020 और पेरिस पैरालंपिक 2024 में गोल्ड जीतने वाले सुमित अंतिल इस मुद्दे को सबसे पहले उठाने वाले खिलाड़ी थे। उनका कहना था कि उन्होंने कोच के व्यवहार को लेकर साई के डिप्टी डायरेक्टर अरुणलाल और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के सीईओ नैश जोहल से शिकायत की थी।

संपादकीय

परिसीमन के पेंच में फंसा आधी आबादी का हक

महेन्द्र तिवारी

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में आधी आबादी की आकांक्षाओं को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला खड़ा किया है। सरकार द्वारा प्रस्तुत संविधान (131वां संशोधन) विधेयक का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2023 में पारित कानून को धरातल पर उतारने के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करना था, परंतु नियति और राजनीतिक मतभेदों को कुछ और ही स्वीकार्य था। यह विधेयक मात्र एक विधायी दस्तावेज नहीं था, बल्कि यह 2029 के आम चुनावों से पूर्व देश की राजनीतिक संरचना को पूरी तरह बदलने वाला एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा था। इस विधेयक के माध्यम से सरकार ने लोकसभा की सीटों की संख्या को वर्तमान 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा था, जो सीधे तौर पर परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ था।

संसद के इस विशेष सत्र की पृष्ठभूमि अत्यंत नाटकीय रही। सरकार का तर्क था कि महिला आरक्षण को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सीटों में वृद्धि अनिवार्य है ताकि किसी भी वर्तमान प्रतिनिधित्व को क्षति पहुँचाए बिना महिलाओं को 33 प्रतिशत स्थान सुनिश्चित किया जा सके। इस रणनीति के पीछे तर्क यह था कि जब सीटों की कुल संख्या बढ़कर 850 हो जाएगी, तब महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों का आंकड़ा स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा और पुरुषों के प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में भी भारी कटौती की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सत्ता पक्ष ने इसे एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम बताते हुए प्रचारित किया कि यह नारी शक्ति के वास्तविक वंदन का समय है। प्रधानमंत्री ने सदन की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व ही यह स्पष्ट कर दिया था कि उनकी सरकार महिलाओं को उनका उचित अधिकार दिलाने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों को व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखकर इस पवित्र कार्य में सहयोग की अपील की थी। प्रधानमंत्री के उस पत्र में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रस्ताव था, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि विपक्षी दल इस विधेयक का समर्थन करते हैं, तो सरकार उन्हें इस सफलता का पूरा श्रेय देने के लिए एक कोरे धनादेश जैसा अधिकार देने को तैयार है। उनका आशय स्पष्ट था कि वे राजनीति से ऊपर उठकर इस सामाजिक सुधार को देखना चाहते थे। परंतु विपक्षी खेमे में इस विधेयक को लेकर भारी संशय और विरोध की स्थिति बनी हुई थी। कांग्रेस, समाजवादी दल और विभिन्न क्षेत्रीय दलों के गठबंधन ने सरकार की नीयत पर गंभीर प्रश्न उठाए। विपक्ष का सबसे प्रबल विरोध परिसीमन के आधार को लेकर था। सरकार ने इस संशोधन में सीटों के निर्धारण के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने का प्रस्ताव रखा था। विपक्षी नेताओं का तर्क था कि वर्ष 2026 में 2011 की जनगणना के आधार पर भविष्य की राजनीति तय करना न केवल अतार्किक है, बल्कि यह उन राज्यों के साथ अन्याय है जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त की है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन में अपने संबोधन के दौरान अत्यंत तल्ख लहजे में कहा कि सरकार की मंशा महिलाओं को आरक्षण देने की कम और चुनावी लाभ लेने की अधिक प्रतीत होती है। उन्होंने इसे एक छलावा करार देते हुए मांग की कि जब तक नई जाति आधारित जनगणना नहीं हो जाती और अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए इस 33 प्रतिशत के भीतर अलग से कोटा निर्धारित नहीं किया जाता, तब तक यह विधेयक सामाजिक न्याय की कसौटी पर खरा नहीं उतरेगा। विपक्ष की इस मांग ने सदन के भीतर और बाहर एक नई बहस को जन्म दे दिया। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए तो आरक्षण का प्रावधान पहले से ही प्रस्तावित था, परंतु अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए अलग श्रेणी की मांग ने सत्ता पक्ष को रक्षात्मक स्थिति में ला दिया। उत्तर भारत के प्रमुख क्षेत्रीय दलों ने इस मुद्दे पर लामबंदी तेज कर दी और यह स्पष्ट कर दिया कि बिना जातिगत डेटा के परिसीमन करना अंधेरे में तीर चलाने जैसा होगा। अमित शाह ने सरकार का पक्ष रखते हुए विपक्ष के इन तर्कों को विकास की राह में रोड़ा अटकाने वाला बताया। उन्होंने सदन में जोर देकर कहा कि सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में किसी भी प्रकार की देरी नहीं चाहती और परिसीमन ही वह एकमात्र वैधानिक मार्ग है जिसके माध्यम से सीटों का न्यायोचित वितरण संभव है। उन्होंने विपक्ष पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इतिहास उन्हें कभी क्षमा नहीं करेगा यदि उन्होंने इस अवसर को केवल राजनीतिक द्वेष के कारण गंवा दिया। घटनाक्रम अपनी चरम सीमा पर तब पहुँचा जब 16 अप्रैल को इस विधेयक पर मतदान की घोषणा हुई। संसद के गलियारों में तनाव स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता था। उस दिन कुल 528 सांसद सदन में उपस्थित थे। नियम के अनुसार, संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का कम से कम दो-तिहाई बहुमत आवश्यक था। जब मतों की गणना हुई, तो परिणाम सरकार के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं थे। विधेयक के पक्ष में 298 मत पड़े, जबकि विपक्ष में 230 सांसदों ने मतदान किया। गणितीय दृष्टि से देखें तो दो-तिहाई बहुमत के लिए सरकार को कम से कम 352 मतों की आवश्यकता थी। इस प्रकार, मात्र 54 मतों के अंतर से यह ऐतिहासिक विधेयक गिर गया। यह भारतीय संसदीय इतिहास की एक विरल घटना थी क्योंकि 1990 के दशक के बाद यह पहला अवसर था ।

खाड़ी संकट के दौरान भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने में भारतीय नौसेना की अहम भूमिका

कर्नल अनिल भट्ट
(सेवानिवृत्त)

10-11 अप्रैल 2026 को यह खबरें आईं कि संयुक्त राज्य नौसेना का एक अत्याधुनिक, उच्च ऊंचाई पर लंबे समय तक उड़ान भरने वाला निगरानी ड्रोन रूक्-4ष्ट ट्राइटन, जो 50,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर काम कर सकता है और अमेरिकी नौसेना के लिए 'समुद्र की आंख' माना जाता है, होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर लापता हो गया।

ट्रम्प के बार-बार यह दावा करने के बावजूद कि ईरान की वायुसेना और नौसेना 'पूरी तरह तबाह' हो चुकी है, रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान के पास स्वदेशी रूप से निर्मित विशाल हथियार भंडार है। इसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें, अटैक ड्रोन और नौसैनिक एंटी-शिप क्षमताएं शामिल हैं। प्रमुख प्रणालियों में 2000 किमी रेंज वाली शाहाब-3 और सेज्जिल मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें, फतेह-110 शॉर्ट रेंज मिसाइलें, शाहेद आत्मघाती ड्रोन, सौमर क्रूज मिसाइल, गदीर श्रेणी की छोटी पनडुब्बियां, फतेह श्रेणी की मध्यम पनडुब्बियां और अनुमानित 2000 से 6000 समुद्री बारूदी सुरंगें शामिल हैं।

ये समुद्री माइंस साधारण संपर्क माइंस से लेकर उन्नत स्मार्ट रॉकेट माइंस तक होती हैं, जिन्हें विशेष रूप से होर्मुज जैसे उथले पानी के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें महम श्रृंखला, सदफ-02 जैसी स्वदेशी माइंस और कुछ आयातित प्रकार शामिल हैं, जिनका उद्देश्य जहाजरानी को बाधित करना है। कुछ माइंस पानी की सतह के नीचे तैरती हैं और जहाज से टकराते ही विस्फोट करती हैं, जबकि अन्य समुद्र तल पर रखी जाती हैं और जहाज के ध्वनि, चुंबकीय या दबाव संकेतों से सक्रिय होती हैं। उन्नत माइंस, जैसे चीनी निर्मित श्वरू-52, लक्ष्य का पता लगाकर उस पर

रॉकेट दाग सकती हैं। लिम्पेट माइंस को गोताखोर या तेज नौकाओं द्वारा जहाज के ढांचे से चिपकाया जाता है।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका इन माइंस को नष्ट करना शुरू करेगा, जो उनके अनुसार ईरान ने जलडमरूमध्य में बिछाई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में ईरान को शुल्क देने वाले हर जहाज को रोका जाएगा और किसी भी हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी शुरू होने के बाद, 25-26 मार्च 2026 के आसपास भारतीय नौसेना ने 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' शुरू किया। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य के पास युद्धपोत तैनात किए गए, ताकि भारत आने वाले ऊर्जा टैंकरों को सुरक्षित एस्कॉर्ट दिया जा सके। 28 फरवरी 2026 से ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमलों के बाद इस क्षेत्र में जोखिम और देरी बढ़ गई थी।

11 अप्रैल 2026 को एलपीजी टैंकर 'जग विक्रम' नौसेना की सुरक्षा में इस मार्ग से गुजरा।

ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा

भारत के लिए तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 13 अप्रैल 2026 से इस ऑपरेशन का दायरा बढ़ाया गया। कई भारतीय नौसैनिक जहाजों को क्षेत्र में तैनात किया गया, जो भारतीय झंडे वाले वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित मार्गदर्शन और एस्कॉर्ट प्रदान कर रहे हैं। अब तक कम से कम 10 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से इस मार्ग से गुजर चुके हैं।

यह ऑपरेशन 'ऑपरेशन संकल्प' का विस्तारित रूप है, जिसे 19 जून 2019 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना है। भारत के लगभग 62% तेल आयात इसी क्षेत्र से आते हैं।

ऑपरेशन संकल्प के प्रमुख उद्देश्य हैं:

(क) भारतीय नौसेना के लिए एक दीर्घकालिक रणनीतिक उपकरण के रूप में कार्य करना और हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों का संतुलन करना।

(ख) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले भारतीय जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

(ग) युद्धपोतों और विमानों की तैनाती के माध्यम से लगातार नौसैनिक उपस्थिति बनाए रखना।

(घ) क्षेत्रीय तनाव की निगरानी करना और आपात स्थितियों में तुरंत प्रतिक्रिया देना।

(ङ) समुद्री व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समुद्री डकैती जैसी चुनौतियों को रोकना।

इस ऑपरेशन का संचालन रक्षा, विदेश, नौवहन और पेट्रोलियम मंत्रालयों के समन्वय से किया गया है। इसके तहत कई व्यापारी जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया गया है।भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय नौसैनिक गठबंधन में शामिल होने से इनकार किया और अपने युद्धपोत तैनात कर स्वतंत्र रूप से अपने जहाजों की सुरक्षा का निर्णय लिया। यह तैनाती इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत की लगभग 80% ऊर्जा आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है। भारतीय नौसेना ने छह से अधिक युद्धपोत तैनात कर एस्कॉर्ट मिशन, हवाई रक्षा और टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

नई दिल्ली ने नौसैनिक शक्ति और कूटनीति दोनों का इस्तेमाल करते हुए ईरान सहित संबंधित पक्षों से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए बातचीत की है। यह कदम इस क्षेत्र में काम कर रहे हजारों भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है।

चाबहार बंदरगाह को लेकर अमेरिका का दबाव

भारत द्वारा उठाए गए कदम ट्रम्प को पसंद नहीं आए, जिन्होंने भारत से चाबहार परियोजना से हटने की मांग की। भारत ने 2015 में इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड के माध्यम से इस बंदरगाह के शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल के विकास और संचालन की जिम्मेदारी ली थी। मई 2024 में 10 साल का अनुबंध भी मिला था।

यह 500 मिलियन डॉलर का निवेश पाकिस्तान को बायपास करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण विकल्प है। हालांकि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इस परियोजना पर अनिश्चितता बनी हुई है और छूट 26 अप्रैल 2026 तक ही है। भारत इस दबाव के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। एक ओर वह अमेरिका के प्रतिबंधों से बचना चाहता है, वहीं दूसरी ओर वह अपने रणनीतिक हितों को भी सुरक्षित रखना चाहता है।भारत ने अब तक इस जटिल स्थिति को संतुलित तरीके से संभाला है, जहां वह अमेरिकी दबाव के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री हितों की रक्षा कर रहा है।

भारत ने सक्रिय रुख अपनाते हुए अपने दो विमानवाहक पोत—आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य—को भी इस क्षेत्र में तैनात करने की तैयारी की है। प्रत्येक पर लगभग 30 लड़ाकू विमान तैनात हैं।

इसके अलावा भारतीय नौसेना ने ईरान के सुझाव पर एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग भी अपनाया है, जो संभावित माइंस से भरे अंतरराष्ट्रीय मार्गों से अलग है। जहाजों को अत्यधिक सावधानी के साथ एस्कॉर्ट किया जा रहा है और सुरक्षित नेविगेशन के लिए हाइड्रोग्राफिक डेटा का उपयोग किया जा रहा है।

(लेखक रक्षा मंत्रालय और भारतीय सेना के पूर्व प्रवक्ता हैं। व्यक्त विचार निजी हैं।)

वसंत-ग्रीष्म के मजियारे आँगन से

वीरेंद्र बहादुर सिंह

चैत्र कैलेंडर के पन्नों से अलविदा कह रहा है, लेकिन उसके साथ ही ग्रीष्म के प्रभाव में वैशाख का स्वागत भी हो रहा है। दोनों घटनाएं एक साथ घट रही हैं।

ज़रा देखिए, जाते हुए चैत्र के चेहरे पर वैशाख का स्नेह झलक रहा है। चैत्र और वैशाख बिलकुल पड़ोसी हैं। दोनों का आंगन साझा है, उस मजियारे आंगन में नीम और आम दोनों हैं। चैत्र नीम पर अपना अधिकार नहीं जताता और आम केवल वैशाख का नहीं है। आम पर लगने वाला फल भले वैशाखी फल कहलाए, लेकिन उसकी गंगोत्री तो चैत्र की क्यारी में ही होती है। चैत्र और वैशाख के बीच कभी तकरार नहीं हुई। ऋतुओं के बीच तो केवल संवाद होता है। वैशाख की डाल पर कहीं चैत्र झूला झूल ले तो वैशाख उसे उतार नहीं देता और चैत्र की बिछी चादर पर वैशाखी धूप अपना डेरा जमा सकती है। आम का अधिकार केवल ग्रीष्म के पास नहीं, वसंत और वर्षा भी उसका लाभ लेते हैं। चैत्र की चादर पर वैशाख कूदे, प्यास जगाए, कोमल कोंपलें जला दे, तो भी चैत्र कोई शिकायत नहीं करता। दोनों ऋतुएं देवरानी-जेठानी नहीं, सगी बहनें हैं।

संवाद प्रकृति का स्वभाव है। सेमल, गरमाला, गुलमोहर क्या केवल फाल्गुन के ही हैं? उनकी प्रतिष्ठा चैत्र और वैशाख तक रहती है। सेमल अपने पत्तों को त्याग कर फूलों को स्थान देता है, तो नीम पीले पत्ते गिराकर वैरागी बनता है और फिर संसार में लौट आता है। सेमल और नीम पर चैत्र का अधिकार है, ममता है, पर इसका अर्थ यह नहीं कि वैशाख को उनमें कुछ भी न मिले। कोई ऋतु अपने वृक्षों का अभिमान नहीं करती। वैशाख की प्रतिष्ठा आम से है और चैत्र की नीम से, फिर भी दोनों वृक्षों में दोनों ऋतुओं का सामंजस्य दिखता है। पीपल की कोमल पत्तियां मानो उसके चमकीले फूल हों, इतनी कोमलता को वैशाख की गर्मी भी जला नहीं पाती। चैत्र की चादर में वैशाख की धूल भी मिलती है। सुंदर कन्या जैसे लटकते फूलों से सजा गरमाला फाल्गुन में खिलता है, चैत्र में संवरता है और वैशाख में बिखर जाता है। जैसे कालेज में नई आई सुंदर छात्रा सबका ध्यान खींचती है, वैसे ही ग्रीष्म में मोगरा सबका मन मोह लेता है। मोगरे की मोहकता का विस्तार कितना विशाल है! हेमंत की ठंडक को देखकर भी ग्रीष्म कभी ईर्ष्या नहीं करता, बल्कि आनंदित होता है।

भले ही आपकी डायरी के पन्नों से चैत्र विदा हो गया हो, लेकिन वह ग्रीष्म के साथ वैशाख का स्वागत भी कर रहा है। दोनों प्रक्रियाएं साथ-साथ चल रही हैं। हवा इन घटनाओं की साक्षी है। वही हवा जिसने पेड़ों से पत्ते गिराए, उसी की साक्षी में नई कोंपलें फूटकर पत्ते और फूल बनती हैं। चैत्र नीम को हरा-भरा और युवा बनाकर जा रहा है। वह सेमल और गरमाला के फूलों का आलिंगन ढीला कर रहा है, फूलों का वैभव छोड़कर जा रहा है। इस तरह सहजता से जाना किसे आता है? यही ऋतुओं से सीखने की बात है, राग और त्याग दोनों उनमें हैं। जितनी तेजी से वे आनंद लेती हैं, उतनी ही सहजता से वैभव को अलविदा कहकर आगे बढ़ जाती हैं। इस अर्थ में ऋतुएं योगी जैसी हैं और वृक्ष संत जैसे। पत्ते पीले होकर गिरते हैं, फिर नई कोंपलें फूटती हैं, प्रकृति में गहरा संवाद चलता रहता है।

रेगिस्तान का ऊंट से, जंगल का पेड़ों से, समुद्र का चंद्रमा से संवाद होता है। सेमल की कांटेदार डाल पर खिले लाल फूलों का भी संवाद है। जैसे उषा और संध्या के आकाश नए रंग धारण करते हैं, उन रंगों में भी ऋतुओं का ही मेल होता है। चैत्र की शांति और वैशाख की धूप दोनों को समेटे आकाश भी संवाद करता है। चैत्र के मंडप में बिछी धूप पर यदि वैशाख के मेहमान आ बैठें तो चैत्र किसी को मना नहीं करता। चैत्र की राई को यदि वैशाख के आम से प्रेम हो जाए, तो भी ऋतुएं उसे स्वीकार करती हैं, किसी को बाहर नहीं करतीं। वैशाख के आम पर गाती कोयल को चैत्र का नीम नहीं भगाता। ऋतुओं की शाखाओं पर 'यहां पार्किंग मना है' जैसे बोर्ड नहीं लगे होते।

बोध कथा

व्यवहार कुल का परिचय देता हैं

एक राजा के दरबार मे एक अनजान व्यक्ति नौकरी के लिए प्रस्तुत हुआ । योग्यता पूछी गई, कहा, 'विदुषक हूँ ।

राजा के पास राजदरबारियों की भरमार थी, उसे खास 'घोड़ों के अस्तबल का इंचार्ज' बना लिया। कुछ दिनों बाद राजा ने उस से अपने सब से महंगे और प्रिय घोड़े के बारे में पूछा, उसने कहा, 'अच्छी नस्ल का नही हैं ।' राजा को आश्चर्य हुआ, उसने जंगल से घोड़े की जानकारी वालो को बुला कर जांच कराई.. उसने बताया, घोड़ा अच्छी नस्ल का नहीं हैं, लेकिन इसके जन्म पर इसकी मां मर गई थी, ये एक गाय का दूध पी कर उसके साथ पला है।

राजा ने अपने विदुषक को बुलाया और पूछा तुम को कैसे पता चला के घोड़ा अच्छी नस्ल का नहीं हैं ?' ' 'उसने कहा 'जब ये घास खाता है तो गायों की तरह सर नीचे करके, जबकि अच्छी नस्ल का घोड़ा घास मुह में लेकर सर उठा लेता हैं । ' ' ' राजा उसकी परख से बहुत खुश हुआ, उसने विदुषक के घर अनाज ,घी और अच्छे फल बतौर इनाम भिजवाया। और उसे रानी के महल में तैनात कर दिया।

कुछ दिनो बाद , राजा ने उस से रानी के बारे में राय मांगी, उसने कहा, 'तौर तरीके तो रानी जैसे हैं लेकिन राजकुमारी नहीं हैं ।' राजा के पैरों तले जमीन निकल गई, तो अपनी सास को बुलाया, मामला उसको बताया, सास ने कहा 'सत्य ये हैं, कि आपके पिता ने मेरे पति से हमारी बेटी के जन्म पर ही रिश्ता मांग लिया था, लेकिन हमारी बेटी 6 माह में ही मर गई थी, तो हम ने आपके राजा से निकट संबंध हमेशा रहे इस लिए किसी और कि बच्ची को अपनी बेटी बना लिया।' राजा ने अपने विदुषक से पूछा 'तुम को कैसे जानकारी हुई 'उसने कहा, 'उसका नौकरों के साथ व्यवहार मूर्खो से भी निम्न हैं । एक कुलीन व्यक्ती का दूसरों से व्यवहार करने का एक तरीका एक शिष्टाचार होता हैं, जो रानी में बिल्कुल नहीं ।

व्यंग्य केसरी

अथश्री सनसना-सन-सन कथा

सागर तोमर

प्राचीन काल की बात है । 'मध्य देश' की 'उत्तर दिशा' में अवस्थित 'पूरबगढ़' नामक राज्य के राजवैद्य अत्यंत प्रसिद्ध व्यक्ति थे । अनेक प्रकार की औषधियाँ एवं भस्म आदि के सेवन करने से उन्हें एक पुत्र की प्राप्ति हुई जो बचपन से ही पहलवानों की भाँति बलशाली था । इसके बावजूद वह कपूत ही सिद्ध हुआ । अर्थात 'भला मानुस' बना रहा । उसका नाम 'सन' रखा गया । जन-जनार्दन उसे सरल व्यंग्य से 'महात्मा' कहा करते !

यौवन को प्राप्त होने पर दक्षिण देश की निवासिनी एक प्रियदर्शना कन्या से महात्मन् का विवाह-संस्कार संपन्न हुआ । वैसे तो उसका वास्तविक नाम 'कूटवचनधारिणी' था परंतु वह राजकन्या (पाठक यह न भूलें कि वह राजा की बेटी नहीं थी अपितु उसका सगा बाप एक राज मिस्त्री था) अपनी सखी-सहेलियों के मध्य निरंतर ही 'सनासन' के नाम से लोकप्रिय थी ।

उस युग के मनुष्य बहुत लंबे समय तक जीवित रहा करते थे । इसके पश्चात भी कई युगों तक उन दोनों की कोई संतान नहीं हुई । यद्यपि वे चाहते थे कि एकमात्र संतान ही परमात्मा दे दे परंतु छुपे हुए रूप में वे पुत्र ही चाहते थे जो कि उनका वंश आगे बढ़ा सके.

हालाँकि उन दिनों लौकी, तोरी, करेला, ककड़ी आदि की बेल बहुतायत से लगाई जाती थीं परंतु यहाँ केवल वंश आगे बढ़ने बात कही गयी है, वंश-बेल की नहीं ।

(इसका रहस्य जानने के लिए लेखक की अन्य पुस्तक 'बेलचरित जसचंद्रिका' अवश्य पढ़ें और सपरिवार ज्ञानवर्धन करें --- ले)

अंततः उनकी इच्छा कलियुग के अंतिम चरण की इक्कीसवीं शताब्दी के पच्चीसवें वर्ष के मध्य में जाकर पूरी हुई । इस लंबे अंतराल में यह परिवर्तन भी हो गया था कि अब 'पुत्र' को 'सन' कहने लगे थे ।

(परम पिता परमेश्वर साक्षी है कि यहाँ 'सन' का अर्थ वह बिलकुल भी नहीं है जो कि पुरातन युगों में रस्सियाँ बनाने के काम आता था, ताकि बखत पड़े कवियों के लिए 'भ्रांतिमान अलंकार' के उदाहरण का अभाव न रहे -- पुनः लेज़) इस प्रकार उस 'सन' - 'सनासन' दम्पति को जो पुत्र प्राप्त हुआ, वह इस मर्त्यलोक में 'सन सनासन सन' के नाम से विख्यात हुआ ! इस प्रकार इस 'श्रीमद्सनवत कथा' के चतुर्थ अंक का पारायण पूर्ण हुआ ।

इतिहास

19 अप्रैल का इतिहास भारत के लिए विशेष रूप से अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि (1975 में पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च) का प्रतीक है। साथ ही, यह दिन ऐतिहासिक स्वतंत्रता संग्राम (दांडी मार्च का समापन - 1930) और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति (1919) जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं को समेटे हुए है। 1975 (भारत का पहला उपग्रह): भारत ने अपना पहला वैज्ञानिक उपग्रह 'आर्यभट्ट' सोवियत संघ (अब रूस) की सहायता से सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जो अंतरिक्ष युग में भारत का पहला कदम था।
1930 (दांडी मार्च): महात्मा गांधी ने दांडी मार्च के दौरान नमक बनाकर ब्रिटिश हुकूमत के नमक कानून को औपचारिक रूप से तोड़ा। 1910 (हेली धूमकेतु): हेली धूमकेतु की तस्वीर पहली बार ली गई, जो खगोल विज्ञान में एक महत्वपूर्ण क्षण था। 1882 (चार्ल्स डार्विन): विकासवादी जीव विज्ञान के जनक चार्ल्स डार्विन का निधन हुआ।

आईबीसी ने भारत में बदली दिवालिया कंपनियों की दशा, एसेट वैल्यू रिकवरी को मिला बढ़ावा : पीएचडीसीसीआई उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) ने भारत में दिवालिया प्रक्रिया में गई कंपनियों का समाधान जल्द करने में बड़ी भूमिका निभाई है और इससे एसेट वैल्यू रिकवरी में सुधार देखने को मिला है। यह जानकारी पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के उपाध्यक्ष संजय सिंघानिया की ओर से रविवार को दी गई।

पीएचडीसीसीआई के एक कार्यक्रम में सिंघानिया ने कहा कि आईबीसी ने भारत में फेल हो चुकी कंपनियों के समाधान प्रक्रिया में आधारभूत बदलाव लाया है। पहले दिवालिया प्रक्रिया में गई कंपनियों के समाधान में काफी समय लगता था और इससे उनके एसेट की वैल्यू में भी भारी कमी आती थी।

उन्होंने कहा, 'आईबीसी ने तेज समाधान, बेहतर ऋण अनुशासन और निवेशकों के विश्वास पर ध्यान केंद्रित किया है।

हालांकि, उन्होंने संबोधन में और अधिक तेज समाधान, लचीलापन और मूल्य संरक्षण तथा व्यवसायों के पुनरुद्धार पर अधिक बल

देने की आवश्यकता का जिक्र किया।

कार्यक्रम में हाल ही में पारित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2026 पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें नीति निर्माताओं, कानूनी विशेषज्ञों, दिवालियापन पेशेवरों और उद्योग जगत के लीडर्स को भारत में विकसित हो रहे दिवालियापन ढांचे पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाया गया। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के पूर्व सदस्य (न्यायिक) न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन ने भारत में दिवालियापन कानूनों के विकास का विवरण प्रस्तुत किया और आईबीसी के तहत खंडित तंत्रों से एकीकृत, लेनदार-संचालित प्रणाली में परिवर्तन के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, '2026 के संशोधन का उद्देश्य दिवालिया प्रक्रिय में लगने वाले समय को कम करना और लेनदारों का विश्वास बढ़ाना है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के सदस्य (न्यायिक) अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि उभरती आर्थिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए दिवालियापन कानून का निरंतर विकास होना आवश्यक है।

उन्होंने दोहराया कि आईबीसी का मूल उद्देश्य केवल वसूली नहीं, बल्कि समाधान और मूल्य अधिकतमकरण होना चाहिए।

इसके अलावा, नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (एनईएसएल) के प्रबंध निदेशक और सीईओ देबज्योति रे चौधरी ने पारदर्शिता बढ़ाने और चूक के प्रामाणिक रिकॉर्ड उपलब्ध कराकर देरी को कम करने में सूचना उपयोगिताओं के महत्व पर जोर दिया, जिससे विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को लाभ होता है।

अक्षय तृतीया पर सोने और चांदी में निवेश करना फायदे का सौदा, बीते पांच साल में मिला 255 प्रतिशत तक का रिटर्न

नई दिल्ली। पूरे भारत में रविवार को धूमधाम से अक्षय तृतीया का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन सोने और चांदी में निवेश करने को काफी शुभ माना जाता है और इससे समृद्धि बढ़ती है।

बीते पांच वर्षों में अक्षय तृतीया पर सोने और चांदी में निवेश करना निवेशकों के लिए काफी फायदेमंद रहा है और इस दौरान सोने में करीब 218 प्रतिशत और चांदी में 255 प्रतिशत का रिटर्न देखने को मिला है।

इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक, पांच वर्ष पहले अक्षय तृतीया के दिन 14 मई, 2021 को 24 कैरेट सोने का दाम 47,757 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो कि अब बढ़कर 1,51,655 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।

इस दौरान सोने ने 26 प्रतिशत की सीएजीआर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) का रिटर्न दिया है। वहीं, कुल संचयी रिटर्न 217.55 प्रतिशत रहा है।

वहीं,पांच वर्ष पहले चांदी का दाम 70,360 रुपए प्रति किलो था, जो कि अब बढ़कर 2,49,940 रुपए प्रति किलो हो गया है।

इस दौरान सोने ने 28.8 प्रतिशत की सीएजीआर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) का रिटर्न दिया है। वहीं, कुल संचयी रिटर्न 255.23 प्रतिशत रहा है।

समीक्षा अवधि में चांदी, सोने को एक बड़े मार्जिन से आउटपरफॉर्म करने में सफल रही है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि उतार-चढ़ाव के बावजूद सोने और चांदी में लंबी अवधि में निवेशकों के लिए फायदे का सौदा रहे हैं और लगातार वेल्थ क्रिएटर की भूमिका में बने हुए हैं।

बीता एक साल भी सोने और चांदी के लिए शानदार रहा है। इस दौरान सोने ने 60 प्रतिशत से अधिक और चांदी ने 160 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

इस दौरान सोने में उछाल की वजह वैश्विक अस्थिरता और केंद्रीय बैंकों की ओर से लगातार खरीद को माना जा रहा है। वहीं, चांदी में तेजी की वजह इंडस्ट्रियल मांग में बढ़ोतरी होना है।

भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए औद्योगिक भूमि सुधार जरूरी: सीआईआई

नई दिल्ली । भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को एक रिपोर्ट में कहा कि भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए किफायती और पारदर्शी तरीके से उद्योगों की औद्योगिकी भूमि तक पहुंच जरूरी है।

इंडस्ट्री बॉडी ने अपनी रिपोर्ट 'सीआईआई लैंड मिशन: फ्रेमवर्क टू रिफॉर्म इंडस्ट्रियल लैंड मैनेजमेंट इन इंडिया' में औद्योगिक भूमि पारिस्थितिकी तंत्र में संरचनात्मक और प्रक्रियात्मक बाधाओं को दूर करने के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, 'मेक इन इंडिया, राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारों, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और आधुनिक लॉजिस्टिक्स के तहत भारत की मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की महत्वाकांक्षाओं को तब तक साकार नहीं किया जा सकता जब तक कि

औद्योगिक भूमि पूर्वानुमानित, पारदर्शी और निवेश के लिए तैयार न हो जाए।

उन्होंने कहा, 'सीआईआई लैंड मिशन एक व्यावहारिक, कार्यान्वयन केंद्रीय ढांचा प्रदान करता है जो सामाजिक सुरक्षा उपायों का सम्मान करते हुए भूमि मूल्य श्रृंखला में समय दक्षता, पूर्वानुमान और समन्वय को बढ़ाता है। औद्योगिक भूमि विनिर्माण, अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा और रसद के लिए एक मूलभूत संसाधन बनी हुई है।हालांकि, विभिन्न राज्यों में वर्तमान परिदृश्य खंडित प्रक्रियाओं, जटिल नियामक व्यवस्था, अस्पष्ट भूमि स्वामित्व, विलंबित कब्जे और आवंटित भूखंडों के अल्पउपयोग से ग्रस्त है। रिपोर्ट में बताया गया कि ये चुनौतियां पूंजी की लागत को काफी बढ़ा देती हैं, परियोजनाओं के चालू होने में देरी करती हैं और निवेशकों के विश्वास को कम करती हैं।

यह रिपोर्ट औद्योगिक भूमि के संपूर्ण जीवनचक्र का विस्तृत मूल्यांकन करती है, जिसमें भूमि खोज और पहचान, आवेदन, आवंटन, भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू), स्वामित्व और उचित जांच-पड़ताल सत्यापन, अधिग्रहण, भौतिक कब्जा, आवंटन के बाद का उपयोग और संस्थागत क्षमता शामिल हैं।रिपोर्ट की एक प्रमुख सिफारिश एकीकृत, जीआईएस-सक्षम राष्ट्रीय औद्योगिक भूमि बैंक की स्थापना है, जो भूमि की उपलब्धता, जोनिंग स्थिति, उपयोगिताओं, पर्यावरणीय बाधाओं, भार और स्वामित्व की स्पष्टता पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करे। ऐसा प्लेटफॉर्म पारदर्शिता को काफी हद तक बढ़ाएगा और सूचित, त्वरित निवेश निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा।

मार्केट आउटलुक: अमेरिका-ईरान शांति वार्ता, तिमाही नतीजे और आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता अहम होना वाला है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता, तिमाही नतीजे, कच्चे तेल की कीमतें और आर्थिक आंकड़ों से घरेलू शेयर बाजार का रुझान तय होगा।

अगले हफ्ते अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता पर निवेशकों की निगाहें रहेंगी, क्योंकि दोनों के बीच लागू हुआ दो हफ्तों का युद्धविराम बुधवार को समाप्त हो रहा है।

वहीं, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज छोटी अवधि के लिए खुलने के बाद फिर से बंद हो गया है। इस वजह से कच्चे तेल की कीमतों में आने वाले समय में बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

भारत में नतीजों का सीजन चल रहा है। अगले हफ्ते ग्रो, पीएनबी हाउसिंग, एचसीएलटेक, नेस्ले इंडिया, टाटा इन्वेस्टमेंट, एलटीटीएस, एसबीआई लाइफ, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, इन्फोसिस, अदाणी ग्रीन एनर्जी और

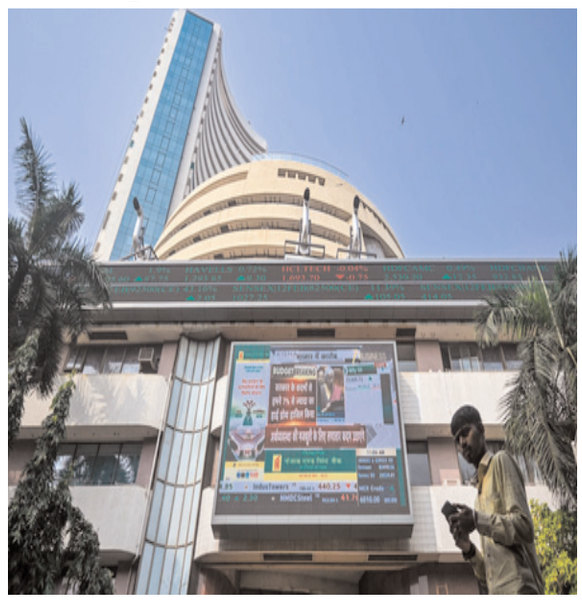

एमआरपीएल जैसी कंपनियां वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। घरेलू स्तर पर 20 अप्रैल को इन्फ्रास्ट्रक्चर आउटपुट, 22 अप्रैल को आरबीआई मौद्रिक नीति मिनट्स और 23 अप्रैल को पीएमआई डेटा आएगा।

बीता एक हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी अच्छा रहा। इस दौरान सेंसेक्स 943.29 अंक या 1.22 प्रतिशत बढ़कर 78,493.54 और निफ्टी 302.95 अंक या 1.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,353.55 पर बंद हुआ।

इस दौरान व्यापक बाजारों ने अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2,054.25 अंक या 3.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,898.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 725.60 अंक या 4.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,565.70 पर बंद हुआ।

सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 4.20 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके बाद निफ्टी एनर्जी (4.59 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (4.29 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (4.24 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (4.08 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (3.77 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (3.64 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (3.37 प्रतिशत) और निफ्टी एफएमसीजी (3.04 प्रतिशत) के साथ हरे निशान में बंद हुए।

भारत का लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट की न्यूक्लियर ऊर्जा क्षमता हासिल करना है: सीईए चीफ घनश्याम प्रसाद

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरपर्सन घनश्याम प्रसाद ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट की न्यूक्लियर ऊर्जा क्षमता हासिल करना है, जो कि फिलहाल 8.8 गीगावाट है।

राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम के साइडलाइन में बोलते हुए प्रसाद ने कहा, '100 गीगावाट के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदमों की रूपरेखा तैयार करते हुए एक विस्तृत रोडमैप पहले ही तैयार किया जा चुका है, जिसमें विधायी सुधार एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।'

उन्होंने कहा, 'प्रमुख उपलब्धियों में से एक - शांति अधिनियम का अधिनियमन - पहले ही पूरा हो चुका है।

हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि इस ढांचे को क्रियान्वित करने के लिए नियम, प्रक्रियाएं और दिशानिर्देश तैयार करने में अभी भी काफी काम बाकी है।

उन्होंने आगे कहा कि न्यूक्लियर ऊर्जा क्षमता विस्तार को समर्थन देने के लिए ईंधन सुरक्षा, स्थान चयन और कुशल मानव संसाधन विकास जैसे कई पहलुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में व्यापक भागीदारी की संभावना है।

वर्तमान में, न्यूक्लियर ऊर्जा उत्पादन पर एक ही कंपनी का वर्चस्व है, लेकिन प्रसाद ने कहा कि भविष्य में 10 से 12 कंपनियां इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकती हैं, जिससे क्षमता वृद्धि में तेजी आएगी।

परिचालन पक्ष पर, उन्होंने न्यूक्लियर ऊर्जा की विश्वसनीयता और स्थिरता पर जोर देते हुए इसे आधारभूत बिजली का एक विश्वसनीय स्रोत बताया जो वर्षों तक निरंतर चल सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि उचित प्रबंधन किए जाने पर न्यूक्लियर ऊर्जा बिजली उत्पादन के सबसे सुरक्षित और स्थिर रूपों में से एक बनी हुई है।

साथ ही, प्रसाद ने स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) जैसी उभरती टेक्नोलॉजी को एक अवसर और चुनौती दोनों के रूप में बताया, और कहा कि ये अभी भी वैश्विक स्तर पर विकास के चरण में हैं, लेकिन स्वच्छ ऊर्जा समाधानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

एआई के बढ़ते चलन के कारण टेक सेक्टर में 2026 में छंटनी में हो सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली। ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनियों ने 2026 की पहली तिमाही में छंटनी में बढ़ोतरी की है और 95 कंपनियों ने कुल 73,200 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है।

लेऑफ्स.एफवाईआई के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले दो हफ्तों में कर्मचारियों की छंटनी में एक बार से फिर तेजी आई है। स्नैप, द वॉल्ट डिज्नी कंपनी, मेटा प्लेटफॉर्म्स और ओरेकल कॉर्पोरेशन जैसी कंपनियों ने हाल ही में छंटनी की घोषणा की है, क्योंकि कंपनियां लागत कम करने और एआई की ओर संसाधन लगाने के लिए अपने संचालन को सुव्यवस्थित कर रही हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैप ने कहा कि वह लगभग 1,000 नौकरियां यानी अपने

कर्मचारियों की संख्या लगभग 16 प्रतिशत कम करेगा और दक्षता बढ़ाने एवं विकास को गति देने के लिए 300 से अधिक खाली पदों को समाप्त करेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी इवान स्पीगल ने कहा कि एआई के विकसित होने से दोहराव वाले कार्यों का स्वचालन संभव हो रहा है, और संचालन को सुव्यवस्थित करने से कंपनी को 2026 की दूसरी छमाही तक 500 मिलियन डॉलर से अधिक की बचत होने की उम्मीद है, जबकि छंटनी लागत 95 मिलियन डॉलर से 130 मिलियन डॉलर के बीच होने का अनुमान है।

कंपनी ने अपने अमेरिका स्थित कर्मचारियों के लिए चार महीने का छंटनी वेतन, निरंतर स्वास्थ्य सेवा और इक्विटी वेस्टिंग की घोषणा की।

कई रिपोर्टों के अनुसार, वॉल्ट डिज्नी कंपनी नए सीईओ जोश डी'अमारो के नेतृत्व में अपने पहले बड़े पुनर्गठन के तहत लगभग 1,000 पदों की छंटनी करने की योजना बना रही है। मेटा प्लेटफॉर्म्स भी कर्मचारियों की संख्या में कटौती जारी रखे हुए है, जिसके तहत कैलिफोर्निया के बरलिंगेम और सनीवेल स्थित कार्यालयों में 198 पदों पर छंटनी की योजना है।

भारत का बैंकिंग सेक्टर मजबूत, एसेट क्वालिटी और क्रेडिट मांग से मिल रहा सपोर्ट : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत का बैंकिंग सेक्टर मजबूत बना हुआ है और इसे एसेट क्वालिटी में सुधार, मजबूत कैपिटल बेस, रिटेल और एसएमई क्षेत्र में क्रेडिट की मांग और निजी पूंजीगत खर्च में रिकवरी से सपोर्ट मिल रहा है। यह जानकारी एक सर्वेक्षण में रविवार को दी गई।

फिक्की और इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के सर्वेक्षण में कहा गया है कि निकट भविष्य में बैंकिंग क्षेत्र में वृद्धि को लेकर दृष्टिकोण व्यापक रूप से सकारात्मक है, जिसे मजबूत बैलेंस शीट, स्थिर आर्थिक गतिविधियों और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर मांग का समर्थन प्राप्त है।

सर्वेक्षणकर्ताओं का मानना ??है कि आने वाले महीनों में वर्तमान मौद्रिक नीति व्यापक रूप से स्थिर रहेगी, जिससे संकेत मिलता है कि मौजूदा नीतिगत ढांचा विकास और मुद्रास्फीति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए उपयुक्त रूप से समायोजित है।

सर्वेक्षण में केवल सहकारी बैंकों के सभी उत्तरदाताओं ने 25 आधार अंकों की ब्याज दर वृद्धि की उम्मीद जताई।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि क्रेडिट मांग को लेकर उम्मीदें सकारात्मक बनी हुई हैं, और बैंक नॉन-फूड क्रेडिट मांग में निरंतर वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

वहीं,सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) भविष्य को लेकर विशेष रूप से आश्वस्त दिखाई देते हैं, जो बेहतर एसेट क्वालिटी, मजबूत पूंजी स्थिति और कॉरपोरेट लोन में बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

सर्वेक्षण में निजी बैंकों ने क्रेडिट वृद्धि के प्रति संतुलित और चयनात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित किया, जबकि विदेशी बैंकों ने कॉरपोरेट और संस्थागत क्षेत्रों में अपने केंद्रित निवेश के अनुरूप मध्यम आशावाद दिखाया।

क्षेत्रीय रूप से, सेवा और खुदरा क्षेत्रों से लोन मांग क्रेडिट वृद्धि का एक प्रमुख चालक बने रहने की उम्मीद है। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण में विस्तार की मजबूत उम्मीदें झलकती हैं, जिन्हें रियल एस्टेट, वित्तीय सेवाओं, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन से संबंधित उद्योगों की गतिविधियों का समर्थन प्राप्त है। लगभग 46 प्रतिशत प्रतिभागियों को उम्मीद है कि कुल नॉन-फूड क्रेडिट वृद्धि 11 प्रतिशत से 13 प्रतिशत के बीच रहेगी।

रिटेल लोन भी मजबूत रहने का अनुमान है, जो बैंकिंग क्षेत्र के विकास के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में इसकी भूमिका को और मजबूत करेगा।सर्वेक्षण में कहा गया है कि लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए लोन की मांग विशेष रूप से मजबूत रहने की उम्मीद है, क्योंकि सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने इस क्षेत्र में निरंतर विस्तार के प्रति उच्च विश्वास व्यक्त किया है। यह छोटे उद्यमों में बेहतर व्यावसायिक गतिविधि, क्रेडिट चैनलों के अधिक औपचारिक होने और एमएसएमई के विकास को समर्थन देने पर नीतिगत जोर को दर्शाता है।

गर्मियों में बिना एसी कूलर के घर को ठंडा कैसे रखे? नोट कर लें टिप्स

तपती गर्मी और चिलचिलाती धूप में घर के अंदर रहना भी कई बार मुश्किल हो जाता है, खासकर जब एसी या कूलर न हो। ऐसे में हर कोई यही सोचता है कि बिना ज्यादा खर्च किए घर को कैसे ठंडा और आरामदायक बनाया जाए। अच्छी बात यह है कि हमारी पारंपरिक समझ और कुछ आसान घरेलू उपाय आज भी उतने ही कारगर हैं, जो न सिर्फ गर्मी को कम करते हैं बल्कि घर में प्राकृतिक ठंडक भी बनाए रखते हैं। तो अगर आप भी बिना एसी-कूलर के अपने घर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो जानिए कुछ ऐसे स्मार्ट और आसान तरीके, जो इस गर्मी में आपको देंगे राहत और सुकून।

बिना एसी कूलर के ऐसे रखें घर ठंडा:

खिड़कियों और दरवाज़ों का सही इस्तेमाल: दिन में जब धूप तेज हो, तो खिड़कियां-दरवाज़े बंद रखें। रात में जब तापमान कम हो जाए, तो वेंटिलेशन के लिए इन्हें खोल दें ताकि ठंडी हवा अंदर आ सके।

गीले पर्दे लगाएं: खिड़की पर हल्की गीली चादर या पर्दा लगाने से बाहर की गर्म हवा ठंडी होकर अंदर आती है। साथ ही इस मौसम में घर में कॉटन या लिनन फैब्रिक के हल्के रंग के पर्दे, चादरें और कुशन कवर रखे। हल्के रंग सूरज की रोशनी को प्रतिबिंबित करते हैं और आंखों को सुकून देते हैं

मिट्टी के मटके का इस्तेमाल: गर्मियों में पानी पीने के लिए फ्रिज की जगह मिट्टी के मटके का इस्तेमाल करें। मिट्टी का घड़ा में रखा पानी न सिर्फ पीने में ठंडक देता है, बल्कि कमरे में रखने से हल्की ठंडी नमी भी बनाए रखता है।

फर्श को ठंडा रखें: इस मौसम में अगर आपके घर में कूलर या एसी नहीं है तो दिन में दो बार ठंडे पानी से पोछा लगाएं। इससे घर का तापमान थोड़ा कम होता है। साथ ही अगर, आपके घर पर छत या टैरेस हो तो वहां भी पानी का छिड़काव करें, इससे सूरज की गर्मी कम अंदर आएगी।

पौधे लगाएं: इस मौसम में अपने घर को तपती गर्मी से बचाने के लिए, बालकनी में खूबड़ पौधें लगाएं। घर के अंदर या बालकनी में पौधे रखने से तापमान कम करने में मदद मिलती है और हवा भी फ्रेश रहती है।

ईरान युद्ध में विनाशकारी विफलता का डर? ट्रम्प के आत्मविश्वास के पीछे छिपी चिंता समझिए

इज़राइल-ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आक्रामक बयानों और आत्मविश्वास के बावजूद, वे अंदर ही अंदर जिमी कार्टर जैसी विफलता के डर से जूझ रहे हैं, ऐसा वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है।

ट्रम्प को किस बात का डर है? जिमी कार्टर ईरान के मामले में क्यों असफल रहे थे? 1979 में क्या हुआ था

ट्रम्प ईरान संकट को कैसे संभाल रहे हैं: रिपोर्ट में क्या कहा गया।

रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक रूप से ट्रम्प खुद को 'आक्रामक' और 'कठोर' नेता के रूप में पेश करते हैं, लेकिन उनके करीबी सहयोगियों का कहना है कि वे किसी बड़ी विफलता की आशंका से चिंतित हैं।

बताया गया है कि ट्रम्प इस बात को लेकर परेशान हैं कि यह संघर्ष कितनी तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है। वे बार-बार 1979 के ईरान बंधक संकट को याद करते हैं और डरते हैं कि कहीं उनकी विरासत भी ऐसी ही किसी अंतरराष्ट्रीय नीति की विफलता से प्रभावित न हो जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक, मार-ए-लागो में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और ड्रोन से बचाव के लिए असामान्य उपाय किए जा रहे हैं, जो उनकी बढ़ती चिंता को दर्शाते हैं।

हालांकि वे सार्वजनिक रूप से अमेरिका की जीत के करीब होने का दावा करते हैं, लेकिन अमेरिकी विमानों के गिराए जाने और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने जैसी घटनाओं ने उनके भीतर तनाव बढ़ाया है।

ट्रम्प के विरोधाभासी बयान

रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प के निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक अस्थिर और तात्कालिक होती जा रही है, और वे कई बार अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को नजरअंदाज कर देते हैं।

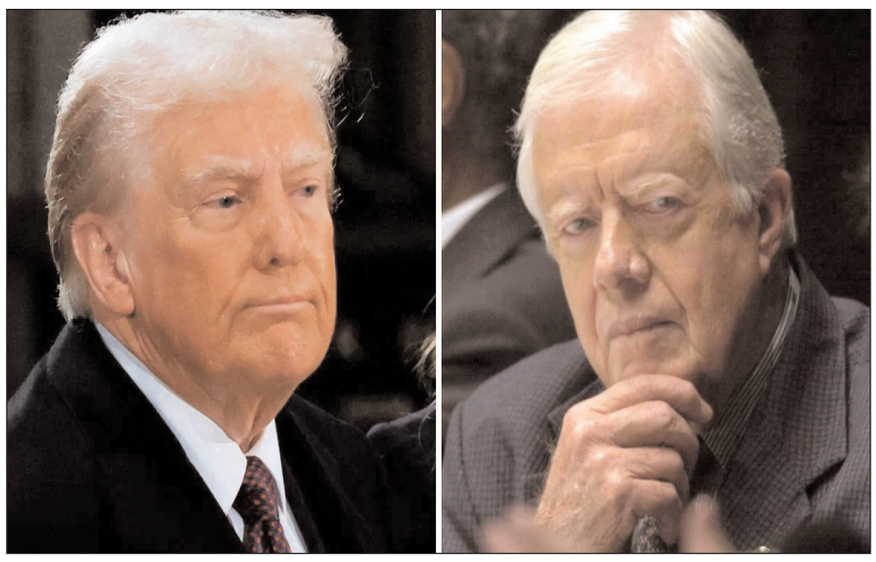

उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए ईरान को 12 घंटे का अल्टीमेटम दिया, जो किसी आधिकारिक सैन्य योजना का हिस्सा नहीं था। वे कभी नागरिक ढांचे (जैसे बिजली संयंत्र) पर हमले की धमकी देते हैं, तो कभी अचानक दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा कर देते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, उनके चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स और अन्य अधिकारियों ने उन्हें तय स्क्रिप्ट के अनुसार बोलने की सलाह दी, ताकि जनता को भरोसा दिलाया जा सके कि एक ठोस योजना मौजूद है, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं रहा।

राजनीतिक और वैश्विक दबाव

ट्रम्प की आंतरिक चिंता बाहरी दबावों से और बढ़ गई है। वे त्वरित समझौता करने में असफल रहे हैं और यूरोपीय सहयोगियों के समर्थन न देने पर उन्होंने नाराजगी भी जताई है।

ईंधन की कीमतें 4 डॉलर प्रति गैलन से अधिक होने के कारण उनके सहयोगियों को चिंता है कि यह युद्ध 'अमेरिका फर्स्ट' आर्थिक स्थिरता को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसने 2024 में उनकी जीत में भूमिका निभाई थी।

उनके आक्रामक बयानों के चलते पोप लियो ङ्कढ्ढङ्क के साथ सार्वजनिक विवाद भी हुआ, जिन्होंने शांति की अपील की और धर्म के नाम पर युद्ध को उचित ठहराने की आलोचना की। इससे उनके कैथोलिक समर्थकों का एक वर्ग भी नाराज हुआ।

1979 का ईरान संकट क्या था?

1979 का ईरान बंधक संकट 444 दिनों तक चला एक कूटनीतिक टकराव था, जिसकी शुरुआत तब हुई जब ईरानी छात्रों ने तेहरान स्थित अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर 66 अमेरिकियों को बंधक बना लिया।

यह संकट राष्ट्रपति जिमी कार्टर के कार्यकाल के लिए एक निर्णायक और नुकसानदायक घटना साबित हुआ और 1980 के चुनाव में उनकी हार का बड़ा कारण बना।

1979 में क्या हुआ था?

1979 की शुरुआत में ईरान के पश्चिम समर्थक शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी को आयतुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के नेतृत्व में इस्लामी क्रांति ने सत्ता से हटा दिया।

अक्टूबर 1979 में तनाव तब बढ़ गया, जब राष्ट्रपति कार्टर ने बीमार और निर्वासित शाह को इलाज के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी।

4 नवंबर 1979 को उग्र छात्रों ने अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर लिया और शाह को ईरान वापस लाने की मांग की। बाद में कुछ बंधकों को रिहा कर दिया गया, लेकिन 52 लोग लंबे समय तक कैद में रहे।

जनवरी 1980 में छह अमेरिकी राजनयिकों को कनाडा और सीआईए की मदद से गुप्त रूप से बाहर निकाला गया।

24 अप्रैल 1980 को कार्टर ने 'ऑपरेशन ईगल क्लॉ' नाम से बचाव मिशन शुरू किया, जो असफल रहा और एक दुर्घटना में आठ अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई।

1980 के अंत में अल्जीरिया की मध्यस्थता से समझौता हुआ, जिसके तहत ईरानी संपत्तियों को अनफ्रीज करने के बदले बंधकों की रिहाई पर सहमति बनी।

20 जनवरी 1981 को रोनाल्ड रीगन के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के तुरंत बाद बचे हुए 52 बंधकों को रिहा किया गया।

इस संकट का प्रभाव

इस संकट ने कार्टर प्रशासन को कमजोर दिखाया और मीडिया कवरेज ने इसे लगातार सुर्खियों में बनाए रखा।

विश्व लिवर दिवसः क्या ज्यादा दर्द निवारक और सप्लीमेंट लेने से लिवर को नुकसान हो सकता है?

आज के समय में लोग तुरंत राहत पाने के लिए पेनकिलर, इम्यूनिटी सप्लीमेंट और हर्बल उत्पादों का सहारा लेते हैं। ये चीजें सुरक्षित लगती हैं, लेकिन बिना नियंत्रण और लंबे समय तक इस्तेमाल करने से शरीर के महत्वपूर्ण अंग लिवर पर छिपा हुआ नुकसान हो सकता है।

विश्व लिवर दिवस के अवसर पर डॉ. सोनल अस्थाना, लीड कंसल्टेंट - एचपीबी और लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी, Aster RV Hospital ने बताया कि दवाओं से होने वाला लिवर डैमेज अब एक बढ़ती हुई समस्या बन चुका है, जो स्वस्थ लोगों को भी प्रभावित कर रहा है और अक्सर शुरुआती चरण में नजर नहीं आता।

लिवर शरीर में प्रवेश करने वाले सभी पदार्थों—चाहे वे दवाएं हों या सप्लीमेंट—को प्रोसेस करता है। यह विषैले तत्वों को हटाकर उन्हें सुरक्षित रूप में बदलता है। लेकिन जब लोग जरूरत से ज्यादा दवाएं या सप्लीमेंट लेने लगते हैं, तो लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और उसकी डिटॉक्स क्षमता प्रभावित हो सकती है।

पैरासिटामोल दुनिया भर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली दवाओं में से एक है। निर्धारित मात्रा में लेने पर यह सुरक्षित है, लेकिन अधिक मात्रा या लंबे समय तक उपयोग से लिवर को गंभीर नुकसान हो सकता है। पैरासिटामोल का ओवरडोज़ दुनिया में तीव्र लिवर फेल्योर के प्रमुख कारणों में शामिल है।

खतरा तब और बढ़ जाता है जब लोग अनजाने में एक जैसी सामग्री वाली कई दवाएं एक साथ लेते हैं या शराब के साथ इनका सेवन करते हैं। इसके अलावा, सप्लीमेंट्स को लेकर भी सावधानी जरूरी है। कई लोग 'नेचुरल' या हर्बल उत्पादों को पूरी तरह सुरक्षित मानते हैं, जबकि इन पर सख्त नियंत्रण नहीं होता और इनमें ऐसे तत्व हो सकते हैं जो लिवर को नुकसान पहुंचाते हैं।

वजन घटाने वाले उत्पाद, बॉडीबिल्डिंग

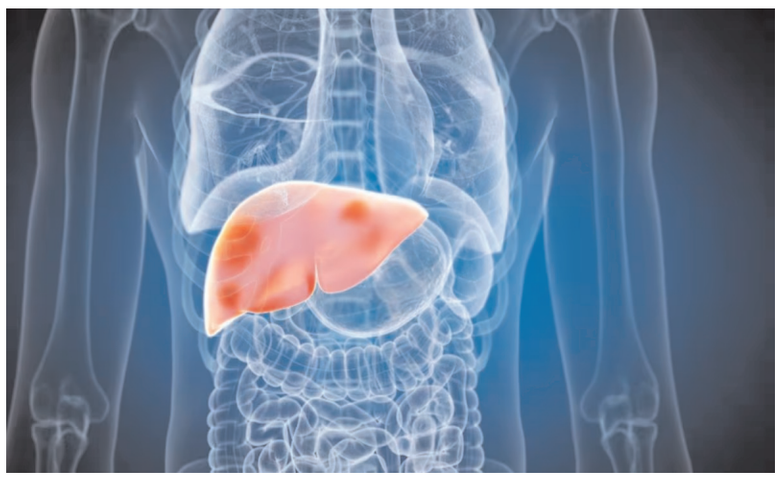

सप्लीमेंट और कुछ पारंपरिक हर्बल फॉर्मूलेशन में ऐसे घटक पाए जा सकते हैं जो लिवर टॉक्सिसिटी का कारण बनते हैं। कुछ उत्पादों में भारी धातु या छिपे हुए रसायन भी मिल सकते हैं, जो जोखिम बढ़ाते हैं।

स्व-चिकित्सा (Self-medication) भी एक बड़ी समस्या है। लोग हल्के दर्द, थकान या अन्य सामान्य समस्याओं के लिए बिना डॉक्टर की सलाह के लगातार दवाएं और सप्लीमेंट लेते रहते हैं, जिससे लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

लिवर डैमेज के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य होते हैं, जैसे थकान, मितली, भूख में कमी और हल्का पेट दर्द। गंभीर स्थिति में पीलिया, गहरे रंग का पेशाब और पेट में सूजन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है।

अच्छी बात यह है कि दवाओं से होने वाले अधिकांश लिवर नुकसान से बचा जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि लोग दवाओं का उपयोग जिम्मेदारी से करें और निर्धारित मात्रा का पालन करें। बिना डॉक्टर की सलाह के दवाओं का संयोजन नहीं करना चाहिए।

उत्पाद के लेबल को ध्यान से पढ़ना चाहिए ताकि उसमें मौजूद सक्रिय तत्वों—जैसे पैरासिटामोल—की जानकारी मिल सके। ज्यादा सप्लीमेंट लेना बेहतर परिणाम नहीं देता, बल्कि नुकसान बढ़ा सकता है। किसी भी सप्लीमेंट को शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है, खासकर उन लोगों के लिए जो पहले से दवाएं ले रहे हैं।

नियमित स्वास्थ्य जांच भी महत्वपूर्ण है। लिवर फंक्शन टेस्ट के जरिए शुरुआती स्तर पर ही समस्याओं का पता लगाया जा सकता है। जो लोग नियमित रूप से दवाएं या सप्लीमेंट लेते हैं, उनके लिए यह और भी जरूरी है।

दर्द निवारक और सप्लीमेंट स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन उनका सही तरीके से उपयोग करना आवश्यक है। लिवर में खुद को ठीक करने की क्षमता होती है, लेकिन यह संवेदनशील भी है।

इसलिए सही जीवनशैली, जागरूकता और जिम्मेदार उपयोग के जरिए ही लिवर को स्वस्थ रखा जा सकता है।

क्या वेपिंग से मुंह के कैंसर का खतरा बढ़ता है? विशेषज्ञ क्या चेतावनी दे रहे हैं

ओरल कैंसर उन बीमारियों में से एक है, जिसका पता अधिकतर मरीजों में देर से चलता है, जबकि यह अक्सर शुरुआती चरण में ही शुरू हो जाता है। यह चुपचाप शुरू होता है—कभी छोटे छाले के रूप में, कभी लगातार बने रहने वाले पैच के रूप में, या मुंह के अंदर हल्के बदलाव के रूप में।

'परंपरागत रूप से हम ओरल कैंसर को तंबाकू और शराब से जोड़ते रहे हैं,' चेन्नई के ग्लेनईगल्स फोर्टिस अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट (हेड एंड नेक ऑन्कोसर्जन) डॉ. शुभ्रा चौहान अरामनाई कहती हैं। 'लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वेपिंग एक बढ़ती चिंता के रूप में सामने आई है।'

जब कोई व्यक्ति वेपिंग करता है, तो वह जो एरोसोल अंदर लेता और बाहर छोड़ता है, वह सीधे मुंह की गुहा से होकर गुजरता है। इसका मतलब है कि होंठ, जीभ, मसूड़े और गालों की अंदरूनी सतह सबसे पहले इसके संपर्क में आते हैं।

'कई लोग इसे केवल हानिरहित भाप मानते हैं, लेकिन इसमें निकोटिन, रासायनिक फ्लेवर, भारी धातुएं और अन्य ऐसे पदार्थ होते हैं जो ऊतकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कैंसरकारी भी हो सकते हैं,' डॉ. अरामनाई बताती हैं।

शोध से संकेत मिलता है कि वेपिंग के संपर्क में आने से मुंह में सूजन, अत्यधिक सूखापन और मुंह की अंदरूनी परत की कोशिकाओं में बदलाव हो सकते हैं। ये बदलाव भले ही मामूली लगें, लेकिन अक्सर बीमारी के विकास के शुरुआती कदम होते हैं, जिनमें कैंसर भी शामिल है।

'ऐसा इसलिए भी है क्योंकि वेपिंग अभी अपेक्षाकृत नई है और कैंसर विकसित होने में वर्षों लगते हैं,' डॉ. अरामनाई कहती हैं। 'लेकिन चिकित्सा केवल सबूत का इंतजार करने के बारे में नहीं है, बल्कि शुरुआती चेतावनी संकेतों को पहचानने के बारे में भी है। वेपिंग के मामले में हम शुरुआती चरण में हैं, लेकिन जो संकेत दिख रहे हैं उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।'

एक और चिंताजनक पैटर्न 'डुअल यूज' का बढ़ना है।

'कई लोग जो वेपिंग करते हैं, उन्होंने धूम्रपान पूरी तरह छोड़ा नहीं है—वे दोनों करते हैं,' डॉ. अरामनाई कहती हैं। 'यह दोहरी आदत मुंह को और अधिक हानिकारक पदार्थों के संपर्क में ला सकती है, जिससे कुल जोखिम कम होने के बजाय बढ़ सकता है। 'जो लोग बार-बार वेपिंग करते हैं, वे अक्सर मुंह सूखना, मसूड़ों में संवेदनशीलता और बार-बार जलन जैसे लक्षण बताते हैं। कुछ लोगों को यह भी लगता है कि छोटे घाव भरने में अधिक समय लग रहा है।

'ये समस्याएं मामूली लग सकती हैं,' डॉ. अरामनाई कहती हैं, 'लेकिन समय के साथ ये मुंह में अस्वस्थ वातावरण बना सकती हैं।' कुल मिलाकर संदेश स्पष्ट है।

'वेपिंग को हानिरहित नहीं माना जा सकता,' डॉ. अरामनाई कहती हैं। 'कुछ स्थितियों में यह पारंपरिक धूम्रपान से कम हानिकारक हो सकती है, लेकिन 'कम हानिकारक' का मतलब सुरक्षित नहीं होता। जो लोग कभी धूम्रपान नहीं करते, उनके लिए वेपिंग शुरू करना अनावश्यक जोखिम है।

न्यूयॉर्क के कब्रिस्तान में जमीन से निकलीं 55 लाख मधुमक्खियां, वैज्ञानिकों ने बताया प्राकृतिक घटना

न्यूयॉर्क के इथाका स्थित ईस्ट लॉन कब्रिस्तान में हर साल वसंत ऋतु के दौरान जमीन से बड़ी संख्या में मधुमक्खियों के बाहर निकलने की घटना सामने आती है। पहली नजर में यह असामान्य लग सकता है, लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया है कि इस क्षेत्र की मिट्टी के नीचे लगभग 55 लाख मधुमक्खियां रहती हैं। ये मधुमक्खियां Andrena regularis प्रजाति की हैं, जिन्हें आमतौर पर माइनिंग बी (भूमिगत मधुमक्खी) कहा जाता है। यह प्रजाति पेड़ों या इमारतों पर छत्ता बनाने के बजाय जमीन के भीतर सुरंग बनाकर रहती है।

इस बड़े बसेरे की खोज संयोगवश हुई। एक शोधकर्ता ने कब्रिस्तान के पास बड़ी संख्या में मधुमक्खियों को जमीन से निकलते देखा, जिसके बाद वैज्ञानिकों ने 2023 में यहां विस्तृत अध्ययन शुरू किया। सर्वेक्षण के दौरान विशेष जाल लगाए गए, जिनसे पता चला कि प्रति वर्ग मीटर औसतन 853 मधुमक्खियां मौजूद हैं। पूरे क्षेत्र का आकलन करने पर इनकी संख्या करीब 55.6 लाख पाई गई।

वैज्ञानिकों का कहना है कि ये मधुमक्खियां आम तौर पर आक्रामक नहीं होतीं। इन्हें 'सॉलिटरी बी' कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक मादा मधुमक्खी जमीन के भीतर अलग-

अलग सुरंग बनाकर रहती है। ये अप्रैल के आसपास बाहर निकलती हैं, फूलों से पराग और रस एकत्र करती हैं तथा प्रजनन करती हैं।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि यह प्रजाति सर्दियों का समय वयस्क अवस्था में जमीन के भीतर बिताती है, जो अपेक्षाकृत दुर्लभ व्यवहार माना जाता है।

इसके अलावा, इस क्षेत्र में 16 अन्य कीट प्रजातियां भी पाई गईं, जिनमें 'Nomada imbricata' नामक कुक्कू बी शामिल है, जो अन्य मधुमक्खियों के घोंसलों पर निर्भर रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार कब्रिस्तान जैसे स्थान इन जीवों के लिए उपयुक्त होते हैं, क्योंकि वहां मानव हस्तक्षेप कम होता है, मिट्टी स्थिर रहती है और कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाता।

इन मधुमक्खियों की भूमिका कृषि के लिए भी महत्वपूर्ण है। ये सेब और ब्लूबेरी जैसी फसलों के परागण में मदद करती हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे प्राकृतिक आवासों का संरक्षण आवश्यक है, क्योंकि इनके नष्ट होने से परागण करने वाले कीटों की संख्या पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

एलपीजी से सस्ता, केरोसीन से ज्यादा साफः क्या 'सुपरब्लू' एथेनॉल फ्लेम भारत की फूड इकॉनमी को नई रफ्तार दे सकता है?

पश्चिम एशिया में जारी संकट और उसके वैश्विक एलपीजी आपूर्ति पर असर के बीच, भारत सरकार ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं। शुक्रवार को सूत्रों ने बताया कि एक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय समिति वाणिज्यिक उपयोग के लिए वैकल्पिक ईंधन के रूप में एथेनॉल के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल पर विचार कर रही है। भारत की एथेनॉल उत्पादन क्षमता अब 2,000 करोड़ लीटर से अधिक हो चुकी है, और ऐसे में इसे वाहनों से हटाकर खाना पकाने में इस्तेमाल करने को स्ट्रीट वेंडर्स, छोटे रेस्टोरेंट और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए गेम-

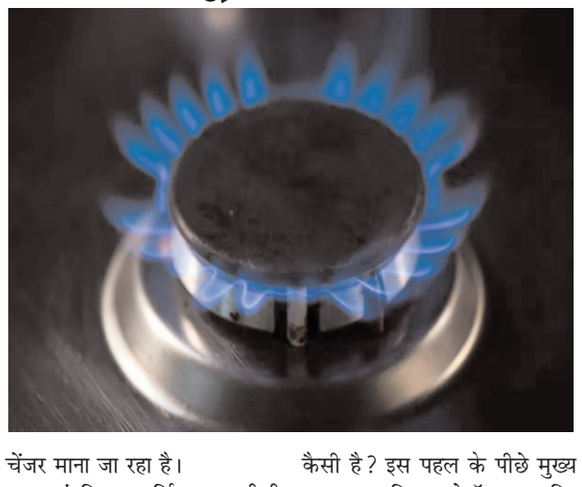

चेंजर माना जा रहा है।

पारंपरिक कमर्शियल एलपीजी की तुलना में एथेनॉल की दक्षता कैसी है? इस पहल के पीछे मुख्य वजह आधुनिक एथेनॉल आधारित 'सुपरब्लू' बर्नर की उच्च दक्षता है। तकनीकी आकलन बताते हैं कि सिर्फ एक लीटर एथेनॉल से लगभग 15 घंटे तक तेज आंच मिल सकती है। इसके विपरीत, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के लिए भारी और दबावयुक्त लॉजिस्टिक व्यवस्था की जरूरत होती है, जबकि एथेनॉल एक तरल ईंधन है जिसे साधारण, बिना दबाव वाले कंटेनरों में रखा जा सकता है। इसकी लंबी बर्निंग अवधि छोटे विक्रेताओं को एक ही कंटेनर से कई दिनों तक काम करने की सुविधा देती है, जिससे ईंधन ढुलाई का बोझ काफी कम हो जाता है। इसके अलावा, एथेनॉल साफ, नीली और बिना गंध वाली लौ के साथ जलता है। इसकी ऊष्मा क्षमता एलपीजी के बराबर है, लेकिन कालिख (सूट) कम पैदा करता है। छोटे स्थानों पर काम करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स या छोटे रेस्टोरेंट्स के लिए यह बदलाव न केवल लागत घटाता है, बल्कि कार्यस्थल का माहौल भी बेहतर बनाता है, क्योंकि केरोसीन या पारंपरिक बायोमास से निकलने वाले हानिकारक कणों से मुक्ति मिलती है।

क्या एथेनॉल से स्ट्रीट वेंडर्स की लागत सच में कम होगी?

भारत में करीब एक करोड़ माइक्रो-फूड उद्यमों के लिए ईंधन, कच्चे माल के बाद दूसरा सबसे बड़ा खर्च होता है।

अभिषेक पाठक और शिवालिका ओबेरॉय के घर आई नन्ही परी, पहली बार बने माता-पिता

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर अभिषेक पाठक और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की। इस कपल ने बेबी गर्ल का स्वागत किया है। पहली बार माता-पिता बनने की खुशी को कपल ने अपने फैंस के साथ साझा किया। जिसके बाद से बधाइयों की झड़ी लग गई।

बेटी के जन्म की खुशी को अभिषेक और शिवालिका ने एक साथ सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। उन्होंने लिखा, ''एक ही पल में हमारी जिंदगी का मतलब बदल गया है और अब हमारा दिल एक नए प्यार से भर गया है। बहुत सारे प्यार और आभार के साथ, हम अपनी प्यारी बच्ची का स्वागत करते हैं।

इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''19 अप्रैल 2026... हमारी छोटी देवी 'लक्ष्मी' एक शुभ दिन पर आई है। यह हमारे जीवन का सबसे खूबसूरत आशीर्वाद है।

इस खास मौके पर कई सेलिब्रिटीज ने भी कपल को शुभकामनाएं दीं। एक्ट्रेस इशिता दत्ता ने कमेंट करते हुए उन्हें बधाई दी और प्यार भरे इमोजी साझा किए। वहीं आहना कुमरा ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कपल को इस नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा, कई फैंस और फिल्मी सितारों ने कमेंट सेक्शन में बधाइयां भेजी।

बता दें कि इस कपल ने दिसंबर 2025 में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट करते हुए उन्होंने कई तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें से एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे को गले लगाए नजर आए थे और शिवालिका ने छोटे-छोटे बेबी सॉक्स हाथ में पकड़े हुए थे। वहीं दूसरी तस्वीर में दोनों क्रिसमस ट्री के सामने खड़े थे और एक ऑर्नामेंट पकड़ा हुआ था, जिस पर लिखा था कि उनका बच्चा 2026 में आने वाला है।

अभिषेक और शिवालिका की लव स्टोरी की बात करें तो, दोनों की मुलाकात फिल्म 'खुदा हाफिज' के सेट पर हुई थी, जिसमें विद्युत जामवाल मुख्य भूमिका में थे। काम के दौरान दोनों करीब आए और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया।

इसके बाद दोनों ने जुलाई 2022 में सगाई की और फरवरी 2023 में शादी के बंधन में बंध गए। उनकी शादी गोवा में हुई थी, जिसमें परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। इस खास मौके पर बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता अजय देवगन भी मौजूद थे।

शांत स्वभाव और एकाग्र व्यक्तित्व : फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 विजेता साध्वी सैल को है रचनात्मकता से प्यार

भुवनेश्वर। केआईआईटी भुवनेश्वर ने रजनीगंधा पर्ल्स के सह-प्रायोजन से 61वें फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया गया, जहां गोवा की साध्वी सैल ने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का खिताब अपने नाम किया।

शो की फर्स्ट रनर-अप महाराष्ट्र की राजनंदिनी रही, जबकि सेकंड रनर-अप जम्मू-कश्मीर की अद्वैता रही। आयोजन में देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाली प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें ताज साध्वी सैल के सिर सजा।

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का खिताब जीतने वाली साध्वी सैल एक सहज लेकिन चुनौतियों के साथ आगे बढ़ने वाली शख्सियत हैं। साध्वी सैल को बचपन से ही क्रिएटिविटी से प्यार रहा और जब भी उन्हें मौका मिला, तब उन्होंने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति से सभी का दिल जीत लिया। साध्वी बहुत शांत स्वभाव की भी हैं और हमेशा एकाग्रता को महत्व देती हैं। यही कारण है कि उनकी ये विशेषता उन्हें बाकी प्रतियोगियों से अलग बनाती है। साध्वी का बचपन गोवा के किनारे शांत इलाके में बीता, लेकिन अपने करियर को बनाने के लिए मुंबई का रुख किया।

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 की फर्स्ट रनर-अप महाराष्ट्र की रहने वाली राजनांदिनी पवार हैं, जिन्होंने अपने जीवन को हमेशा आशावादी तरीके से जिया है। राजनंदिनी अपने नाम की तरह ही अपनी संस्कृति और परिवार से गहराई से जुड़ी हुई हैं। अपेक्षाओं और दिखावे से भरी दुनिया में, वह मानती है कि प्रामाणिकता सबसे बड़ी शक्ति है, और वह साहस, शालीनता और विकास की अटूट इच्छाशक्ति के साथ अपने वास्तविक रूप को अपनाती है और उसी के साथ खुद को दुनिया के सामने री-प्रेजेंट भी करती है।

वहीं सेकंड रनर-अप जम्मू-कश्मीर की अद्वैता रही, जिनका शुरुआती जीवन भले ही जम्मू-कश्मीर में बीता लेकिन वह मूल रूप से तमिल-तेलुगु से जुड़ी हैं। 24 साल की अद्वैता पेशे से डॉक्टर, डांसर और मॉडल हैं।

महिला आरक्षण संशोधन बिल पास न होने से नाराज रूपाली गांगुली बोलीं, हम माफी नहीं देते जल्दी

मुंबई। महिला आरक्षण संशोधन बिल सदन में पास नहीं हो पाया, क्योंकि बिल को पास करने के लिए दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता था। बिल को पास होने के लिए कम से कम 352 वोटों की जरूरत थी, लेकिन बिल के समर्थन में 298 वोट मिले। बिल पास न होने के बाद से विपक्ष लगातार विरोध का सामना कर रहा है। इसी कड़ी में टीवी अभिनेत्री और भाजपा कार्यकर्ता रूपाली गांगुली ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि जिस देश में नारी को मां भवानी का दर्जा दिया जाता है, वहां नारी अपने ही अधिकारों से वंचित है। टीवी की 'अनुपमा' ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो महिला आरक्षण संशोधन बिल पास न होने का दुख जता रही हैं और सदियों से महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के बारे में खुलकर बात कर रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि हमेशा से महिलाओं को सीमित रखने की कोशिश होती रही है और सदन में भी यही हुआ।

वीडियो में एक्ट्रेस कहती हैं, बहुत भारी मन से कहना पड़ रहा है कि जिस देश में मां भगवती की पूजा होती है, वहां नारी के पास अधिकार नहीं है। बीते कई दशकों से महिलाएं अपने अधिकारों से वंचित हैं और आगे कब तक रहेंगी, पता नहीं। क्या था उस बिल में, सिर्फ यही न कि महिलाओं की भागीदारी संसद में बढ़ेगी, उनके लिए सीटें आरक्षित होंगी। कितने वर्षों से सिर्फ वादे किए जा रहे हैं, लेकिन काम नहीं।

रूपाली गांगुली ने आगे कहा, 'विपक्ष नहीं चाहता था कि महिलाएं सदन में आएं और देश को आगे ले जाने में मदद करें। कुछ चंद लोगों के वोट न देने से महिलाओं के फिर उनका अधिकार नहीं मिला।'

अभिनेत्री ने अपने सीरियल अनुपमा का जिक्र भी किया। उन्होंने लिखा, 'अनुपमा ने अपनी जिंदगी में बहुत बार सुना 'तुम सिर्फ घर संभालो' और संसद में भी 70 करोड़ औरतों को यहीं सुनाया गया। हम भूलते नहीं, हम माफी नहीं देते जल्दी और हम वोट करना भी जानते हैं।' रूपाली गांगुली के पोस्ट को यूजर्स भी सपोर्ट कर रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि कुछ वोटों की कमी के वजह से 30 साल का इंतजार और अधिक बढ़ गया है।

सलमान खान के सामने डांस करने में घबराए वरुण धवन, 'व्याह करवा दो जी' का बीटीएस वीडियो किया साझा

मुंबई। बॉलीवुड में डांस और मनोरंजन का जब भी जिक्र होता है, तो कुछ नाम अपने आप सामने आ जाते हैं। ऐसे ही कलाकारों में वरुण धवन भी शामिल हैं, जो जबरदस्त एनर्जी और डांस स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक ऐसी बात कही, जिसने फैंस को थोड़ा चौंका दिया। वरुण ने बताया कि वह खुद को डांस में मजबूत मानते हैं, फिर भी एक कलाकार के सामने उन्हें घबराहट होती है, जिनका नाम है सलमान खान।

यह जानकारी उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के एक गाने की शूटिंग से जुड़ी पोस्ट में किया है।

दरअसल, वरुण धवन ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें गाने 'व्याह करवा दो जी' की शूटिंग की बीटीएस झलक दिखाई गई है। इस वीडियो में सेट का माहौल, रिहर्सल के पल और कलाकारों के बीच की मस्ती साफ देखने को मिल रही है।

वीडियो में वरुण अपना डांस शॉट देते हैं। जैसे ही वह अपना शॉट खत्म करते हैं, सलमान खान मजाकिया अंदाज में कहते हैं, 'यह रिहर्सल है? तो फिर ठीक है।' उनकी यह बात सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगते हैं।

इस पोस्ट के साथ वरुण ने कैप्शन में मजाक करते हुए लिखा, ''भारत के सबसे बड़े कुंवारे के साथ डांस करते समय मुझे हमेशा घबराहट होती है।

इस गाने की बात करें तो 'व्याह करवा दो जी' में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर भी नजर आ रही हैं। गाने को मीका सिंह और असीस कौर ने गाया है, जबकि इसके बोल वायु ने लिखे हैं। यह गाना शादी के माहौल पर आधारित है।

गाने को लेकर मीका सिंह ने कहा, ''यह एक ऐसा गाना है, जो शादी के हर फंक्शन में जान डाल सकता है। इसमें देसी अंदाज और जबरदस्त जोश है, जो लोगों को झूमने पर मजबूर कर देगा।

असीस कौर ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'शादी के गाने गाना किसी भी सिंगर के लिए खास अनुभव होता है, क्योंकि ऐसे गाने लोगों की जिंदगी के सबसे खुशी से भरे पलों का हिस्सा बन जाते हैं।

फिल्म की बात करें तो इसका निर्देशन डेविड धवन कर रहे हैं, जो कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में कई बड़े कलाकार नजर आएंगे, जिनमें मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी और अली असगर शामिल हैं। फिल्म को टिप्स फिल्म्स और मैक्सिमिलियन फिल्म्स मिलकर बना रहे हैं। 'है जवानी तो इश्क होना है' 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दो दिन में हॉफ सेंचुरी से चूकी अक्षय कुमार की 'भूत बंगला', वीकेंड पर बढ़ सकता है कलेक्शन

मुंबई। अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म भूत बंगला ने 2026 की शुरुआत एक हाई-प्रोफाइल हॉरर कॉमेडी के साथ की है।

फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। फिल्म के प्रेड-प्रीव्यू के वजह से फिल्म के कलेक्शन में अच्छा उछाल भी देखा गया और अब तक फिल्म बीते दो दिनों में 47 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। 'धुरंधर: द रिवेंज' की आंधी में भूत बंगला अच्छा कलेक्शन करने में कामयाब हो रही है। फिल्म ने पहले दिन 21.60 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया, जबकि दूसरे दिन फिल्म ने 25.65 करोड़ रुपए का कलेक्शन भी किया है। कुल मिलाकर फिल्म ने बीते दो दिनों में 47.25 करोड़ का कलेक्शन पूरा कर लिया है, हालांकि माना जा रहा है कि पहले वीकेंड पर फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म संडे को तकरीबन 20-22 करोड़ के बीच का शानदार कलेक्शन कर सकती है। अक्षय कुमार की भूत-बंगला कई मायनों में खास है क्योंकि फिल्म में लंबे समय बाद अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी ने स्क्रीन पर वापसी की है। इस जोड़ी ने पर्दे पर कई कॉमेडी फिल्में साथ ही हैं, जिसे देखने के बाद दर्शक आज भी वैसी कॉमेडी फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं। दोनों ने आखिरी बार साल 2010 में खट्टा मीठा नाम की फिल्म में भी काम किया था।

इसके अलावा फिल्म में तब्बू भी हैं। तब्बू और अक्षय कुमार ने आखिरी बार फिल्म हेरा-फेरी में साथ काम किया था लेकिन उसके बाद दोनों कभी एक साथ नजर नहीं आए। भूत-बंगला में कॉमेडी के किंग असरानी ने भी अपनी कॉमेडी से फैंस को पेट-पकड़कर हंसने को मजबूर कर दिया।

हिजबुल्ला की चेतावनी : इजरायली उल्लंघन का मिलेगा करारा जवाब, लेबनान सरकार के साथ नई शुरुआत की तैयारी

बेरुत। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा कि इजरायल के साथ संघर्ष-विराम का मतलब पूरी तरह से हमले बंद होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इजरायल दक्षिणी लेबनान में किसी तरह का उल्लंघन करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा।

कासिम ने अपने बयान में कहा कि एकतरफा संघर्षविराम नहीं हो सकता। उन्होंने साफ किया कि अगर आक्रामक कार्रवाई जारी रहती है, तो हिजबुल्लाह के लड़ाके उसी हिसाब से जवाब देंगे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पांच अहम शर्तें भी रखीं। इनमें पूरे लेबनान में स्थायी रूप से लड़ाई बंद करना, इजरायली सेना की पूरी वापसी, बंदियों की रिहाई, विस्थापित लोगों को वापस बसाना और अरब तथा अंतरराष्ट्रीय मदद से पुनर्निर्माण शामिल है। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह हार नहीं मानने वाला है और वह लेबनान की आजादी और संप्रभुता के लिए आगे भी प्रयास करता रहेगा। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह लेबनानी सरकार के साथ सहयोग का 'एक नया अध्याय' शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और संप्रभुता की रक्षा के लिए सरकारी संस्थानों के साथ काम करने पर जोर दिया।इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिन का संघर्ष विराम गुरुवार और शुक्रवार की आधी रात से लागू हुआ। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी घोषणा की थी। लेकिन इजरायली सेना ने शनिवार को बताया कि उसने 'येलो लाइन' के पास पहुंच रहे लड़ाकों पर हमला किया। यह इलाका दक्षिणी लेबनान में इजरायल द्वारा बनाए गए सुरक्षा क्षेत्र की उत्तरी सीमा माना जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों और एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र के अनुसार, इजरायली सेना ने शनिवार को दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में, कफरचौबा गांव के पास एक नया सैन्य ठिकाना बनाना भी शुरू कर दिया। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, इजरायली सेना के बुलडोजर और खुदाई मशीनें, एक टैंक की सुरक्षा में, वहां जमीन समतल करने का काम कर रही थी। इन गतिविधियों में जमीन को समतल करना, खुदाई करना और मिट्टी के टीले बनाना शामिल था; ये सभी संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि वहां एक नया सैन्य ठिकाना स्थापित किया जा रहा है, जो प्रशासनिक रूप से कफरचौबा से जुड़ा होगा।

भारतीय जहाजों पर फायरिंग के बाद बलूच नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर उठाए सवाल, क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर चिंता

नई दिल्ली। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों के ट्रांजिट को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। बीते दिन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की तरफ से भारत का झंडा लगे हुए दो जहाजों पर गोलीबारी की घटना सामने आने के बाद बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने ईरान की आलोचना की।

मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बलूचिस्तान रिपब्लिक उस फायरिंग की घटना की कड़ी निंदा करता है जिसमें ईरान की नेवी ने दो भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से पश्चिम की ओर धकेल दिया था। कमर्शियल शिपिंग, खासकर भारतीय झंडे वाले वीएलसीसी सुपरटैंकर के खिलाफ बल का इस्तेमाल एक खतरनाक बढ़ोतरी दिखाता है। यह इलाके की स्थिरता और जरूरी ग्लोबल ट्रेड रूट की सुरक्षा के लिए खतरा है। घटना के दौरान भारतीय झंडे वाला सुपरटैंकर लगभग 2 मिलियन बैरल इराकी तेल ले जा रहा था।'

बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता ने हाल ही में पाकिस्तान के जनरल असीम मुनीर के ईरान दौरे का जिक्र करते हुए कहा, 'यह घटना खास तौर पर चिंता की बात है क्योंकि यह घटना तेहरान से आसिम मुनीर के लौटने के कुछ ही समय बाद हुई। इस तरह की घटनाओं से समुद्री तनाव को बढ़ाने में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं, जबकि वह खुद को अमेरिका और ईरान के बीच शांति और सीजफायर के लिए एक मध्यस्थ के तौर पर पेश कर रहा है।' बीते दिन भारतीय झंडे वाले जहाजों पर हुई गोलीबारी के बाद भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहली को विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ बैठक के लिए बुलाया गया था। बैठक के दौरान, भारत ने घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की, हालांकि टैंकर और चालक दल सुरक्षित बताए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा शनिवार शाम जारी एक बयान में कहा गया है कि नई दिल्ली में स्थित ईरान के राजदूत को विदेश मंत्रालय ने विदेश सचिव के साथ बैठक के लिए बुलाया था। बैठक के दौरान विदेश सचिव ने होर्मुज में हुई इस घटना पर भारत की गहरी चिंता व्यक्त की। बयान में आगे कहा गया कि उन्होंने व्यापारिक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को भारत द्वारा दिए जाने वाले महत्व को रेखांकित किया और याद दिलाया कि ईरान ने पहले भी भारत आने वाले कई जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया था।

इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने अल-कादिर ट्रस्ट मामले में सजा सस्पेंड करने की मांग की, स्वास्थ्य का दिया हवाला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने स्वास्थ्य का हवाला देकर अल-कादिर ट्रस्ट मामले में सजा को सस्पेंड करने की मांग की है। पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने रविवार को बताया कि इस बारे में इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) में एक आवेदन जमा की गई है। इस हफ्ते रावलपिंडी के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में बुशरा बीबी की आंख की सर्जरी हुई थी।

जेल अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें सर्जरी के लिए एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ट्रांसफर किया गया था। अल शिफा आई हॉस्पिटल में रेटिना स्पेशलिस्ट डॉ. नदीम कुरैशी ने बुशरा बीबी की आंख की सर्जरी की।

हॉस्पिटल में एक रात ठहरने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया और अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल सलाह के अनुसार आगे की जांच की जाएगी।

आवेदन में आईएचसी से यह भी अनुरोध किया गया कि वह अल-शिफा ट्रस्ट आई हॉस्पिटल, रावलपिंडी के ऑप्थल्मोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रमुख, जेल सुपरिटेंडेंट और जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट को बुशरा बीबी पर की गई सर्जरी से जुड़े जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ बुलाए। इन दस्तावेजों में पूरा मेडिकल रिकॉर्ड, ऑपरेशन नोट्स, डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट हिस्ट्री शामिल हो। आवेदन में लिखा था, 'आवेदक को तुरंत अल-शिफा ट्रस्ट आई हॉस्पिटल, रावलपिंडी में शिफ्ट किया जाए, ताकि ऑपरेशन के बाद लगातार मेडिकल देखरेख में सही इलाज हो सके और संबंधित जेल अधिकारियों को निर्देश दिया जाए कि वे कानून और पहले के कानूनी निर्देशों के अनुसार आवेदक के वकील और परिवार के सदस्यों तक रेगुलर, सही और बिना किसी रुकावट के पहुंच सुनिश्चित करें।'

बुशरा बीबी के वकील, सलमान सफदर ने इमरान और बुशरा बीबी की सजा को सस्पेंड करने की मांग वाली अर्जी पर चीफ जस्टिस सरदार सरफराज डोगर की अगुवाई वाली आईएचसी की डिवीजन बेंच द्वारा 22 अप्रैल को फिर से शुरू की जाने वाली सुनवाई के बीच उनकी सेहत की स्थिति बताने के लिए एक एप्लीकेशन दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बुशरा बीबी को सात साल की सजा सुनाई गई है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि बुशरा बीबी को लंबे समय तक जेल में रखा गया, सजा सस्पेंड करने के उनके आवेदन पर फैसले में बार-बार देरी की गई, वकील से मिलने से लगातार मना किया गया और अब उनकी हालत गंभीर हो गई है, जिसके चलते उनका सर्जिकल प्रोसीजर किया गया।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले हफ्ते जर्मनी के दौरे पर जाएंगे, रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर होगी

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जर्मनी जाएंगे। रक्षा मंत्री इस दौरे पर दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी को और मजबूत करेंगे। इस दौरान वह अपने जर्मन समकक्ष बोरिस पिस्टोरियस और सरकार के दूसरे वरिष्ठ नेताओं से बातचीत करेंगे। रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत रक्षा उद्योग में सहयोग को बढ़ाने, मिलिट्री-टू-मिलिट्री एंगेजमेंट को मजबूत करने और साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन जैसे उभरते क्षेत्र में मौके तलाशने पर केंद्रित होगी।

दोनों मंत्रियों की मौजूदगी में एक डिफेंस इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन रोडमैप और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में प्रशिक्षण सहयोग से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्रालय ने एक रिलीज में कहा, 'इस दौरे से वर्तमान में चल रहे रक्षा सहयोग पहल की समीक्षा करने और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग के नए रास्ते पहचानने का मौका मिलेगा। राजनाथ सिंह इस दौरान जर्मन रक्षा उद्योग के खास प्रतिनिधियों से भी बातचीत कर सकते हैं, ताकि मेक-इन-इंडिया इनिशिएटिव के तहत संयुक्त विकास और उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके।'

14 अप्रैल को, भारत और जर्मनी ने बर्लिन में विदेश कार्यालय परामर्श किया और आज के समय के जरूरी क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने और उसमें विविधता लाने पर सहमत हुए। इसमें जरूरी और उभरती तकनीक, रक्षा, औद्योगिक सहयोग, डिजिटल गवर्नेंस, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, नवाचार और तीसरे देशों में विकास सहयोग शामिल हैं।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मीटिंग के दौरान, दोनों देशों के अधिकारियों ने आपसी संबंधों की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया और भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर विचार किया।

इससे पहले 2019 में भारत की तत्कालीन रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने जर्मनी का पिछला दौरा किया था। इसके बाद बोरिस पिस्टोरियस जून 2023 में भारत आए और राजनाथ सिंह से बातचीत की।

रक्षा मंत्रालय ने रिलीज में कहा, 'भारत और जर्मनी के बीच एक मजबूत और कई तरह की रणनीतिक साझेदारी है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के राज और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर के लिए एक जैसी प्रतिबद्धता पर आधारित है। हाल के सालों में रक्षा और सुरक्षा सहयोग इस साझेदारी का एक जरूरी स्तंभ बनकर उभरा है। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के संबंधों को और गहरा करना और क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, स्थिरता और खुशहाली में योगदान देना है।'

अमेरिकी प्रतिबंध के बाद क्यूबा में ईंधन संकट गहराया, स्पेन समेत कई देशों ने जताई चिंता

मैड्रिड। मैड्रिड, 19 अप्रैल (आईएएनएस)। जनवरी के आखिर में वॉशिंगटन द्वारा तेल की सप्लाई रोकने के बाद क्यूबा की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा है ईंधन के अभाव में इन तीन महीनों में वहां मानवीय स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। इस बीच ब्राजील, मैक्सिको और स्पेन की सरकारों ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्थिति को आसान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। स्पेन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को तीनों सरकारों ने संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जिससे लोगों के जीवन की स्थितियां और खराब हों या जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो। इसके साथ ही उन्होंने क्यूबा के लोगों की तकलीफों को कम करने के लिए एक समन्वित तरीके से अपनी मानवीय सहायता को बढ़ाने का भी संकल्प लिया।

अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया।

उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें।

देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा, 'सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है।'

दक्षिण कोरिया : अप्रैल क्रांति के 66 साल, राष्ट्रपति ली ने खाई लोकतंत्र बचाने की कसम

सोल। दक्षिण कोरिया रविवार को अप्रैल क्रांति की 66वीं वर्षगांठ मना रहा है, जो देश के प्रथम राष्ट्रपति री सिंग-मैन की नीतियों के खिलाफ एक जन क्रांति थी। 19 अप्रैल 1960 को आंदोलन सफल रहा और राष्ट्रपति को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। वर्तमान राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने इतिहास को याद करते हुए भविष्य में लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाए रखने की कसम खाई।

'19 अप्रैल क्रांति' की 66वीं सालगिरह पर दिए भाषण में, ली ने उस विद्रोह की तुलना पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल की 2024 में मार्शल लॉ की कोशिश से की। उन्होंने कहा कि उसी तरह आम लोगों की 'हुंकार' ने एक 'घमंडी और अन्यायपूर्ण शासन' को गिराने में मदद की। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी सोल में 19 अप्रैल के राष्ट्रीय समाधि स्थल में ली ने कहा, 'यह 19 अप्रैल के विद्रोह की भावना थी, जिसने क्रूर तानाशाही को खत्म किया और जो कोरिया गणराज्य के संविधान में निहित थी, और उसी भावना ने दक्षिण कोरिया को दिसंबर 2024 में विद्रोह की ठंडी रात से उबरने में मदद की।' ली ने लोकतंत्र की रक्षा करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, 'अगर हम इसकी रक्षा करेंगे तभी हम लोकतंत्र-विरोधी ताकतों को अपनी आजादी को फिर से छीनने और हमारे लोगों के अनमोल जीवन को रौंदने से रोक सकते हैं।'

चीनी जहाज भी होर्मुज से लौटा, ईरान ने कहा- मंजूरी के बगैर इजाजत नहीं

नई दिल्ली। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से चीनी जहाज को भी वापस लौटा दिया है। इजाजत नहीं मिली तो जहाज को अपना रास्ता बदलना पड़ा। मुंबई स्थित ईरान के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी।

बताया गया कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से चीनी जहाज को वापस लौटा दिया। बिना मंजूरी किसी भी जहाज को इस समुद्री रास्ते से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आगे लिखा कि 'सन प्रोफिट' नाम के चीनी जहाज को इजाजत नहीं मिलने के बाद रास्ता बदलना पड़ा। ईरान ने साफ किया कि वह किसी भी देश के जहाज को 'ब्लैंकेट अप्रूवल' (एक को अनुमति के आधार पर सभी को मंजूरी) नहीं देता। हर जहाज को अलग से मंजूरी लेनी होती है। शनिवार को ही भारत के दो जहाजों पर फायरिंग की खबर आई थी। इसका संज्ञान लेते हुए भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान भी जारी किया था। विदेश सचिव से ईरानी राजदूत को तलब किए जाने का इसमें जिक्र था और भारत की फिक्र से भी उन्हें अवगत कराया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर भारत की ईरानी राजदूत से हुई बात का जिक्र किया।

उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर दागीं कई बैलिस्टिक मिसाइलें, जापान और दक्षिण कोरिया अलर्ट

टोक्यो। पश्चिम एशिया में संकट के बीच उत्तर कोरिया ने रविवार को समुद्र की ओर कई ड्रुसाइलें रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी सिनपो इलाके से दागी गईं। इसके बाद जापान और दक्षिण कोरिया अलर्ट मोड में आ गए। उत्तर कोरिया ने एक महीने में चौथी बार बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किया है।

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया मिसाइल लॉन्च से संबंधित जानकारी साझा कर विश्लेषण कर रहे हैं और हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। पीएम साने ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज सुबह करीब 06:00 बजे (जापानी समयानुसार), उत्तर कोरिया से कई बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च की गईं। माना जा रहा है कि जो चीजें बैलिस्टिक मिसाइलें हो सकती हैं, वे जापान के ईईजेड के बाहर पहले ही गिर चुकी हैं और अभी, जापान, अमेरिका और दक्षिण कोरिया जानकारी का विश्लेषण करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।' उन्होंने बताया, 'सरकार के तौर पर लॉन्च के तुरंत बाद हमने जानकारी इकट्ठा करने के लिए प्रधानमंत्री ऑफिस के क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर में इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को बुलाया, जबकि मैंने संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों को जानकारी इकट्ठा करने और विश्लेषण करने, जनता को तुरंत और सही जानकारी देने, एयरक्राफ्ट, जहाजों वगैरह की सुरक्षा को पूरी तरह से सुनिश्चित करने और किसी भी इमरजेंसी के लिए पूरी तैयारी रखने का निर्देश दिया।'

पीएम ताकाइची ने कहा कि हियोशी कैबिनेट क्राइसिस मैनेजमेंट को नेशनल गवर्नेंस का जरूरी हिस्सा मानती है और हमारा इरादा इस तरह के मामलों सहित सभी क्राइसिस मैनेजमेंट मामलों के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करना है। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि ये लॉन्च रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी सिनपो इलाके से हुए। दक्षिण कोरिया ने अपनी निगरानी की स्थिति को मजबूत किया है और अमेरिका और जापान के साथ जानकारी का बारीकी से आदान-प्रदान कर रहा है। पिछले हफ्ते, उत्तर कोरिया ने कहा था कि किम जोंग उन ने देश के डिस्ट्रॉयर से मिसाइल टेस्ट का निरीक्षण किया। टेस्ट के बाद किम ने कहा कि उनकी सरकार अपनी न्यूक्लियर फोर्स के 'अनलिमिटेड एक्सपेंशन' पर फोकस कर रही है और देश की न्यूक्लियर अटैक और रैपिड-रिस्पॉन्स क्षमता को बेहतर बनाने के लिए नए टास्क जारी किए हैं।

टीएमसी हमेशा महिलाओं के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व की समर्थक रही है : ममता बनर्जी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की चीफ ममता बनर्जी ने लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक गिरने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के देश के नाम संबोधन को गुमराह करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस मामले को लेकर देश को गुमराह किया है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने ईमानदारी से इस मुद्दे को सुलझाने के बजाय देश को गुमराह करना चुना। मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि तृणमूल कांग्रेस हमेशा से महिलाओं के लिए उच्च राजनीतिक प्रतिनिधित्व की समर्थक रही है। संसद और राज्य विधानसभा दोनों में महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों का अनुपात हमारे यहां सबसे अधिक है। लोकसभा में हमारे 37.9 प्रतिशत निर्वाचित सदस्य महिलाएं हैं। राज्यसभा में हमने 46 प्रतिशत महिला सदस्यों को मनोनीत किया है। महिला आरक्षण का विरोध करने का सवाल ही नहीं उठता और न कभी उठा है। उन्होंने कहा कि हम मोदी सरकार द्वारा महिलाओं को ढाल बनाकर अपने निहित स्वार्थों को छिपाने के लिए किए जा रहे परिसीमन का घोर विरोध करते हैं। हम बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान में हेरफेर, देश का विभाजन और राजनीतिक सीमाओं में हेरफेर करके भाजपा शासित राज्यों को अधिक प्रतिनिधित्व देकर सत्ता हथियाने का घोर विरोध करते हैं। यह संघीय लोकतंत्र पर हमला है और हम इसे चुपचाप नहीं देखेंगे।

टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि अगर यह सरकार वाकई इस नेक काम को लेकर गंभीर थी, तो 28 सितंबर, 2023 को महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बाद लगभग तीन साल तक इंतजार क्यों किया? कई राज्यों में चुनाव होने के बावजूद इसे जल्दबाजी में क्यों पारित किया गया? और परिसीमन के साथ इसे क्यों जोड़ा गया? तृणमूल कांग्रेस दशकों से महिलाओं के लिए खड़ी रही है। हम आगे भी खड़े रहेंगे। लेकिन हम उस विषय पर उपदेश नहीं सुनेंगे जिसे सत्ताधारी दल न तो समझता है और न ही सम्मान करता है।

आधी आबादी के मन में विपक्ष को लेकर भारी आक्रोश है : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

सीएम योगी ने कहा कि जब पीएम मोदी ने वर्ष 2014 में देश की सत्ता अपने हाथों में ली थी, तब उन्होंने एक बात स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि देश में चार ही जातियां हैं: नारी, गरीब, युवा और किसान। उन्होंने कहा कि भारत को कमजोर करने की नीयत से जातिवाद के नाम पर खुद के परिवार का भरण-पोषण करके उन्होंने देश को लूटा है। उनके लिए यह (नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक) चुनौती थी।

सीएम योगी ने पीएम मोदी के नेतृत्व में कोई भी प्रोग्रेसिव कदम उठाया है, कांग्रेस और उसके जितने भी पार्टनर हैं, हमेशा विरोध करते रहे। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के मन में विपक्ष के इस नारी विरोधी आचरण के बारे में भारी आक्रोश है। वह आक्रोश समाजवादी पार्टी, राजद, टीएमसी, डीएमके और उन दलों का है जो इस पाप में भागीदार थे, उनके प्रति महिला का आक्रोश देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ओर से समाज और देश के हित में जो कदम उठाए गए हैं, उनके सामने कैसे बैरियर के रूप में और उन कदमों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए इंडी गठबंधन किस हद तक जाकर षड्यंत्र करता है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था, लेकिन जब महिला संगठनों और सामाजिक संगठनों ने इस बात की मांग की कि यह अधिनियम 2034 के बजाए 2029 में लागू हो, उनकी मांग के अनुसार पीएम मोदी ने सभी पक्षों से विचार-विमर्श करने के बाद केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम में आवश्यक संशोधन लेकर आई।

सीएम योगी ने कहा कि कुछ राज्यों ने इसके बारे में मांग उठाई थी कि ऐसा न हो कि इसके माध्यम से उनके हक को कम कर दिया जाए। पीएम मोदी ने 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करते वक्त तय किया था कि किसी का हक नहीं छीना जाएगा। 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए अतिरिक्त सीट लोकसभा और विधानसभा में बढ़ाएंगे।

झारखंड में संयुक्त असैनिक सेवा परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, पेपर लीक रोकने के लिए होटलों में की छापेमारी

दुमका। झारखंड में रविवार को होने वाली संयुक्त असैनिक सेवा परीक्षा (जेपीएससी) को लेकर राज्य सरकार और प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। पूर्व की प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं से सबक लेते हुए इस बार प्रशासन किसी भी चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहता। इसी कड़ी में दुमका के विभिन्न होटलों में प्रशासन ने शनिवार को औचक छापेमारी और सघन चेकिंग अभियान चलाया है।

परीक्षार्थियों की मेहनत पर पानी न फिरे, इसके लिए दुमका जिला प्रशासन की एक विशेष टीम ने शहर के नामी-गिरामी होटलों में छापेमारी की। मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने होटल में ठहरे बाहरी व्यक्तियों की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान टीम ने होटलों के कमरों की तलाशी ली और वहां ठहरे लोगों के पहचान पत्रों और होटल के एंट्री रजिस्टर का मिलान किया। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा में गड़बड़ी फैलाने वाले किसी भी संदिग्ध तत्व या गिरोह पर शिकंजा कसना है। हालांकि इस सघन अभियान के दौरान शहर के किसी भी होटल से संदिग्ध व्यक्ति या आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई।

दुमका जिला के 19 परीक्षा केंद्रों में रविवार को झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता होगी। जेपीएससी की परीक्षा दो पाली में होगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर के 12 बजे तक होगी। वहीं, दूसरी पाली की परीक्षा 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर परिक्षेत्र में परीक्षा अवधि में किसी को जाने की अनुमति नहीं होगी। झारखंड में अक्सर परीक्षा से पूर्व पेपर लीक होने की अफवाहों और घटनाओं से ईमानदार परीक्षार्थियों के मनोबल पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में प्रशासन की इस चौकसी ने गड़बड़ी फैलाने वालों को कड़ा संदेश दा संदेश दिया है।

पश्चिम बंगाल में अभी नहीं तो कभी नहीं की लड़ाई है : नितिन नवीन

रायगंज। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने टीएमसी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में अभी नहीं तो कभी नहीं की लड़ाई है।

रायगंज में एक रोड शो के दौरान, आईएएनएस से बातचीत में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि बंगाल का नया साल शुरू हो गया है। उन्होंने बंगाल की जनता को बधाई देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों के जीवन में उत्साह की एक नई लहर आएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि 4 मई पश्चिम बंगाल के लिए एक नई सुबह और नई किरण का दिन साबित होगा।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए जो डरे हुए हैं, वे डरे ही रहेंगे क्योंकि हम पश्चिम बंगाल के लोगों को उनके अधिकार नहीं खोने देंगे। ये बांग्लादेशी घुसपैठिए चाहे वे टीएमसी में ही क्यों न हों, इस बात से डरे हुए हैं कि जब भाजपा सत्ता में आएगी, तो उन्हें देश और बंगाल से बाहर कर देगी।

लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के पारित न हो पाने पर नितिन नवीन ने कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद जिस तरह से महिलाओं के अधिकार छीने गए हैं। ममता बनर्जी ने जो किया है और टीएमसी सांसदों ने जो किया है, इस चुनाव में पश्चिम बंगाल की महिलाएं हमारी माताएं और बहनें उन्हें सत्ता से बेदखल कर देंगी। उन्होंने कहा कि मैं दीदी से कहना चाहूंगा कि जब इस राज्य की महिलाओं का अपमान हुआ, जब उनके साथ अत्याचार किए गए, तब आप उन्हें न्याय दिलाने के लिए अदालत के दरवाजे तक नहीं गईं। आपका प्रशासन गहरी नींद में सो रहा था। जब यहां की बेटियों को जलाया गया, तब आपने कोई चिंता नहीं जताई। लेकिन बांग्लादेश से आए घुसपैठियों के लिए आपने जरूर काला कोट पहना और दिल्ली तक गईं।

एलपीजी की कालाबाजारी रैकेट का भंडाफोड़, 57 सिलेंडर जब्त, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने कालाबाजारी गिरोह से जुड़े एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने रोहिणी से 57 एचपी गैस सिलेंडर और रिफिलिंग उपकरण बरामद किए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने इसे एक बड़ी सफलता बताया। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (एनआर-1) ने विशिष्ट और विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर दिल्ली के रोहिणी इलाके में कई स्थानों पर समन्वित छापेमारी की। इन छापों से एलपीजी सिलेंडरों के अनधिकृत भंडारण और रिफिलिंग से जुड़े एक बड़े पैमाने पर अवैध धंधे का पर्दाफाश हुआ।

अभियान के दौरान पुलिस ने 57 एचपी गैस सिलेंडर और रिफिलिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए, जो सुरक्षा नियमों और नियामक दिशानिर्देशों के गंभीर उल्लंघन की ओर इशारा करते हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस जब्ती से एलपीजी वितरण प्रणाली के जानबूझकर दुरुपयोग का पता चलता है।

एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी को लेकर व्याप्त चिंताओं को देखते हुए ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम में इंस्पेक्टर पुखराज सिंह, सब-इंस्पेक्टर निरंजन सिंह, सब-इंस्पेक्टर राहुल, सहायक सब-इंस्पेक्टर प्रदीप, हेड कांस्टेबल विक्रांत, हेड कांस्टेबल हरजीत और कांस्टेबल मनोज शामिल थे। यह अभियान एनआर-1 के एसीपी अशोक शर्मा के पर्यवेक्षण में चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार लगातार छानबीन के बाद हेड कांस्टेबल नरेंद्र और हेड कांस्टेबल विक्रांत को रोहिणी जिले के रामा विहार क्षेत्र में एलपीजी सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी और रिफिलिंग के संबंध में विशिष्ट और विश्वसनीय गुप्त सूचनाएं संयुक्त रूप से प्राप्त हुईं।

सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए रोहिणी के सेक्टर-22 स्थित सुरसुमन गैस एजेंसी के पास एक सुनियोजित छापेमारी की गई। इस अभियान के दौरान मूल रूप से उत्तर प्रदेश के एटा निवासी लोकपाल नामक 55 वर्षीय व्यक्ति कथित तौर पर एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और अवैध रिफिलिंग में सक्रिय रूप से शामिल पाया गया। छापेमारी के बाद शनिवार को क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में आवश्यक वस्तु अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि बरामद किए गए 57 सिलेंडरों में से 50 भरे हुए थे, दो खाली थे और पांच में गैस की मात्रा कम थी। सिलेंडरों के अलावा, सिलेंडरों को ले जाने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक टाटा पिकअप ट्रक और एक वजन मशीन भी मौके से जब्त की गई। जांचकर्ताओं ने आगे खुलासा किया कि आरोपी एचपी एलपीजी की वितरक एक अधिकृत गैस एजेंसी में पंजीकृत डिलीवरी कर्मी के रूप में काम करता था और रोहिणी क्षेत्र में सिलेंडर वितरण का प्रभारी था। एजेंसी का अधिकृत भंडारण गोदाम भी रोहिणी में ही स्थित है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी ने डिलीवरी के लिए भेजे गए एलपीजी सिलेंडरों को अवैध रूप से अपने वाहन में जमा कर लिया था और अपने दैनिक वितरण लक्ष्यों को पूरा नहीं किया था।

महिलाओं के नाम पर राजनीति करने वालों का हो रहा पर्दाफाश : दिलीप घोष

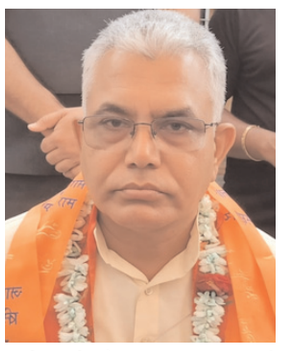

नई दिल्ली। भाजपा नेता दिलीप घोष ने महिला आरक्षण संशोधन बिल को लेकर विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। खड़गपुर सदर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार घोष ने कहा कि इस बिल ने उन पार्टियों का असली चेहरा उजागर कर दिया है, जो लंबे समय से महिला सशक्तीकरण और अधिकारों की बात करती रही हैं।

दिलीप घोष ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'महिला आरक्षण बिल ने उन कई पार्टियों का पर्दाफाश कर दिया है जो अक्सर महिला सशक्तीकरण और महिलाओं के अधिकारों की बात करती हैं। उन्होंने इस बिल का समर्थन नहीं किया, जिससे यह साफ होता है कि वे महिलाओं के नाम पर सिर्फ राजनीति कर रही हैं और कुछ नहीं।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठाए हैं। यह भी महिलाओं को आगे लाने के लिए बहुत जरूरी कदम था, लेकिन इसमें विपक्ष का समर्थन नहीं मिला। विपक्ष देशहित में काम नहीं करता है।'दिलीप घोष ने कहा, 'ममता बनर्जी महिलाओं को 1500 रुपए देकर उनके वोट खरीदना चाहती हैं। उन्हें महिलाओं की सुरक्षा की कोई परवाह नहीं है। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था जीरो हो गई है। जनता की समस्या सुनने वाला कोई नहीं है। जनता बिलकुल परेशान है, इसीलिए इस बार भाजपा को ला रही है।

चारधाम यात्रा 2026 शुरू, मुख्यमंत्री धामी ने शुभकामनाएं दीं

देहरादून। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर रविवार को श्री यमुनोत्री धाम और श्री गंगोत्री धाम के कपाट खुलेंगे, जो वार्षिक चार धाम यात्रा के प्रारंभ का प्रतीक है। मंदिरों को फूलों से खूबसूरती से सजाया गया है, और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

विशेष प्रार्थनाओं और अनुष्ठानों के बाद देवी गंगा की पालकी (डोली) मुखबा गांव स्थित उनके शीतकालीन निवास से रवाना हो चुकी है। स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों में भारी उत्साह और श्रद्धा का संचार हुआ। इसी बीच, देवी यमुना की पालकी भी खरसाली गांव स्थित उनके शीतकालीन निवास से रवाना हो गई है। गांव में 'जय मां गंगे' के जयकारे गूंज रहे थे, साथ ही ढोल-दमाऊ और रणसिंघा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्र भी बज रहे थे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पुजारी, साधु और अधिकारी जुलूस में शामिल हुए, जो आस्था और एकता की गहरी भावना को दर्शाता है। रविवार को प्रतिमाओं को यमुनात्री और गंगोत्री मंदिर परिसर में स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज अक्षय तृतीया के पवित्र अवसर पर श्री गंगोत्री और श्री यमुनोत्री धाम के द्वार श्रद्धालुओं के लिए पूरे रीति-रिवाजों के साथ खोले जा रहे हैं। इसके साथ ही चार धाम यात्रा-2026 का भी शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चार धाम यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालु-हितैषी बनाने के लिए व्यापक और ठोस तैयारियां सुनिश्चित की हैं। मुख्यमंत्री धामी ने आगे कहा, 'मैं माता गंगा और माता यमुना से प्रार्थना करता हूं कि वे आप सभी के जीवन को सुख, समृद्धि और प्रगति से भर दें।

एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि देवताओं की भूमि उत्तराखंड में सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन। यात्रा के दौरान, कृपया निर्धारित नियमों का पालन करें और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए, इस पवित्र तीर्थयात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने में सक्रिय योगदान दें। भगवान इस पवित्र यात्रा को आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति से भर दें।

इस बीच, श्री केदारनाथ धाम 22 अप्रैल को खुलेगा, जिसके बाद श्री बद्रीनाथ धाम 23 अप्रैल को खुलेगा। शनिवार शाम तक 18.9 लाख तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया था। केदारनाथ में सबसे अधिक 6.5 लाख पंजीकरण हुए, उसके बाद बद्रीनाथ (5.5 लाख), गंगोत्री (3.3 लाख) और यमुनात्री (3.2 लाख) का स्थान रहा।

शनिवार को ही मुख्यमंत्री धामी ने ऋषिकेश स्थित चार धाम यात्रा ट्रांजिट कैंप से यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो सनातन धर्म की सबसे पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक का औपचारिक शुभारंभ था। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से बातचीत की, उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनकी सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से परिपूर्ण यात्रा की कामना की।

एनडीए नेताओं ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन को घेरा, कहा- 40 वर्षों तक बिल को लटकाने वाले अब कर रहे राजनीति

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल पारित न होने पर एनडीए के नेताओं ने विपक्ष पर महिलाओं के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ये शुरू से आदत रही है, इसमें कुछ नया नहीं है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आरक्षण का मुद्दा पिछले 40 वर्षों से लंबित था, लेकिन कांग्रेस और अन्य दलों ने इसे कभी गंभीरता से हल करने की कोशिश नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि 'इंडी गठबंधन' की पार्टियां महिलाओं को आरक्षण से वंचित रखना चाहती हैं। यह साफ नहीं है कि दक्षिण भारत में डीएमके या उसके सदस्यों को क्या हो गया, जबकि प्रधानमंत्री ने एक ऐसा फॉर्मूला पेश किया था जिससे यह सुनिश्चित होता कि किसी भी राज्य की सीटें कम नहीं होंगी।'

वहीं, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, 'देश और प्रदेश की महिलाएं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को कभी माफ नहीं करेंगी। विपक्षी दलों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। विपक्षी दलों के पास कहने को कुछ नहीं है। वे सिर्फ बेमतलब की बयानबाजी करके गुमराह करना चाहते हैं लेकिन देश की महिलाएं और जनता सच्चाई को अच्छी तरह समझते हैं। देश और प्रदेश की महिलाएं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को कभी माफ नहीं करेंगी। विपक्षी दलों को इसके परिणाम भुगतने होंगे।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा, 'प्रधानमंत्री का उद्देश्य यह था कि महिलाओं को संविधान में आरक्षण मिले, जैसा कि बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर ने परिकल्पना की थी, जिससे आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

अक्षय तृतीया के अवसर पर मुंबादेवी मंदिर में आम्र महोत्सव की धूम, रसीले आमों से किया गया मां का शृंगार

मुंबई। देश भर के मंदिरों में अक्षय तृतीया के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ दर्शन के लिए पहुंच रही है। उत्तर से लेकर दक्षिण भारत में भगवान विष्णु और नरसिंह भगवान को चंदन के लेप से ठंडक प्रदान की जा रही है, तो वहीं मुंबई के प्रसिद्ध देवी मंदिर मुंबादेवी में आम महोत्सव पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। मुंबादेवी मंदिर में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी आम महोत्सव मनाया जा रहा है।

मुंबादेवी मंदिर के व्यवस्थापक हेमंत जाधव बताते हैं कि महाराष्ट्र में आम की पैदावार सबसे ज्यादा होती है। यहां का हापुस आम पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। मुंबादेवी महाराष्ट्र के लोगों की कुल देवी है। इसलिए आम उत्पादन करने वाले किसान अक्षय तृतीया के दिन अपने बगीचे का आम लाकर मां के चरणों में अर्पित करते हैं। किसानों, व्यापारियों, तथा देवी भक्तों द्वारा लाए गए आमों से मां का शृंगार किया जाता है।

उन्होंने आगे बताया कि आम का निर्यात करने वाले व्यापारी भी विदेशों में अपना माल भेजने से पहले मां के चरणों में अपने व्यापार की मंगल कामना करते हैं। इस वर्ष आज ही के दिन अक्षय तृतीया पड़ रही है। इस दिन भारी संख्या में देवी भक्त एकत्रित होकर इस आम महोत्सव का दर्शन कर अपने को भाग्यशाली मानते हैं।

मुंबादेवी के नाम पर ही मुंबई का नाम रखा गया था। मां को मुंबई की रक्षिका के तौर पर पूजा जाता है। पहले यह मंदिर 1737 में मेंजिस नामक की जगह पर बना था, लेकिन बाद में अंग्रेजों के शासन में मंदिर को मरीन लाइन्स-पूर्व क्षेत्र में स्थापित कर दिया गया। मंदिर को 400 से अधिक सालों से पुराना बताया जाता है। मान्यता है कि मां की स्थापना मछुआरों ने की थी। मान्यता है कि मुंबादेवी मुंबई के समुद्र और पूरे शहर की रक्षा करती है। साथ ही यह भी मानते हैं कि मां के दर्शन मात्र से ही सारी परेशानियों से मुक्ति मिल जाती है और भक्त की मुराद भी पूरी होती है। यही कारण है कि भक्त दूर-दूर से मां के दर्शन के लिए आते हैं।

नासा का क्यूबसैट कैनवास : स्पेस में रेडियो तरंगों का अध्ययन शुरू, जानें क्या है यह मिशन

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने एक छोटे लेकिन महत्वपूर्ण सैटेलाइट को हाल ही में लॉन्च किया है, जो पृथ्वी से निकलने वाली प्राकृतिक और मानव-निर्मित रेडियो तरंगों का अध्ययन कर रहा है। यह मिशन वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आसपास के अंतरिक्ष वातावरण को बेहतर समझने और अंतरिक्ष मौसम का सटीक पूर्वानुमान लगाने में मदद करेगा।

कैनवास (क्लाइमेटोलॉजी ऑफ एंथ्रोपोगेनिक एंड नेचुरल वीएएफ वेव एक्टिविटी इन स्पेस) नामक यह क्यूबसैट 7 अप्रैल 2026 को कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से मिनोटौर ढ्ढङ्ग रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया था। यह अमेरिकी रक्षा विभाग के स्पेस टेस्ट प्रोग्राम एस29ए (एसटीपी-एस29ए) मिशन का हिस्सा रहा। वहीं, नासा की क्यूबसैट लॉन्च इनिशिएटिव (सीएलआई) के तहत इसकी लॉन्च व्यवस्था की गई थी।

कैनवास एक 4यू क्यूबसैट है, जिसे कोलोराडो यूनिवर्सिटी, बोल्डर ने विकसित किया है। इसका मुख्य काम पृथ्वी की निचली कक्षा से बहुत कम आवृत्ति वाली (वीएलएफ) रेडियो तरंगों को मापना है। ये तरंगें बिजली गिरने और जमीन पर स्थित ट्रांसमीटर्स से उत्पन्न होती हैं। यह मापता है कि ये तरंगें पृथ्वी के आयनमंडल (वायुमंडल का ऊपरी विद्युत आवेशित हिस्सा) से गुजरकर मैग्नेटोस्फीयर तक कितनी मात्रा में पहुंचती हैं। वीएलएफ तरंगें अंतरिक्ष में फंसे हाई एनर्जी वाले इलेक्ट्रॉन्स के रास्ते को थोड़ा बदल सकती हैं। इससे कभी-कभी ये इलेक्ट्रॉन विकिरण पट्टियों से निकलकर वायुमंडल में प्रवेश कर जाते हैं।

कैनवास इन तरंगों के प्रभाव को समझकर स्पेस वेदर के मॉडलों को मजबूत बनाएगा। इससे स्पेसक्राफ्ट, सैटेलाइट्स और पृथ्वी पर बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में सुधार होगा।

मिशन के दौरान कैनवास दो मुख्य उपकरणों का उपयोग करेगा एक त्रि-अक्षीय सर्च कॉइल मैग्नेटोमीटर और एक द्वि-अक्षीय एसी विद्युत क्षेत्र सेंसर। इनकी मदद से यह वीएलएफ तरंगों की शक्ति और दिशा का पता लगाएगा। बिजली गिरने की घटनाओं की तुलना विश्वव्यापी बिजली नेटवर्क के डेटा से करके यह जलवायु संबंधी अध्ययन करेगा कि ये तरंगें आयनमंडल से कैसे गुजरती हैं।

बता दें, नासा ने साल 2021 में सीएलआई के तहत कैनवास को चुना था। यह कम लागत वाला मिशन छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अंतरिक्ष हार्डवेयर डिजाइन करने, विकसित करने और बनाने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। नासा का लॉन्च सर्विसेज प्रोग्राम इस पहल को संचालित करने में अहम योगदान दे रहा है। कैनवास ईलाना 55 लॉन्च ग्रुपिंग का भी हिस्सा है।अगले एक वर्ष तक कैनवास निरंतर डाटा एकत्र करेगा। यह डाटा पृथ्वी से अंतरिक्ष में ऊर्जा के प्रवाह को समझने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

खाना खाते ही शरीर लगने लगता है भारी; मंद पाचन हो सकती है मुख्य वजह

नई दिल्ली। खाना हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि यह सिर्फ मात्र भोजन नहीं, बल्कि शरीर को चलाने का ईंधन है।

भोजन हमारे शरीर को ऊर्जा देता है और शरीर का विकास भी अच्छे तरीके से होता है, लेकिन कुछ लोग खाना खाने के बाद काम नहीं कर पाते क्योंकि शरीर में भारीपन लगता है और तेज नींद आती है। कुछ लोगों के लिए यह भारीपन इतना ज्यादा हो जाता है कि सीधा बिस्तर पकड़ लेते हैं, लेकिन यह आदत सही नहीं है।

आयुर्वेद के मुताबिक, जब भी हम खाना खाते हैं तो शरीर उस खाने को पचाने के लिए सारी ऊर्जा लगा देता है। इससे शरीर सुस्त पड़ जाता है और कुछ भी करने का मन नहीं करता। खाना पचाने में शरीर की बहुत अधिक ऊर्जा लगती है, और यही कारण है कि ऐसा लगता है कि अब बस सो जाएं, लेकिन ऐसे समय में बिस्तर पर लेट जाना या फिर सो जाना सेहत के लिए हानिकारक है। इसके लिए भोजन को छोटे-छोटे टुकड़ों में अच्छे से चबाकर खाएं, इससे पेट को पचाने में कम मेहनत करनी पड़ेगी।

इसके साथ ही खाना खाने के तुरंत बाद बैठे नहीं और न ही बिस्तर पर लेट जाएं। इससे पाचन क्रिया मंद हो जाती है और सुस्ती तेजी से शरीर को घेर लेती है। इसलिए कोशिश करें कि खाने के बाद थोड़ा टहलें। टहलने से खाना अच्छे से पचेगा, पेट में सड़ेगा नहीं और खाने का पूरा पोषण भी शरीर को मिलेगा।

अत्याधिक तनाव लेने से भी भोजन के बाद तेज नींद आती है। तनाव से पाचन प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है और खाना कम गति से पचता है। अधिक तनाव कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन को शरीर में अधिक कर देता है, जो नींद और शरीर की कमजोरी का कारण बनती है। ऐसे में खुद को मानसिक रूप से स्वस्थ रखने की कोशिश करें।

ओवरईटिंग की आदत भी इसके पीछे की मुख्य वजह हो सकती है। ज्यादा खाने से शरीर में भारीपन लगता है और शरीर सुस्त पड़ जाता है।

इससे न सिर्फ सुस्ती महसूस होती है, बल्कि मन भी घबराने लगता है और कई बार उल्टी करने की नौबत भी आ जाती है। इसके साथ ही हल्का और सुपाच्य भोजन करे। भोजन जितना हल्का होगा, पचने में उतना ही कम समय लगेगा और पेट संबंधी परेशानियों से भी निजात मिलेगी।

डिलीवरी के बाद 6 हफ्ते क्यों हैं मां-बच्चे के लिए सबसे अहम? आयुर्वेद से जानिए

नई दिल्ली । डिलीवरी के बाद के शुरुआती 6 हफ्ते, यानी लगभग डेढ़ महीना, मां और बच्चे दोनों के लिए बहुत ही नाजुक और महत्वपूर्ण समय होता है। आयुर्वेद में इस अवधि को सूतिका काल कहा गया है और इसे शरीर व मन के पुनर्निर्माण का समय माना गया है। इस दौरान सही देखभाल न हो तो मां को कमजोरी, संक्रमण या लंबे समय तक चलने वाली समस्याएं हो सकती हैं, वहीं नवजात शिशु का विकास भी प्रभावित हो सकता है।

आयुर्वेद के अनुसार, प्रसव के बाद महिला का शरीर काफी कमजोर हो जाता है क्योंकि इस समय शरीर से काफी ऊर्जा और रक्त की हानि होती है। शरीर में वात दोष बढ़ जाता है, जिससे दर्द, थकान, बेचैनी और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए इन 6 हफ्तों में शरीर को धीरे-धीरे संतुलन में लाना बहुत जरूरी होता है।

इस दौरान आराम और उचित देखभाल बहुत जरूरी होता है। मां को पर्याप्त आराम देना चाहिए ताकि शरीर अपनी प्राकृतिक स्थिति में लौट सके। इस दौरान हल्की मालिश (तेल से) की जाती है, जिससे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है, दर्द कम होता है और गर्भाशय जल्दी सामान्य आकार में आता है।

आयुर्वेद में यह भी बताया गया है कि इस समय हल्का, गर्म और पौष्टिक भोजन लेना चाहिए, जैसे मूंग दाल का पानी, दलिया, गर्म सूप और घी से युक्त हल्का आहार। इससे शरीर की ताकत वापस आती है और दूध बनने की प्रक्रिया भी बेहतर होती है। ठंडा, भारी और गैस बनाने वाला खाना इस दौरान नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह पाचन को बिगाड़ सकता है।

इस अवधि में स्तनपान को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। बच्चे को जन्म के एक घंटे के भीतर दूध पिलाना शुरू करना चाहिए। शुरुआती दूध, जिसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है, बच्चे के लिए बेहद पौष्टिक और रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाने वाला होता है। यह बच्चे की इम्युनिटी को मजबूत करता है और मां-बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध भी बनाता है।

आयुर्वेद यह भी कहता है कि मां को मानसिक रूप से भी शांत और खुश रहना चाहिए। तनाव, चिंता और गुस्सा इस समय शरीर पर बुरा असर डालते हैं और दूध की गुणवत्ता को भी प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए परिवार का सहयोग और भावनात्मक सहारा बहुत जरूरी होता है।

इसके साथ ही सफाई का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है।

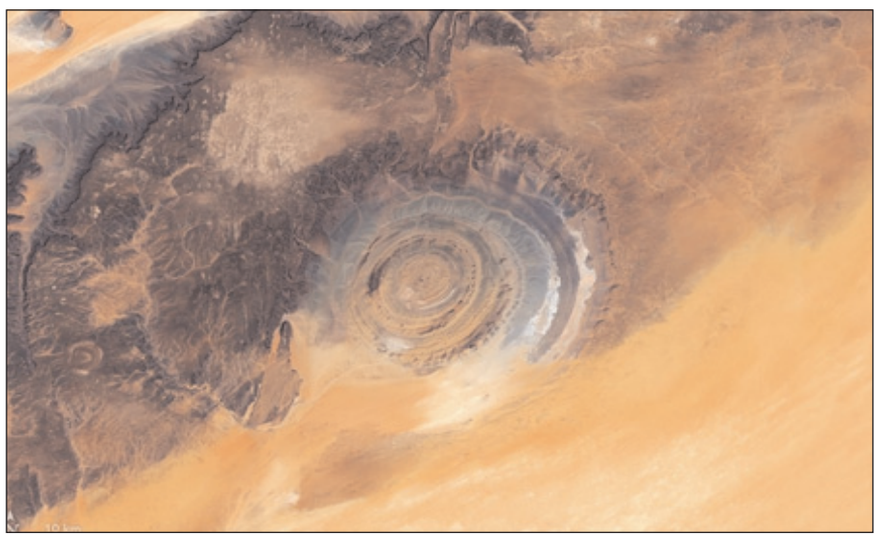

उल्कापिंड गड्ढा नहीं, लाखों साल पुरानी भूवैज्ञानिक गुंबद, नासा ने कैद की 'सहारा की आंख' की तस्वीर

नई दिल्ली। सहारा रेगिस्तान के बीच स्थित एक रहस्यमयी गोलाकार संरचना ने दशकों से वैज्ञानिकों को हैरान कर रखा है। हाल ही में अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की अर्थ ऑब्जर्वेटरी ने उन्नत सैटेलाइट तकनीक से इस अनोखी भूवैज्ञानिक बनावट को स्पष्ट रूप से कैद किया है।

इसे रिचैट स्ट्रक्चर या 'सहारा की आंख' के नाम से जाना जाता है। यह उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका के मॉरिटानिया देश में स्थित है। यह संरचना लगभग 40 किलोमीटर व्यास वाली है और ऊपर से देखने पर एक विशाल बैल की आंख या बटनहोल जैसी दिखाई देती है। पहले इसे गलती से किसी उल्कापिंड के टकराने से बने गड्ढे समझा जाता था, लेकिन बाद के शोधों ने साबित कर दिया कि यह एक प्राकृतिक भूवैज्ञानिक प्रक्रिया का नतीजा है।

हाल ही में नासा के लैंडसैट 8 और 9 उपग्रहों ने मार्च 2026 में ली गई तस्वीरों में इस संरचना को और स्पष्ट रूप से दिखाया है। आसपास रंग-बिरंगे रेत के टीले, गहरी घाटियां और सूखी नदी धाराएं भी दिखाई देती हैं। यह संरचना पृथ्वी की सतह को आकार देने वाली भूवैज्ञानिक शक्तियों—जैसे उठाव, कटाव और आग्नेय गतिविधि—का शानदार उदाहरण है। नासा की यह तस्वीर न केवल वैज्ञानिकों के लिए उपयोगी है, बल्कि आम लोगों को भी पृथ्वी के अद्भुत इतिहास से जोड़ती है।

वैज्ञानिक बताते हैं कि रिचैट संरचना एक उठे हुए जियोलॉजिकल डोम के रूप में बनी है। लाखों साल पहले जमीन के नीचे से आग्नेय पदार्थ ऊपर की ओर आया, जिससे चट्टानी परतें ऊपर की ओर उठ गईं। समय के साथ हवा, पानी और कटाव की प्रक्रिया ने इन परतों को अलग-अलग दर से घिसा। इससे केंद्र से बाहर की ओर फैली संकेंद्रित लकीरें बन गईं, जिन्हें 'क्यूस्टा' कहा जाता है। नारंगी, भूरा और अन्य रंग विभिन्न प्रकार की तलछटी व आग्नेय चट्टानों को दर्शाते हैं। केंद्र में पुरानी चट्टानें हैं, जबकि बाहरी छोर पर नई परतें दिखाई देती हैं। पूरी प्रक्रिया में लाखों वर्ष लगे। आज यह संरचना सहारा के विशाल रेगिस्तान में एक अनोखा नजारा पेश करती है।

रिचैट संरचना उत्तरी मॉरिटानिया के अद्रार पठार पर स्थित है।

यह इलाका पुरापाषाण काल के पत्थर के औजारों, नवपाषाण काल की गुफा चित्रकारी और प्राचीन कारवां मार्गों के अवशेषों से भरा पड़ा है। जमीन से देखने पर यह संरचना ज्यादा स्पष्ट नहीं होती, लेकिन अंतरिक्ष से यह साफ दिखाई देती है।

1930 के दशक में फ्रांसीसी भूगोलवेत्ताओं ने इसे पहली बार 'रिचैट बटनहोल' नाम दिया।

पेट की गर्मी शांत कर तन-मन दोनों को कूल रखता है छाछ, स्वाद में भी लाजवाब

नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम शुरू होते ही तेज तपिश, लू और उमस ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। बढ़ते तापमान में प्यास लगते ही ज्यादातर लोग कोल्ड ड्रिंक्स या पैक्ड जूस की ओर रुख करते हैं, लेकिन ये सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। ऐसे में आयुर्वेद में छाछ को गर्मियों का सबसे बेहतरीन प्राकृतिक पेय माना गया है।

छाछ न सिर्फ पेट की गर्मी को शांत करता है, बल्कि तन और मन दोनों को ठंडक और ताजगी प्रदान करता है। स्वाद में लाजवाब होने के साथ-साथ यह कई स्वास्थ्य लाभ भी देता है। छाछ दही को अच्छे से मथकर बनाया जाने वाला हल्का, ठंडा और स्वादिष्ट पेय है। इसमें पानी की मात्रा अधिक होने के कारण यह शरीर को तुरंत हाइड्रेट करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है।

आयुर्वेद के अनुसार, छाछ पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और पेट की अंदरूनी गर्मी को शांत करने में कारगर है। दोपहर के भोजन के बाद एक गिलास छाछ पीने से गर्मी के कारण होने वाली गैस, एसिडिटी, चक्कर और अपच जैसी समस्याओं में तुरंत राहत मिलती है। छाछ में प्रोबायोटिक्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आंतों में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। इससे पेट साफ रहता है, कब्ज दूर होता और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, बाजार के कोल्ड ड्रिंक्स में अत्यधिक चीनी और रासायनिक तत्व होते हैं जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। वहीं छाछ एक पूरी तरह प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प है।

छाछ के सेवन से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। यह ठंडक देकर पेट की गर्मी कम करता है। चेहरे पर कील-मुंहासे और दाग-धब्बों को कम करके निखार लाता है। छाछ कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर होने के कारण हड्डियों को मजबूत बनाता है और पसीने से होने वाली इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करता है।

योग निद्रा : तनाव और थकान भगाकर खुद को रिचार्ज करने का आसान तरीका, ऐसे करें अभ्यास

नई दिल्ली। आज की तेज भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, थकान और मानसिक बोझ हर किसी को परेशान कर रहा है। काम का प्रेशर, नींद की कमी और लगातार चिंताएं शरीर और मन दोनों को दिन-ब-दिन कमजोर बनाती जा रही हैं। ऐसे में योग निद्रा खुद को रिचार्ज करने का सबसे आसान, प्रभावी और वैज्ञानिक तरीका है।

योग निद्रा को 'योगिक निद्रा' भी कहा जाता है। यह न तो पूरी नींद है और न ही जागने की स्थिति। यह दोनों के बीच की गहरी विश्राम की अवस्था है, जिसमें शरीर पूरी तरह आराम में रहता है लेकिन मन पूरी तरह जागरूक और सतर्क रहता है।

मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा के अनुसार, योग निद्रा का नियमित अभ्यास शरीर को नई ऊर्जा देता है और मन को शांत करता है। यह कोई कठिन योगासन नहीं है, बल्कि डीप रिलैक्सेशन की विधि है जिसे कोई भी व्यक्ति, किसी भी उम्र का हो, आसानी से कर सकता है। योग निद्रा अभ्यास के लिए सबसे पहले शवासन पोज में आएं। इसमें पीठ के बल सीधे लेट जाएं, हाथ-पैर ढीले छोड़ दें, आंखें बंद करें और शरीर को पूरी तरह ढीला छोड़ दें। एक प्रशिक्षक या गाइडेड ऑडियो की मदद से अभ्यास किया जाता है। इसमें क्रमवार शरीर के हर अंग पर ध्यान केंद्रित किया जाता है- पैरों की उंगलियों से लेकर सिर तक। सांस पर फोकस किया जाता है और मन को विचारों से मुक्त किया जाता है। पूरा सेशन आमतौर पर 20 से 40 मिनट तक चलता है।योग निद्रा अभ्यास के लिए शुरुआत में किसी योग प्रशिक्षक की देखरेख में सीखना बेहतर होता है। योग निद्रा तनाव और चिंता को तेजी से कम करता है। अनिद्रा की समस्या दूर कर गहरी नींद लाता है। एकाग्रता और याददाश्त बढ़ाता और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है। तनाव हार्मोन (कोर्टिसोल) कम करता और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। भावनात्मक संतुलन बनाए रखता है।

गर्मियों में गन्ने का जूस हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं, इन बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम आते ही गन्ने के जूस की डिमांड बढ़ जाती है। इसका स्वाद मीठा और ताजगी भरा होता है, जिससे शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है। कई लोग इसे सेहत के लिए अच्छा मानकर नियमित रूप से पीते हैं। लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो हर चीज हर व्यक्ति के लिए सही नहीं होती। गन्ने का जूस भी कुछ लोगों के लिए फायदेमंद होने के बजाय नुकसानदायक साबित हो सकता है।

जिन लोगों को शुगर की बीमारी है, उनके लिए गन्ने का जूस खतरनाक है। गन्ने के जूस में ग्लूकोज और सुक्रोज की मात्रा काफी ज्यादा होती है। जब यह शरीर में जाता है तो तेजी से खून में शुगर का स्तर बढ़ा देता है, जिससे स्थिति जोखिम भरी हो सकती है। अचानक बढ़ा हुआ शुगर का स्तर थकान, चक्कर या अन्य समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए डॉक्टर आमतौर पर ऐसे मरीजों को मीठे पेय से दूरी बनाने की सलाह देते हैं।

वहीं वजन कम करने वालों या जो पहले से मोटापे से परेशान हैं, उनके लिए भी गन्ने का जूस सही विकल्प नहीं है। गन्ने का जूस भले ही प्राकृतिक हो, लेकिन इसमें कैलोरी की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जो फैट में बदल सकता है। इसके अलावा, मीठे पेय पदार्थ दिमाग में भूख बढ़ाने वाले संकेत भी भेजते हैं, जिससे व्यक्ति जरूरत से ज्यादा खाना खाता है। इस कारण वजन घटाने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए गन्ने का जूस रुकावट बन सकता है। जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर होता है ।

लियोनेल मेसी का 'डबल धमाका', इंटर मियामी ने कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हराया

डेनवर । लियोनेल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने एक रोमांचक मुकाबले में कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हरा दिया। 75,824 दर्शकों की मौजूदगी में यह मैच एम्पावर फील्ड एट माइल हाई में खेला गया। मेजर लीग सॉकर के इतिहास की यह दूसरी सबसे बड़ी उपस्थिति थी।

मियामी की जीत में कप्तान लियोनेल मेसी की अहम भूमिका रही। मेसी ने दो गोल करते हुए टीम को जीत दिलायी।

मैच की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 18वें मिनट में मेसी ने पेनल्टी के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन में उनका छठा गोल था। पहले हाफ के अंत में, स्टॉपेज टाइम में जर्मन बर्टेराम ने शानदार हेडर के जरिए मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल में सिल्वेटी का सटीक क्रॉस अहम रहा, जो इस सीजन में उनका तीसरा असिस्ट था। दूसरे हाफ में कोलोराडो रैपिड्स ने जोरदार वापसी की। 58वें मिनट में राफेल नवारो और 62वें मिनट में डैरेन यापी ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका था और दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष कर रही थीं।

हालांकि, 79वें मिनट में मेसी ने एक बार फिर अपना जादू दिखाया। उन्होंने रोद्रिगो डी पॉल के पास पर शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचाया, जबकि डी पॉल का तीसरा असिस्ट रहा।

मैच में अंत तक इंटर मियामी ने अपनी बढ़त बनाए रखी और 3-2 से जीत हासिल कर तीन अहम अंक अपने नाम किए। इस जीत के साथ टीम ने सीजन में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है, जहां अब तक वह तीन जीत, एक ड्रॉ और एक हार के साथ 13 अंक हासिल कर चुकी है।

इंटर मियामी अब अगले मुकाबले में फिर से कोलोराडो रैपिड्स का सामना करने के लिए डेनवर का दौरा करेगा, जहां एक और रोमांचक भिड़ंत की उम्मीद की जा रही है।

आईपीएल 2026: पीबीकेएस ने एलएसजी को 54 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़। आईपीएल 2026 के 29वें मुकाबले में रविवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 54 रनों से हराया। पीबीकेएस से मिले 255 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी की टीम 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी। यह पंजाब किंग्स की इस सीजन की पांचवीं जीत है।

255 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत शानदार रही। आयुष बदोनी और मिचेल मार्श ने मिलकर पहले विकेट के लिए 5.6 ओवर में 61 रन जोड़े। मार्श 28 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बदोनी ने 21 गेंदों में 35 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान ऋषभ पंत अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने महज 23 गेंदों का सामना करते हुए 43 रनों की दमदार पारी खेली। पंत ने अपनी इस पारी में एक चौका और 4 छक्के लगाए।

निकोलस पूरन की खराब फॉर्म इस मुकाबले में भी जारी रही और वह 9 रन बनाकर आउट हुए। एडेन मार्करम और मुकेश चौधरी ने पांचवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। दोनों ने मिलकर 33 गेंदों में 60 रनों की साझेदारी निभाई, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। मार्करम ने 22 गेंदों में 42 रन बनाए, तो मुकुल 17 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में मार्को जानसेन ने 37 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैशाक और चहल ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

इससे पहले पंजाब किंग्स ने टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 254 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और प्रभसिमरन सिंह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 182 रनों की साझेदारी निभाई। कोनोली ने 46 गेंदों का सामना करते हुए 8 चौके और 7 छक्कों की मदद से 87 रन बनाए। वहीं, प्रियांश ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए सिर्फ 37 गेंदों में 93 रनों की शानदार पारी खेली। प्रियांश ने अपनी पारी में 4 चौके और 9 छक्के लगाए। श्रेयस अय्यर 5 रन बनाकर आउट हुए।

मार्कस स्टोइनिस ने 16 गेंदों में 29 रनों का योगदान दिया, जबकि नेहल वढेरा ने 13 रन बनाए। अंतिम ओवरों में शशांक सिंह ने 6 गेंदों में 17 रन बनाए।

एलएसजी की तरफ से गेंदबाजी में प्रिंस यादव ने सिर्फ 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि एम सिद्धार्थ ने 35 रन खर्च करते हुए 2 विकेट निकाले। मोहम्मद शमी और मोहसिन खान ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

आयुष म्हात्रे का बाहर होना हमारे लिए बड़ा नुकसान होगा: माइक हसी

हैदराबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाजी कोच माइक हसी ने शीर्ष क्रम के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की इंजरी पर अपडेट देते हुए कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। म्हात्रे की चोट की गंभीरता का पता नहीं चल सका है। उसके लिए यह निश्चित रूप से बुरा है।

हसी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह हैमस्ट्रिंग टियर है। पता नहीं यह कितना बुरा है। हम शायद अगले दिन उसका स्कैन करेंगे। मुझे पक्का नहीं पता, लेकिन हां, यह काफी बुरा लग रहा है। बदकिस्मती से, उसका बाहर होना एक बड़ा नुकसान होगा क्योंकि वह हमारे लिए अच्छे टच में था।

उन्होंने आगे कहा, 'वह एक रोमांचक युवा प्रतिभा है, लेकिन इससे किसी और को मौका मिलेगा, इसलिए यह भी रोमांचक है। हमारे पास कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें मौका नहीं मिला है, इसलिए उनमें से किसी एक के लिए यह रोमांचक होगा। आयुष को खोने से हम जितना निराश हैं, मुझे नहीं पता कि यह कितने समय तक रहेगा, लेकिन एक नए खिलाड़ी का आना और मौका मिलना रोमांचक है।'

एसआरएच के खिलाफ मैच में सीएसके को जीत के लिए 195 रन का लक्ष्य मिला था। संजू सैमसन का विकेट गिरने के बाद सीएसके की पारी के दूसरे ओवर में गुरजपनीत सिंह की जगह म्हात्रे एक इम्पैक्ट सब के तौर पर आए। 18 साल के म्हात्रे शानदार फॉर्म में दिखे और 13 गेंदों पर 30 रन की पारी खेली।

पारी के दौरान पांचवें ओवर की दूसरी गेंद के बाद, दूसरा रन लेने की कोशिश में म्हात्रे की हैमस्ट्रिंग खिंच गई। उन्होंने रन पूरा किया लेकिन दर्द से जमीन पर बैठ गए। फिजियो तुरंत दौड़कर आए।

म्हात्रे ने मैदान से बाहर जाने के बजाय बल्लेबाजी करने का फैसला किया, और कुछ ही गेंदों के बाद अपना विकेट गंवा दिया।

श्रेयस अय्यर को खिलाड़ी आदर्श के रूप में देख रहे हैं: रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पिछले दो सालों में पंजाब किंग्स के लिए श्रेयस अय्यर द्वारा की गई कप्तानी और बल्लेबाजी की तारीफ की है। अश्विन ने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अय्यर एक ऐसे लीडर की भूमिका में सामने आ रहे हैं, जिससे खिलाड़ी प्रेरणा ले रहे हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के टाइम आउट कार्यक्रम में अश्विन ने कहा, 'बल्ले से फॉर्म अय्यर को कप्तान के तौर पर फॉर्म में मदद कर रहा है। वह टीम के आस-पास आसान माहौल बना रहे हैं।

यहां भाईचारा है। मैं ऐसी टीमों में खेला हूं जहां हमेशा एक लेयर होती है कि आप कप्तान या कोच के पास जाकर यह नहीं कह सकते कि मैं यह तुम्हारे लिए करूंगा। पंजाब में ऐसा है।'

उन्होंने कहा, 'बस यह बात कि उन्होंने इसे साधारण रखा है जैसे यह आपकी गली में या घर पर आपके टेनिस-बॉल गेम में किया जाता है, जहां हम अपने कप्तान या अपने दोस्त के साथ हर समय ऐसा करते हैं। वह माहौल कमाल का है। और मुझे लगता है कि जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, वह एक ऐसे लीडर की भूमिका में आ रहे हैं जिसे खिलाड़ी अपना आदर्श मान रहे हैं।

अश्विन का मानना ??है कि अय्यर क्रीज पर अपनी मौजूदगी से गेंदबाजों को डरा रहे हैं क्योंकि वह लगातार अपने खेल को बेहतर बनाने और बेहतर होने के लिए काम कर रहे हैं। बहुत से लोगों में इतनी इच्छा नहीं होती कि वे जिस चीज में अच्छे हैं उसे छोड़कर उन एरिया में जाएं जिनमें वे कमजोर हैं। आपने बहुत से ऐसे करियर देखे होंगे जहां लोगों ने अपनी कमजोरियों पर बिल्कुल भी काम नहीं किया। अय्यर कर रहे हैं।

आईपीएल 2026 में अय्यर ने अपनी पिछली तीन पारियों में 50, नाबाद 69, और 66 रन बनाए हैं। उन्होंने अब तक पांच मैचों में 187.96 के स्ट्राइक रेट से 203 रन बनाए हैं।

पंजाब किंग्स 5 मैचों में 4 जीत और बारिश की वजह से रद्द हुए मैच से मिले 1 अंक को मिलाकर कुल 9 अंक के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर है।

सेल्वा प्रभु ने ओरेगन टीम इनविटेशनल में ट्रिपल जंप का खिताब जीता

यूजीन । भारत के सेल्वा प्रभु ने एथलेटिक्स सीजन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ओरेगन टीम इनविटेशनल 2026 एथलेटिक्स मीट में पुरुषों का ट्रिपल जंप खिताब अपने नाम कर लिया है।

21 वर्षीय सेल्वा ने मशहूर हेवर्ड फील्ड में मुकाबला करते हुए, 16.61 मीटर की विजयी छलांग लगाकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी सभी कोशिशों में जबरदस्त निरंतरता दिखाई। प्रतियोगिता के दौरान सेल्वा ने 16.57 मीटर और 16.37 मीटर की छलांग भी लगाई।

अपलोस एडवर्ड्स 16.53 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि झावोर बेनेट ने 16.11 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान अपने नाम किया। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2022 में सिल्वर मेडल जीतने वाले सेल्वा ने इस सीजन में लगातार अपनी लय बना रहे हैं। फेएटविले में आयोजित एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप 2026 में हासिल किया गया उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.05 मीटर, इस स्पर्धा में भारतीय इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना हुआ है।

राष्ट्रीय स्तर पर, पुरुषों के ट्रिपल जंप का समग्र रिकॉर्ड प्रवीण चित्रवेल के नाम है, जिन्होंने दो मौकों पर 17.37 मीटर की दूरी तय की है।ओरेगन में मिली यह जीत सेल्वा प्रभु का इस सीजन में तीसरा खिताब है। उन्होंने जनवरी में मैनहैटन, कंसास में आयोजित 'थेन बेकर एथलेटिक्स मीट' में 16.49 मीटर की छलांग लगाकर वर्ष की शानदार शुरुआत की थी। उस प्रदर्शन की बदौलत वह एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की ओर से निर्धारित 16.28 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को भी पार करने में सफल रहे। हालांकि, सिर्फ क्वालिफाइंग मानक को पूरा कर लेना ही भारतीय टीम में चयन की गारंटी नहीं देता है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के दिशानिर्देशों के अनुसार, चयन के लिए पात्र होने हेतु एथलीट्स को कम से कम तीन घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेना अनिवार्य है, जिसमें राज्य-स्तरीय मीट में अनिवार्य उपस्थिति भी शामिल है।

इस महीने की शुरुआत में, सेल्वा प्रभु ने पालो ऑल्टो में आयोजित 'स्टैनफोर्ड इनविटेशनल' में भी 15.76 मीटर की छलांग लगाकर शीर्ष सम्मान हासिल किया था। इस सीजन में अपनी अन्य प्रतियोगिताओं में, वह तीन स्पर्धाओं में उपविजेता रहे हैं।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल': मिलिंद सोमन महिला प्रतिभागियों के साथ शामिल हुए

नई दिल्ली। मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। महिला प्रतिभागियों के साथ अभिनेता और मॉडल मिलिंद सोमन भी शामिल हुए।

मिलिंद सोमन ने महिला प्रतिभागियों के साथ साइकिल चलाई और अन्य फिटनेस से जुड़ी गतिविधियों में शामिल हुए। इस दौरान अधिकांश महिला प्रतिभागी गुलाबी रंग के कपड़े पहने हुए थीं। महिलाओं के अलावा पुरुषों ने भी इस इवेंट में हिस्सा लिया।

साइकिल रैली को झंडा दिखा कर रवाना किया गया। इसमें बड़ी संख्या में हर उम्र वर्ग की महिलाएं शामिल हुईं। साइक्लिंग के अलावा महिलाओं ने डांस भी किया। मिलिंद सोमन ने महिलाओं के साथ रस्सी खींच कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

सभी कार्यक्रमों के बाद मिलिंद सोमन ने कई महिलाओं को पुरस्कृत भी किया। 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन प्रत्येक रविवार को देश के अनेक हिस्सों में किया जाता है।

भारत-रूस राजनयिक संबंधों की स्थापना की 79वीं सालगिरह पर साइकिल रैली का आयोजन

नई दिल्ली। भारत और रूस के संबंध ऐतिहासिक रहे हैं। दोनों देशों ने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा है। राजनयिक के साथ सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने के लिए भारत और रूस में दूतावास कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं। इन कार्यक्रमों से दोनों देशों के लोगों को करीब आने का मौका मिलता है। नई दिल्ली स्थित रूस के दूतावास ने रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया था।

इस आयोजन में रूस के दूतावास के बड़े अधिकारियों के साथ ही दिल्ली और भारत के अलग-अलग राज्यों से आए लोगों ने भाग लिया। रैली में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने इसे न सिर्फ स्वास्थ्य बल्कि भारत-रूस संबंधों को मजबूत रखने की दिशा में अहम बताया।भारत में रूसी दूतावास में मिनिस्टर काउंसलर और डिप्टी चीफ ऑफ मिशन रोमन बाबुश्किन ने कहा, 'यह रैली एक परंपरा बन गई है। हमें उम्मीद है कि अगले साल, जब हम राजनयिक संबंधों की 80वीं सालगिरह मनाएंगे, तो यह संख्या बढ़ेगी।

रूसी दूतावास के प्रेस सचिव प्रवक्ता पेट्र सिजोव ने कहा, 'इस रेस में मैं और भी लोगों को इकट्ठा करना चाहता हूं। फिलहाल हमारे पास भारत के अलग-अलग हिस्सों से आए लगभग 700 लोग हैं।

साइकिल रेस में हिस्सा लेने के लिए पूर्वी दिल्ली से आए एक प्रतिभागी ने कहा कि साइकिल रेस का आयोजन बहुत शानदार तरीके से हो रहा है। हमने पिछले साल भी हिस्सा लिया था। मैं चाहूंगा कि ऐसे आयोजन होते रहें। मेरा यही संदेश है कि सभी को सप्ताह में एक बार साइकिल जरूर चलानी चाहिए। यह सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

एक अन्य प्रतिभागी ने कहा कि 'रूस के दूतावास द्वारा शुरू की गई यह एक बहुत अच्छी पहल है। इसका उद्देश्य रूस और भारत की सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देना है। मुझे लगता है कि उन्हें ऐसे और भी आयोजन करना चाहिए।

ऋतुराज गायकवाड़ बहुत ज्यादा दबाव में हैं: रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शनिवार को 2 मुकाबले खेले गए। दोपहर का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच और रात का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच खेला गया। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटरों रविचंद्रन अश्विन और चेतेश्वर पुजारा ने सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर पर बात की।

टस्टार 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर बात करते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दबाव में दिख रहे हैं।

अश्विन ने कहा, 'उनके लिए रन बनाने का यह सबसे अच्छा मौका था। आयुष म्हात्रे ने जिस तरह से शुरुआत की, उसे देखते हुए उन्हें रिस्क लेने या तेज रफ्तार से रन बनाने की जरूरत नहीं थी। वे पावरप्ले में तेजी से आगे बढ़ रहे थे। ऋतुराज के लिए कुछ समय लेने, कुछ रन बनाने और फॉर्म में वापस आने का यही सही मौका था। आयुष म्हात्रे के विकेट के बाद, ऋतुराज को एक बहुत अच्छी गेंद मिली, उन्हें पुल पर हराना आसान नहीं है। मुझे बस लगता है कि वह बहुत ज्यादा दबाव में हैं, और उनका दिमाग थोड़ा उलझा हुआ लग रहा है।

एसआरएच के खिलाफ मैच सीएसके के लिए पारी की शुरुआत करने वाले गायकवाड़ 13 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हुए।

जियोहॉटस्टार 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर बात करते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट चेतेश्वर पुजारा ने दिन के पहले मैच में डीसी के डेविड मिलर की आरसीबी के खिलाफ खेली गई पारी की तारीफ की।

पुजारा ने कहा, 'डीसी दबाव में थी। शेफर्ड के खिलाफ पहले छक्के ने सब कुछ बदल दिया। जब आपको आखिर में एक बड़ा ओवर चाहिए होता है, तो वह पहला छक्का बहुत जरूरी होता है, और उसके बाद चीजें थोड़ी आसान हो गईं। डेविड मिलर दबाव में थे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415